@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 19 जुलाई 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 253 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शरद खेमे में 29 पार्षद जाने के बाद हरकत में आए अजित पवार

पुणे, 18 जुलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ के पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इससे पहले, बुधवार को पुणे में शरद पवार की मौजूदगी में राकांपा के 29 पार्षद राकांपा (शरद चंद्र पवार) पार्टी में शामिल हुए। पाला बदलने वाले प्रमुख लोगों में राकांपा के पूर्व शहर अध्यक्ष अजितगव्हाणे, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल भोसले, छात्र शाखा के प्रमुख यश साने, भोसारी विधानसभा सीट प्रमुख पंकज भालेकर जैसे नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले इसे पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। उधर, शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विधानसभा चुनावों पर चर्चा के लिए अपने आधिकारिक आवास वर्षा बंगला पर पार्टी के नेताओं की बैठक बुलाई है। महाराष्ट्र में आने वाले कुछ ही महीनों विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सियासी माहौल गरमाने लगा है। राज्य की 288 सीट वाली विधानसभा के लिए अक्तूबर या उससे पहले चुनाव आयोजित होने की संभावना है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत मिला था। लेकिन अंदरूनी कलह के चलते शिवसेना ने एनडीए को छोड़ दिया था और राकांपा के साथ एक नया गठबंधन बनाया। फिर कांग्रेस ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को बुलाया और राज्य में सरकार बनाई थी। जिसमें उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।

चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतरे, 4 की मौत, 31 घायल

सिम्मी कौर बब्बर

लखनऊ, 18 जुलाई। गोंडा रेलवे स्टेशन से गोरखपुर वाया डिब्रूगढ़ जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15904) की 14 बोगियां पटरी से उतरकर पलट गईं। इनमें दो एसी कोच रेल पटरी के बगल खंती में भरे पानी में पलट गये। इससे पहले तेज रफ्तार ट्रेन के दो कोच बेपटरी हो गये। हादसा गोंडा-गोरखपुर रेल मार्ग पर मोतीगंज से झिलाही बाजार के बीच पिकौरा गांव के पास हुआ है। इसमें 4 यात्रियों की मौके पर मौत हो गई, दो अन्य मरणासन्न हालत में लखनऊ रेफर कर दिये गये। कुल 31 रेलयात्री घायल हैं। हादसे की प्रारंभिक वजह बारिश से पटरी के दोनों तरफ जलभराव होने से ट्रैक का बैठना बताया जा रहा है। बोगियों के बेपटरी होने से लगभग 500 मीटर ट्रैक उखड़ गया, जबकि इलेक्ट्रिक लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद डीएम नेहा शर्मा और एसपी विनीत जायसवाल के साथ अन्य अफसरों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज कराया। डीएम ने बताया कि दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का बेहतर उपचार कराया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने पलटे एसी कोच के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। एसडीआरएफ, पुलिस व आरपीएफ के

जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने दो रेल यात्रियों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि इनकी शिनाख्त की जा रही है। हादसे में 31 रेल यात्री घायल हुए हैं, जिनमें दो गंभीर हैं। 26 घायलों को मनकापुर सीएचसी व तीन अन्य घायलों को सीएचसी काजीदेवर में भर्ती कराया गया है। नौ घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज लाया गया हैं। पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिये गये हैं। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन चंडीगढ़ से बुधवार की रात 11.59 बजे डिब्रूगढ़ के लिए चली थी। बृहस्पतिवार को ट्रेन गोंडा रेलवे स्टेशन पर दोपहर 2.25 बजे पहुंची थी और 2.28 बजे रवाना हुई गोंडा मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर मोतीगंज-झिलाही बाजार के बीच में पिकौरा गांव के पास ट्रेन करीब 2.41 बजे पहुंची थी। जहां ट्रेन बेपटरी होकर पलट गई। 24 बोगियों वाली ट्रेन के इंजन के बाद एसी की छह बोगियां लगीं थीं, जिसमें दो बोगी पटरी से उतरकर नीचे गिरीं, इसके बाद एसी की चार अन्य बोगियां भी पटरी से लटक गईं। गाड़ी की रफ्तार सौ किमी प्रतिघंटे से अधिक होने के चलते अचानक ब्रेक लगाना प्रमुख कारण रहा। बताया जा रहा है कि इसके बाद ट्रेन के करीब आठ अन्य बोगियां भी पटरी से उतरकर गईं। देर शाम तक एसी की दो बोगियां पटरी के नीचे पानी में पड़ी हैं। यात्रियों ने इसमें कुछ लोगों के फंसे होने की जानकारी दी गई। इस पर एनडीआरएफ की टीम ने बोगियों को खंगाला। देर शाम तक बोगियों की पड़ताल हुई, किसी के फंसे होने की पुष्टि हो प्रशासन ने नहीं की। हादसे में गोंडा-गोरखपुर रेलवे लाइन की करीब 200 मीटर तक की लाइन भी उखड़ गई है, वहीं इलेक्ट्रानिक तार भी टूट गये हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही यात्रियों को मनकापुर रेलवे स्टेशन भेजा गया। जहां से उन्हें आगे की यात्रा के लिए ट्रेन मिल सके। हादसे के चलते 11 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त यात्रियों की मदद की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। रेल यात्रियों की मदद एवं अन्य जानकारी के लिए रेलवे द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किये गये हैं। वहीं हादसे के चलते इस रूट पर आने व जाने वाली सभी ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। लखनऊ से वाया अयोध्या गोरखपुर के लिए ट्रेनें रवाना की जाएंगी। गोंडा के लिए 8957400965, लखनऊ के लिए 8957409292, सीवान के लिए 9026624251, छपरा के लिए 8303979217 तथा देवरिया सदर के लिए 8303098950 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। वहीं डीएम गोंडा ने कंट्रोल रूम का नंबर 05262- 230125, 358560 नंबर जारी किया है।

नीट-यूजी परीक्षा का परिणाम वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने ह्रश्वश्वञ्ज-त्र 2024 परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने ह्ल्रञ्ज को निर्देश दिया कि वह अपनी वेबसाइट पर ह्रश्वश्वञ्ज-त्र परीक्षा में छात्रों को मिले अंकों को प्रकाशित करे। छात्रों की पहचान गुप्त रखी जाए और परिणाम शहर और केंद्र के हिसाब से अलग-अलग घोषित किए जाने जाएं। उच्चतम न्यायालय ने एनटीए को 20 जुलाई दोपहर 12 बजे तक परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तारीख तय की गई है। परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि परीक्षा को फिर से यानी नए सिरे से आयोजित करने के किसी भी आदेश का ठोस निष्कर्ष यह होना चाहिए कि पूरी प्रक्रिया की पवित्रता प्रभावित हुई है। दिन भर चली सुनवाई के दौरान पीठ ने उम्मीदवारों के वकील

से परीक्षा आयोजित करने में व्यापक अनियमितताओं के बारे में अपना दावा साबित करने के लिए कहा। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि प्रश्नपत्र लीक की घटना पटना और हजारीबाग तक ही सीमित थी। गुजरात के गोधरा में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। पटना और हजारीबाग में प्रश्नपत्र कथित रूप से लीक हुए, जबकि गोधरा में दावा किया गया कि परीक्षा आयोजित करने वाले एक व्यक्ति ने कुछ अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट भरने के लिए पैसे लिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र लीक होने के दावों पर सवाल उठाते हुए पीठ ने कहा कि आपको यह ध्यान में रखना होगा कि किसी शख्स ने ऐसा राष्ट्रीय स्तर पर तमाशा खड़ा करने के लिए नहीं किया। लोगों ने पैसे के लिए ऐसा किया। इसलिए यह परीक्षा को बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि पैसे कमाने के लिए किया गया। यह अब स्पष्ट है। बड़े पैमाने पर लीक होने के लिए उस स्तर पर भी संपर्क की आवश्यकता होती है, ताकि आप अलग-अलग शहरों में ऐसे सभी प्रमुख संपर्कों से जुड़ सकें।

राजद ने पीके को मुसीबत माना

मधेपुरा, 18 जुलाई। कुछ समय पहले प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान को लेकर लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने कड़ा एक्शन लिया। इससे संपर्क में आए राजद के नेताओं पर कार्रवाई शुरू की। अब इस तरह की कार्रवाई क्या दूसरे दलों को भी करना पड़ेगा? ऐसा इसलिए कि अब प्रशांत किशोर ने चुनाव में उतरने का खुला एलान कर दिया है। जन सुराज अभियान के तहत पदयात्रा कर रहे प्रशांत किशोर ने गुरुवार को मधेपुरा में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आगामी 2 अक्टूबर को जन सुराज अभियान को राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने घोषणा की है कि मैं इस दल का नेता नहीं हूं। हम पहले नेताओं और राजनीतिक दलों को सलाह देते थे कि किस तरह से संगठित हों, किस तरह से चुनाव अभियान चलाया जाए। वही काम अब 2 अक्टूबर को बनने वाले जन सुराज के लिए करेंगे। उन्होंने मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर चिंता जाहिर की। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि मुकेश सहनी के पिता की जिस तरह निर्मम हत्या हुई है वह काफी दुखद है। पूरे राज्य में लोगों ने इस पर टिप्पणी की है, मैं भी अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मेरी मुकेश सहनी से फोन पर बात हुई है और मेरे उनसे मित्रवत संबंध भी हैं। किसी भी इंसान के परिवार वालों के साथ ऐसे दुर्दांत घटना हो जाए ये काफी परेशान करने वाला होता है। आज बिहार के समाज में व्यापक स्तर पर जिस तरीके से अपराधियों का जंगलराज बढ़ता जा रहा है यह काफी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यही नीतीश कुमार हैं जिन्हें लोगों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधारने का श्रेय दिया था।

पीएम मोदी और रेल मंत्री लें गोंडा रेल हादसे की जिम्मेदारी: मल्लिकार्जुन खरगे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 18 जुलाई। गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बों के पटरी से उतरने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को इस बड़ी खामी और हादसे की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही सरकार को हर रूट पार तेजी से टक्कर रोधी प्रणाली कवच को स्थापित करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से साफ है कि मोदी सरकार ने रेल सुरक्षा को खतरे में डाला है। उन्होंने कहा कि हादसे में मृत लोगों और उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हम गहरी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। एक महीने पहले मालगाड़ी और कंचनजंगा एक्सप्रेस की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई थी। खरगे ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त बयान दिया है कि हादसे का इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने

कहा कि जांच में सामने आया कि ऑटोमैटिक सिग्नल फेल होने के बाद ट्रेन संचालन में कई स्तरों पर खामी, लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी न होना हादसे का प्रमुख कारण था। खरगे बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री जो अपनी पब्लिसिटी का कोई मौका नहीं छोड़ते, उनको भारतीय रेलवे की इस खामी की सीधे तौर पर जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी एकमात्र मांग है कि हादसों को रोकने और सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द सरकार देश के सभी रेलमार्ग पर टक्कर रोधी प्रणाली कवच लगाए।

पूजा खेडकर की मां को 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

पुणे, 18 जुलाई। पुणे जिले की कोर्ट ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) सेवा की प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने मनोरमा को भूमि विवाद को लेकर बंदूक दिखाकर कुछ लोगों को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि मनोरमा को रायगढ़ जिले के महाड स्थित एक लॉज से आज सुबह पकड़ा गया। वह कई दिनों से यहां छिपी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, मनोरमा को रायगढ़ से पुणे के पौड पुलिस थाना लाया गया और औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मनोरमा को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 20 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया। दरअसल, एक वीडियो सामने आया था, जिसमें मनोरमा पुणे के मुलशी तहसील के धडवाली गांव में भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों को कथित तौर पर बंदूक दिखाकर धमकाती नजर आ रही थीं।

आतंकियों के खात्मे के लिए सुरक्षाबलों ने बनाया प्लान

जम्मू/कठुआ, 18 जुलाई। जम्मू संभाग में लगातार बढ़ रहे आतंकी हमलों के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े क्लीनिकल ऑपरेशन की तैयारी की है। संभाग के 48 स्थानों को चिह्नित किया गया है जहां सेना, अर्धसैनिक बलों व पुलिस को तैनात किया गया है। 1990 में जब आतंकवाद अपने चरम पर था उसके बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती छत्रगलां से लेकर लोहाई मल्हार के बीच 80 किलोमीटर दायरे में की गई है। कठुआ जिले के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में आतंकियों के सफाए के लिए सेना ने बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। सामरिक दृष्टि से यह काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उधमपुर जिले से सटे चोचरू गला, बनी सब डिवीजन के ढग्गर और डुग्गन के पहाड़ी चोटियों पर सेना की स्थायी पोस्टें तैयार हो गई हैं। बुधवार को इन कंपनियों ने चोचरू गला समेत ढग्गर और डुग्गन के पहाड़ी चोटियों पर अपनी स्थायी पोस्टें तैयार कर लीं। बदनोता समेत डोडा में सुरक्षाबलों पर हो रहे हमलों में आतंकी जंगलों की ओट में छिपकर हमला कर रहे हैं। साथ ही पहाड़ी चोटियों का इस्तेमाल कर सेना पर हमले भी कर रहे हैं। इसी को देखते हुए अब सेना ने इन आतंकियों को इन्हीं जंगलों को ढूंढ़कर ढेर करने के लिए ऑपरेशन तेज किया है। आतंकी हमले या मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां मौके पर पहुंचने से पहले आतंकी फरार हो जाते हैं लेकिन अब उन्हें ऐसा करने का मौका नहीं मिलेगा। पहाड़ी चोटियों से सेना हर गतिविधि पर नजर रखेगी। साथ ही किसी भी इलाके में तत्काल पहुंचने और आतंकियों को ढेर करने के लिए भी सेना तैयार हो गई है।

यूसीसी के लिए सभी वर्गों के बीच आम सहमति होना आवश्यक

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए आम सहमति आवश्यक है। किसी के विचारों पर ध्यान में नहीं देते हैं तो यह जबरदस्ती और संविधान के खिलाफ होगा। संसद के सामने स्थित जामा मस्जिद के इमाम ने कहा कि विकास के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुस्लिम समुदाय के मुद्दे देश के अन्य वर्गों के समान ही हैं। नई दिल्ली में एजेंसी से बातचीत करते हुए रामपुर से सांसद जिनकी लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के कथित तौर पर विरोध किए जाने के कारण हलचल मच गई थी। उन्होंने आजम खान की प्रदेश और रामपुर के बड़े नेता के रूप में प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कोई विरोध नहीं था। सभी के सहयोग से चुनाव लड़ा गया। मुझे किसी चीज (विरोध) का सामना नहीं करना पड़ा। उनके साथ (आजम) के साथ कोई मतभेद नहीं हैं। नदवी ने 19 वर्षों तक पार्लियामेंटी स्ट्रीट की जामा मस्जिद के इमाम के तौर पर कई शख्सियतों को नमाज अदा करवाई। उन्होंने 87 हजार से अधिक मतों से चुनाव जीता। कहा कि देश में एक संस्कृति बन गई थी कि राजनीति में केवल वह लोग ही आ सकते हैं जिनके

पास पैसा है या पृष्ठभूमि है। एक साधारण इमाम को टिकट दिया और समाज के सभी वर्गों के लोगों का समर्थन से वह जीत गया। पिछले कुछ वर्षों में शहरों के नाम बदलने के चलन पर चर्चा करते हुए पहली बार सांसद बने नदवी ने कहा कि स्थानों के नाम बदलने से प्रगति नहीं होती। समाज से नकारात्मकता को दूर करके ही प्रगति होगी। इतिहास को पलटा नहीं जा सकता। इसलिए की वह लिखा जा चुका है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के भाजपा के प्रयासों पर नदवी ने कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सभी के बीच आम सहमति होनी चाहिए। यदि आप किसी के विचारों को ध्यान में नहीं रखते हैं तो यह जबरदस्ती करना होगा। इसलिए संविधान के खिलाफ होगा। पार्लियामेंटी स्ट्रीट के इमाम ने कहा कि आम सहमति महत्वपूर्ण और यह लोकतंत्र की भावना है। आम सहमति किसी भी चीज को लाने के लिए पहले पहला कदम है। लोगों की अलग-अलग चिंताएं हैं। हमारे देश में बहुत सी विविध संस्कृतियां हैं। उत्तर की संस्कृति दक्षिण से पूर्व की पश्चिम से अलग हैं। भाषाएं अलग हैं लेकिन हमारे पास एक बड़ी संस्कृति भी है जो इन सभी को शामिल करती है। इसलिए हमें आम सहमति की आवश्यकता है। नदवी ने कहा कि राजनीति में आने का उनका एकमात्र उद्देश्य लोगों की सेवा करना है।

विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी ले सकेगी चंदा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। महाराष्ट्र में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) सार्वजनिक रूप से चंदा ले सकेगी। चुनाव आयोग ने गुरुवार को पार्टी को स्वैच्छिक रूप से लोगों से योगदान लेने की अनुमति दे दी।

2022 में विधायकों के पार्टी छोड़ देने और एकनाथ शिंदे के सीएम बनने के बाद शिवसेना दो गुटों में बंट गई थी। इसके बाद शिवसेना उद्धव गुट ने चुनाव आयोग से अपील की थी कि उनके दल को ऐसा प्रमाण पत्र जारी किया जाए कि वह जनता से स्वैच्छिक तौर पर योगदान ले सकते हैं। इसके लेकर पार्टी के महासचिव सुभाष देसाई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को नई दिल्ली में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने पार्टी को एक सरकारी कंपनी को छोड़कर किसी भी व्यक्ति या संस्था से स्वैच्छिक तौर पर चंदा लेने की अनुमति दे दी। आयोग ने यह अनुमति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29 बी और 29 सी के तहत दी। इसके जरिये सभी राजनीतिक दलों में आए चंदे को नियंत्रित किया जाता है। आयोग ने इसमें आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत विशेष छूट दी है, जिसमें राजनीतिक दल की ऐसी आय जो हाउस प्रॉपर्टी, अन्य स्रोतों और पूंजीगत लाभ या किसी व्यक्ति या कंपनी के स्वैच्छिक योगदान के रूप में आती है, तो उसे राजनीतिक दल की पिछले साल की कुल आय में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने पिछले दिनों विस चुनाव से पहले एनसीपी (शरद पवार) को जनता से दान लेने की अनुमति दी थी। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को काफी बढ़त मिली। इसमें शिवसेना यूबीटी ने सात, कांग्रेस ने 13 और एनसीपी ने एक सीट जीती थी। जबकि भाजपा 23 के मुकाबले नौ सीटों पर सिमट गई। भाजपा का वोट प्रतिशत 26.18 फीसदी रहा था।

कैबिनेट का बड़ा फैसला, चारधाम के नाम पर नहीं बनेगा कोई भी ट्रस्ट

नरेश मल्होत्रा

देहरादून, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक राज्य सचिवालय में संपन्न हुई। बैठक शोक प्रस्ताव के साथ शुरू हुई। जिसमें उत्तराखंड के पांच जवानों के बलिदान पर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही दिवंगत विधायक शैलारानी रावत को भी श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में कुल 22 प्रस्ताव रखे गए। बैठक में तय किया गया कि विधानसभा का सत्र अगस्त में आयोजित होगा। सीएम को तिथि और स्थान तय करने के लिए अधिकृत किया गया। वहीं, उत्तराखंड काष्ठ आधारित उद्योग स्थापना नियमावली 2024 पर मुहर लगी। साथ ही स्टांप ड्यूटी को लेकर भी निर्णय लिया गया। वहीं, निर्णय लिया गया कि किसी भी व्यक्ति या संस्थाओं द्वारा बदरीनाथ, केदारनाथ धाम के नाम से कोई ट्रस्ट आदि बनाया जाता है तो इससे राज्य सरकार कड़े विधिक प्रावधान लागू करेगी। मिलते जुलते नामों को लेकर भी कड़ा कानून बनेगा। बता दें कि हाल ही में दिल्ली में केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक मंदिर को बनाने को लेकर खड़े हुए विवाद के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है। औद्योगिक विकास - सिडकुल के स्थायी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के तहत पुनरीक्षण भत्ता मिलेगा। स्टाम्प संशोधन नियमावली का प्रस्ताव रखा गया। अब पांच लाख तक के कृषि ऋ्रण पर स्टाम्प ड्यूटी नहीं लगेगी। 50त्न तक महंगाई भत्ते का निर्णय पूर्व में हुआ था। जिसमें अब ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख की गई है। एक्सटर्नल एडेड प्रोजेक्ट में तकनीकी परीक्षण के लिए सचिव नियोजन की अध्यक्षता में गठित कमेटी पांच करोड़ से ऊपर की सिफारिश करेगी। उसके बाद

हाई पावर कमेटी निर्णय लेगी। अब तक केवल हाई पवार कमेटी ही सिफारिश करती थी। सचिवालय प्रशासन- पुरानी जगह से यहां आए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पुरानी सेवा का लाभ भी मिलेगा। यूपी एनाटोमी एक्ट 1956 के तहत लावारिस शवों की बरामदगी के तहत डीएनए सैंपल लेते हुए पब्लिसिटी करेंगे। 15 दिन बाद सरकारी मेडिकल कॉलेज में दे दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग- मेडिकल कॉलेज पिथौरागढ़ व हरिद्वार में नर्सिंग की 240-240 पदों पर सीधी भर्ती रजिस्ट्रेशन चार्ज, एम्बुलेंस चार्ज एक जैसे होंगे। ओपीडी शुल्क 13 से घटाकर 10 रुपये, जिला चिकित्सालय में 28 से 20 रुपये, आईपीडी में सीएचसी में 25 रुपये किया गया। एडमिशन चार्ज- जनरल वार्ड में पीएचसी के लिए चौथे दिन से 17 से 10 रुपये किया। सीएचसी में 17 से 15 रुपये, अर्बन हॉस्पिटल में 57 से 25 रुपए किया गया। प्राइवेट वार्ड में डबल बेड 230 से 150 रुपये और सिंगल 428 से 300 रुपये किया गया। एसी में 1429 से 1000 रुपये किया। एम्बुलेंस में पांच किलोमीटर तक 315 रुपये था, 200 किया। इसके बाद हर किलोमीटर पर 63 से घटाकर 20 रुपये किया गया। यह केवल सरकारी एम्बुलेंस पर लागू होगा। लैब चार्ज में सीजीएचएस के रेट अपनाए जाएंगे। पहले लोवर से हायर सेंटर रेफर पर केवल एक बार रजिस्ट्रेशन चार्ज देय होगा। अस्पताल बदलने पर दोबारा पर्चा बनवाने की जरूरत नहीं होगी।

बाइडेन कोरोना संक्रमित

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन कोराना संक्रमित हो गए। उनका कोविड-19 टेस्ट पॉजीटिव पाया गया है। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा 'आज लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। उन्हें टीका लगाया गया और बूस्टर भी दिया गया है और उन्हें हल्के लक्षण महसूस हो रहे हैं।' उन्होंने कहा कि श्री बाइडेन डेलावेयर लौट आएंगे जहां वह खुद को आइसोलेट कर अपने सभी कामों को जारी रखेंगे। सुश्री जीन-पियरे द्वारा प्रदान किए गए श्री बाइडेन के डॉक्टर के एक नोट के अनुसार, 'राष्ट्रपति आज दोपहर ऊपरी श्वसन लक्षणों के साथ आए जिसमें राइनोरिया (नाक बहना) और खांसी, सामान्य मेलाइज़ शामिल है।' श्री बाइडेन का लैटिनो नागरिक अधिकार और वकालत समूह यूनिडोसयूएस के लिए एक सम्मेलन में बोलने का कार्यक्रम था, लेकिन अब वे इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। इससे पहले 2022 में भी श्री बाइडेन का कोरोना टेस्ट पॉजीटिव आया था।

चीन में डिपार्टमेंट स्टोर में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

चेंगदू। दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के जिगोंग शहर में एक डिपार्टमेंट स्टोर में आग लगने से मरने वालों की संख्या गुरुवार तड़के

बढ़कर 16 हो गई। स्थानीय अग्निशमन और बचाव मुख्यालय ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शहर के हाई-टेक ज़ोन में स्थित 14 मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना शाम करीब छह बजे मिली और घटनास्थल पर काफी मात्रा में घना धुआँ था।

बैंकॉक के होटल में मृत मिले छह लोग, शरीर में मिला घातक जहर

बैंकॉक (थाइलैंड)। अमृत विचारः बैंकॉक में एक होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों का कहाना है कि मृतकों की कॉफी में जहर मिलाया गया था। थाइलैंड के फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख ने बताया कि बैंकॉक के एक लग्जरी होटल में मृत मिले छह लोगों की कॉफी में साइनाइड मिलाए जाने की आशंका है। साइनाइड सबसे जहरीला पदार्थ है जिसके सेवन के बाद बच पाना लगभग नामुमकिन है। सभी शव मंगलवार को बैंकॉक के डाउनटाउन स्थित ग्रैंड हयात इरावन होटल में पाए गए थे। पुलिस ने बताया कि होटल के रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि कमरे में छह लोगों के अलावा कोई अन्य बाहरी व्यक्ति नहीं था। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन के अनुसार मृतकों की पहचान दो वियतनामी-अमेरिकी के तौर पर और चार की वियतनाम के नागरिक के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के मुख्य जांचकर्ता पुलिस मेजर जनरल थेराडेज थम्सुथी ने कहा कि घटनास्थल की प्रारंभिक जांच से अभी यही पता चला है कि सभी को जहर दिया गया है। बाकी मामले की जांच की जा रही है।

बस दुर्घटना के 6 दिन बाद 19 शव बरामद, दोनों बसों का अब तक कोई सुराग नहीं

काठमांडू। बीते दो बस दुर्घटना के 6 दिन के बीद भी अब तक सिर्फ 19 शव बरामद हो सका है। इनमें से 14 शवों की शिनाख्त हो चुकी है। मृतकों में दो महिलाओं के भी शव बरामद हुए हैं। रेस्क्यू टीम की तरफ से बुधवार को उन मृतक लोगों की सूची जारी की गई है, जिनके शव बरामद हुए हैं। दो बसों में सवार 65 यात्रियों में से 19 लोगों के शव बरामद होने की जानकारी दी गई है। अब तक 14 शवों की ही पहचान हो पाई है। इनमें दो महिलाओं के भी शव होने की जानकारी दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों बसों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। नेपाल की रेस्क्यू टीम अपने तरफ से पूरी कोशिश कर रही है लेकिन पानी के तेज बहाव और बाढ के पानी की वजह से असफलता ही हाथ लग रही है। दोनों बस और शवों को ढूंढने के लिए गोताखर से लेकर वाटर ड्रोन और सोनार कैमरे की मदद से ढूंढने का पूरा प्रयास हो रहा है। बडे-बडे चुंबक और सेंसर लाइट के जरिए भी ढूंढने का काम किया जा रहा है। बसों को ढूंढने के लिए नेपाल ने भारत से मदद मांगी थी।

फिलिस्तीन ने इजरायल की वापसी के बिना राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज किया

एजेंसी

रामल्लाह। फिलिस्तीन ने इजरायल की वापसी के बिना राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र के अनुसार पिछले सप्ताह मिस्र और गाजा पट्टी के बीच राफा सीमा क्रॉसिंग के संचालन की संभावना का पता लगाने के लिए फिलिस्तीन, अमेरिका और इजरायल के प्रतिनिधियों की एक बैठक आयोजित की गई थी।

सूत्र ने एक बयान में कहा कि इजरायली पक्ष ने प्रस्ताव दिया कि छह फिलिस्तीनी कर्मचारी बिना वर्दी या पुलिस के और फिलिस्तीनी झंडा फहराए बिना क्रॉसिंग के प्रबंधन में भाग लें। सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव को इसलिए खारिज कर दिया गया क्योंकि इसका उद्देश्य फिलिस्तीनी संप्रभुता के बिना अस्थायी रूप से क्रॉसिंग को खोलना था जो फिलिस्तीनी स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के विपरीत है। सूत्र के अनुसार फिलिस्तीनी रुख राफा क्रॉसिंग पर 2005 के समझौते के

अनुरूप है जिसके लिए फिलिस्तीनी संप्रभुता, यूरोपीय भागीदारी और क्रॉसिंग से इजरायल की पूरी तरह वापसी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इजरायल-अमेरिका के प्रस्ताव को फिलिस्तीनियों द्वारा खारिज किए जाने के बाद बैठक समाप्त हो गई और बैठक के बाद कोई और बातचीत नहीं हुई।

उल्लेखनीय है कि इजरायली सेना ने गत सात मई को राफा क्रॉसिंग के फिलिस्तीनी पक्ष पर परिचालन नियंत्रण लागू करने की घोषणा की जिसके कारण क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र से गाजा में सहायता की आपूर्ति बंद हो गई।

रूस और यूक्रेन ने की सैनिकों की अदला-बदली

एजेंसी

काठमांडू। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी, 2022 से युद्ध जारी है। इस युद्ध को 2 साल से ज़्यादा समय हो चुका है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर कब्ज़ा करने के इरादे से रूस की सेना को यूक्रेन में घुसपैठ करते हुए जंग छेड़ने का आदेश दिया था और तभी से युद्ध जारी है। हालांकि इतने समय में भी पुतिन यूक्रेन पर कब्ज़ा नहीं कर पाए। रूस की सेना ने यूक्रेन में काफी कहर बरपाया है और इस युद्ध की वजह से यूक्रेन को जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, पर रूस और रूस की सेना को भी इस युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। साथ ही यूक्रेनी सेना कई इलाकों से रूस की सेना को खदेड़ भी चुकी है। इसी बीच दोनों देशों ने एक बार फिर कैदियों से जुड़ा एक बड़ा कदम उठाया है।

कैदियों की हुई अदला-बदली

रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों

की अदला-बदली हुई। दोनों ने एक-दूसरे के 95 सैनिकों की अदला-बदली की। इससे 3 हफ्ते पहले दोनों देशों के बीच कैदियों की अदला-बदली हुई थी।

युद्ध शुरू होने के बाद 54वां अवसर

रूस और यूक्रेन के बीच जब से युद्ध शुरू हुआ है, तब से अब तक यह 54वां अवसर था जब दोनों देशों ने अपने-अपने कैदियों की अदला-बदली की। ये सभी कैदी युद्ध के दौरान बनाए गए बंदी थे। दोनों देशों के बीच ऐसा करने का समझौता भी हुआ है जिसके अनुसार रूस और यूक्रेन समय-समय पर एक-दूसरे के कैदियों की अदला-बदली करेंगे।

नवंबर चुनाव से पहले बिडेन 14 प्रमुख राज्यों में समर्थन खो रहे हैं

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बिडेन 14 प्रमुख राज्यों में समर्थन खो रहे हैं, जो नवंबर के चुनावों से पहले धीरे-धीरे अपने पूर्ववर्ती और प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प की ओर बढ़ रहे हैं, सीएनएन ने पोल डेटा का हवाला देते हुए बताया। ब्लूलैब्स पोलस्टर द्वारा संचालित, यूएस डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा वित्त पोषित और सीएनएन द्वारा प्राप्त किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि ट्रम्प एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन में बिडेन से आगे निकल रहे हैं, जिन्हें मौजूदा राष्ट्रपति 2020 के चुनाव में अपने पक्ष में करने में कामयाब रहे। इसके अलावा, नेवादा, कोलोराडो, मिनेसोटा, मेन, न्यू मैक्सिको, वर्जीनिया, न्यू हैम्पशायर और नेब्रास्का के एक हिस्से में भी लोग बिडेन पर विश्वास खो रहे हैं।

पोलिंग ने यह भी संकेत दिया कि प्रश्नावली में शामिल लगभग सभी अन्य डेमोक्रेट बैटलग्राउंड

राज्यों में बिडेन से आगे हैं। चार सबसे लोकप्रिय एरिजोना सीनेटर मार्क केली, मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर, पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो और मिशिगन के गवर्नर ग्रेटचेन व्हिटमर हैं। 27 जून को 81 वर्षीय बिडेन, 78 वर्षीय ट्रम्प के साथ अपनी पहली बहस के दौरान भ्रमित और असंगत दिखाई दिए, जिससे उनकी संज्ञानात्मक क्षमताओं के बारे में चल रही चिंताओं को कम करने के बजाय और भी बल मिला। उनके खराब प्रदर्शन के कारण कुछ डेमोक्रेटिक राजनेताओं और दानदाताओं ने उन्हें उम्मीदवार के रूप में हटाने की मांग की है। बहस में बिडेन की विफलता के बाद डेमोक्रेट्स के बीच बिडेन की जगह किसी अन्य उम्मीदवार को नामित करने की मांग बढ़ रही है। सैद्धांतिक रूप से, पार्टी के पास अगस्त में अपने सम्मेलन में ऐसा अवसर होगा, लेकिन व्यवहार में, प्राथमिक जीतने वाले उम्मीदवार को दौड़ से हटाना मुश्किल होगा यदि वह भाग लेने से इनकार नहीं करता है। अब तक, बिडेन कह रहे हैं कि वह दौड़ में बने रहने का इरादा रखते हैं।

दूसरी बिडेन-ट्रम्प बहस 10 सितंबर को निर्धारित है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होगा।

भारतीय छात्रा की मौत पर हंसने वाला अमेरिकी पुलिसकर्मी बर्खास्त

एजेंसी

न्यूयॉर्क/सिएटल। अमेरिका में भारतीय छात्रा की मौत के बाद असंवेदनशील टिप्पणियां करने और हंसने वाले एक पुलिस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। वाशिंगटन के नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी की छात्रा जाह्नवी कंडुला (23) जब 23 जनवरी को सड़क पार कर रही थी, तब पुलिस के एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इस वाहन को केविन डेव नाम का अधिकारी चला रहा था और वह एक अन्य मामले की जांच के लिए तेजी से वाहन चलाते हुए जा रहा था। वाहन के टक्कर मारने के बाद कंडुला 100 फुट दूर जा कर गिरी थी। सिएटल पुलिस विभाग द्वारा जारी 'बॉडीकैम फुटेज' में अधिकारी डैनियल ऑडरर भीषण दुर्घटना पर हंसते हुए और यह कहते सुनाई दिया कि ''ओह, मुझे लगता है कि वह बोनट पर आ गिरी, आगे के शीशे से टकराई और फिर जब उसने (पुलिस वाहन के चालक ने) ब्रेक मारे तो कार से दूर जाकर गिरी... वह मर चुकी है।'' अनुशासनात्मक कार्रवाई रिपोर्ट में कहा गया कि ये असंवेदनशील टिप्पणियां करने के बाद ऑडरर ''चार सेकंड तक जोर-जोर से हंसा।'' सिएटल पुलिस विभाग की कार्यवाहक प्रमुख स्यू राह ने एक ई-मेल में कहा कि ऑडरर की टिप्पणियों से कंडुला के परिवार को जो पीड़ा पहुंची उसे ''दूर नहीं जा सकता। पुलिस अधिकारी के कृत्य ने सिएटल पुलिस विभाग और हमारे पूरे पेशे को शर्मसार कर किया है, जिससे हर पुलिस अधिकारी का काम और अधिक कठिन हो गया है।'' राह ने कहा कि संस्था की प्रमुख के रूप में उनका कर्तव्य है कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए उच्च मानकों को बरकरार रखा जाए। उन्होंने कहा, '' इस अधिकारी को हमारे बल में बने रहने देना पूरे विभाग का अपमान होगा। इस कारण से मैं उसे बर्खास्त कर रही हूं।

'दक्षिण एशिया के प्रवासियों ने अमेरिका को समृद्ध किया', रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में बोले जेडी वैंस

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में इस साल पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। उसके लिए सियासी दलों का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इस बीच, रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस ने अपनी पत्नी उष चिलुकुरी की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने देश को वास्तव में समृद्ध बनाने में दक्षिण एशिया के प्रवासियों की भूमिका की भी सराहना की। उनकी ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने अमेरिका के उप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

यहां रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के तीसरे दिन अपने भाषण में वैंस ने कहा, मेरी शादी इस देश में आए दक्षिण एशियाई प्रवासियों की बेटी से हुई है। इन लोगों ने वास्तव में देश को कई तरीकों से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि वह पक्षपाती हैं

क्योंकि वह अपनी पत्नी से प्यार करता हूं। वैंस ने कहा कि वह अपनी खूबसूरत पत्नी उषा से येल विश्वविद्यालय में मिले थे। उन्होंने कहा, आज शाम मेरी खूबसूरत पत्नी उषा भी यहां शामिल हुई हैं। वह एक अच्छी वकील और एक बेहतर मां हैं। भारतीय प्रवासियों की बेटी उषा सैन डिएगो के एक उपनगर में पली-बढ़ीं। वह येल विश्वविद्यालय से पढ़ीं हैं। उषा अभी मुंगेर, टॉल्स एंड एलएलपी में नागरिक मुकदमों की वकील हैं। जेडी वैंस और उषा की शादी 2014 में केंटकी में हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं। जिनमें दो बेटे इवान और विवेक और एक बेटी मीराबेल शामिल हैं।

ट्रंप पर हमले को लेकर कही ये बात:ओहायो से सीनेटर वैंस ने ट्रंप पर हमले को लेक कहा, हम यह नहीं भूल सकते कि यह शाम बहुत अलग हो सकती थी। यह उत्सव के बजाय दर्द और शोक का दिन हो सकता था। पिछले आठ वर्षो से राष्ट्रपति ट्रंप ने हमारे देश के लोगों के लिए लड़ते हुए अपना सब कुछ दिया है। उन्हें राजनीति की जरूरत नहीं थी। बल्कि देश को उनकी जरूरत थी। उन्होंने आसान रास्ता चुनने के बजाय अपमान, बदनामी और उत्पीड़न को सहना चुना। उन्होंने ऐसे इसलिए किया क्योंकि वह इस देश से प्यार करते हैं। वह लोगों की चिंता करते हैं। वह एक पल में एक हत्यारे के खिलाफ लड़ने के लिए खड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति जो बाइडन पर साधा निशाना

वैंस ने राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा, जब मैं चौथी कक्षा में था, तब बाइडन नाम के एक राजनेता ने नाफ्टा (उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता) का समर्थन किया। यह एक खराब व्यापार समझौता था, जिसने मेक्सिकों को अनगिनत अच्छी नौकरियां भेजीं। जब मैं हाई स्कूल में था, तब बाइडन नाम के उसी राजनेता ने एक व्यापार सौदा किया, जिससे अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र में मध्य वर्ग का रोजगार नष्ट हो गया।

ओमान की मस्जिद में हुई गोलीबारी में मारे गए 6 लोगों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई/मस्कट। ओमान की राजधानी मस्कट में एक शिया मस्जिद के समीप इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह की गोलीबारी में मारे गए छह लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। इमाम अली मस्जिद के समीप सोमवार रात को हुई गोलीबारी में एक पुलिस कर्मी और चार पाकिस्तानी नागरिकों की भी जान चली गयी जबकि 28 अन्य लोग घायल हो गए। मस्कट में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मस्कट शहर में गोलीबारी की घटना के बाद ओमान सल्तनत के विदेश मंत्रालय ने सूचित किया कि एक भारतीय नागरिक ने जान गंवाई है तथा एक अन्य घायल है।'' इसमें कहा गया है, ''दूतावास पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता है तथा उन्हें हरसंभव मदद देने के लिए तैयार है।'' एक बयान के

अनुसार, रात को अल-वादी अल-कबीर इलाके में हुई इस घटना के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन हमलावरों को भी मार गिराया। पाकिस्तान ने कहा कि इमाम अली मस्जिद पर 'आतंकवादी हमले' में मारे गए लोगों में चार पाकिस्तानी भी हैं। भारत ने भी कहा है कि हमले में उसके एक नागरिक की मौत हो गयी है। आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। इस्लामिक स्टेट ने इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों में शिया समारोहों, जुलूस और अनुयायियों पर लगातार हमले किए हैं। लेकिन उसने ओमान में कभी ऐसा हमला नहीं किया था जहां शिया एक अल्पसंख्यक समुदाय है।

आरएनसी में उषा ने पति जेडी वैंस का कुछ खास अंदाज में कराया परिचय, कहा- मेरी मां के लिए बनाते हैं भारतीय भोजन

न्यूयार्क। अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। तबसे ही वैंस और उनकी पत्नी उषा चिलुकुरी काफी सुर्खियां बंटोर रहे हैं। अब एक बार फिर सियासी गलियारों में इनका नाम सुनाई दे रहा है। दरअसल, मिल्वौकी में हो रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस ने अपनी पति का परिचय देते हुए कुछ खुलासे किए। उन्होंने बताया कि वैंस को भारतीय भोजन बनाना आता है।

परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बने जेडी

आरएनसी में बोलते हुए उषा ने येल लॉ स्कूल में जेडी वैंस से मिलने का किस्सा सुनाया। आगे बोलते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि वैंस ने जिज्ञासा के साथ हमारे बीच के अंतर को समझा और सांस्कृतिक मतभेदों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हम दोनों काफी अलग बैकग्राउंड से आए थे। मगर उन्होंने हमारे बीच के अंतर को

समझा और अब वह मेरे और मेरी मां के लिए भारतीय खाना बनाते हैं और परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गए हैं।

मैं दिल से समझाना चाहती हूं... उन्होंने कहा, जब मुझसे कहा गया कि मुझे मेरे पति जेडी वैंस का परिचय आप सबसे कराना है तो मैं खो गई थी। मेरे पास एक ही रास्ता था कि मैं आपको दिल से समझा पाऊं कि मैं जेडी से प्यार क्यों करती हूं और उनकी इतनी तारीफ क्यों करती हूं। साथ ही वे संयुक्त राज्य अमेरिका के एक महान उपराष्ट्रपति क्यों बनेंगे।

जेडी से मिलने का किस्सा सुनाया

उषा चिलुकुरी ने कहा, मैं जेडी से लॉ स्कूल में मिली थी, जब वह ओहियो से यहां आए थे। उन्होंने जीआई बिल के समर्थन से पढ़ाई की थी। वह तब भी और आज भी सबसे दिलचस्प व्यक्ति हैं, जिसे मैं जानती हूं। एक कामकाजी वर्ग का लड़का जिसने बचपन के उन दुखों पर काबू पाया था, जिन्हें मैं मुश्किल से समझ पाती थी कि वह येल लॉ स्कूल में कैसे पहुंच गया। एक सख्त मरीन जिसने इराक में सेवा की थी। मगर अपने खाली समय को पिल्लों के साथ खेलने और फिल्म बेब देखने में बिताते थे। उन्होंने यह भी बताया, जिस जेडी से मैं तब मिली थी, वही जेडी है जिसे आप आज जानते हैं और इस नई भूमिका में उनके लक्ष्य वही हैं, जिनके बारे में उसने अपने परिवार को बताया था। भारतीय प्रवासियों की बेटी उषा वैंस का लालन-पालन सैन डिएगो के उपनगरीय इलाके में हुआ। उन्होंने येल से स्नातक की डिग्री हासिल की और बाद में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की।

'मॉस्को के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर दबाव बनाना अनुचित'

मास्को। , रूस के विदेश मंत्री का पश्चिम पर निशाना रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को के साथ उर्जा सहयोग के कारण नई दिल्ली पर पड़ रहे दबाव को पूरी तरह से अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक महान शक्ति है, जो अपने राष्ट्रीय हित खुद ही तय करता है और खुद ही अपने साझेदार चुनता है। इसके अलावा, लावरोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई हालिया बैठक पर यूक्रेन की टिप्पणी को अपमानजनक करार दिया।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, मुझे लता है कि भारत एक महान शक्ति है जो खुद ही अपने राष्ट्रीय हित तय करता है और अपने भागीदार चुनता है। हम जानते हैं कि भारत पर भारी दबाव पड़ रहा है, जो पूरी तरह से अनुचित है। लावरोव प्रधानमंत्री मोदी की हालिया मॉस्को यात्रा और रूस के साथ उर्जा सहयोग को लेकर भारत की हो रही आलोचना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। लावरोव मॉस्को की अध्यक्षता में

होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठकों की अध्यक्षता करने के लिए न्यूयॉर्क में हैं। यूएनएससी की जुलाई महीने की अध्यक्षता रूस के पास है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई के रूस का आधिकारिक दौरा किया। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद मोदी की यह पहली रूस यात्रा थी। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निदा नहीं की है और लगातार बातचीत व कूटनीति के जरिए संघर्ष के समाधान की पैरवी की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना की थी। उन्होंने एक्स पर कहा था, ÷एक रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला किया, जिसमें युवा कैंसर रोगियों को निशाना बनाया गया। कई लोग मलबे में दब गए।÷ मोदी और पुतिन की बैठक को लेकर उन्होंने कहा था, ÷दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को ऐसे दिन मॉस्को में दुनिया के सबसे बड़े खूनी अपराधी को गले लगाते देखकर बड़ी निराशा हुई। यह शांति प्रयासों के लिए एक झटका है।÷ भारत ने उनकी टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। जेलेंस्की की टिप्पणी का जिक्र करते हुए लावरोव ने कहा, ÷यह बहुत अपमानजनक था और यूक्रेनी राजदूत को तलब किया गया था

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जो बाइडेन ने दिया बड़ा बयान, बोले- कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति

एजेंसी

लास वेगास। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। NAACP के सम्मेलन में बाइडेन ने कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका की राष्ट्रपति हो सकती हैं। हालांकि उन्होंने यह बयान मजाकिया अंदाज में कहा था, लेकिन जिस तरह से बाइडेन को उनकी सेहत की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति रेस से बाहर रहने की मांग हो रही है। ऐसे में उनके यह बयान देने से कई मायने निकाले जा रहे हैं। राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें।लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन में अपने संबोधन में बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है ऐसे में देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। चार साल के नारों के बीच उन्होंने कहा कि इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है। लेकिन इसका यह बिलकुल मतलब नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए। सम्मेलन में राष्ट्रपति अश्वेत मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रहे थे, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का एक बड़ा वोट बैंक है। इसके साथ ही उनके दृढ़ समर्थक भी माने जाते हैं। बाइडन ने कहा कि जब ट्रंप राष्ट्रपति के पद पर थे वह समय अश्वेत अमेरिकियों के लिए नर्क जैसा था। बाइडन ने कोविड काल में हुए कुप्रबंधन, लॉकडाउन के दौरान बढ़ी बेरोजगारी और इसके साथ ही अश्वेत इतिहास को मिटाने के कथित प्रयासों को लेकर भी ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। इसके अलावा बाइडन ने ट्रंप के ब्लैक जॉब्स देने वाले वादों का भी उपहास किया। वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को लेकर कहा कि मुझे यह वाक्यांश पसंद है। उनका ब्लैक जॉब कहने का मतलब अमेरिका की उपराष्ट्रपति से है। वह राष्ट्रपति बनने के योग्य हैं। बाइडन ने पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा, केतनजी ब्राउन जैक्सन का भी जिक्र किया। केतनजी ब्राउन जैक्सन अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत एवं महिला न्यायाधीश हैं। पिछले महीने ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद उनके राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर सवालों के बीच NAACP में बाइडन की उपस्थिति हुई। राष्ट्रपति के खराब प्रदर्शन ने पार्टी नेताओं और मतदाताओं के बीच उनकी उम्र, स्वास्थ्य और ट्रम्प को हराने की क्षमता को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

औषधि के उच्च मानक तय करना जरूरी : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों की विश्व स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर उद्योगों से विचार? विमर्श किया जाना चाहिए। श्री नड्डा ने यहां औषधि चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन के नियामकों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिष्ठा 'विश्व की फार्मेसी' के अनुरूप औषधि विनियमन में वैश्विक नेता बनने के लिए, अपने परिचालन के पैमाने और अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं से मेल खाने वाले विश्व स्तरीय विनियामक ढांचे की आवश्यकता है। उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। श्री नड्डा ने सी.डी.एस.सी.ओ. पर अपने अनिवार्य क्रियाकलापों में वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए समय सीमा के साथ एक योजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकरूपता, तकनीकी उन्नयन और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के उच्चतम मानकों पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्यात की जा रही दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित प्रक्रिया तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए, सी.डी.सी.एस.ओ. तथा औषधि एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग में प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि औषधि नियामक निकाय तथा उद्योग दोनों को पारदर्शिता के उच्चतम सिद्धांतों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत में निर्मित तथा बेचे जाने वाले उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों के उच्चतम मानकों को पूरा करते हों।

साय ने बिरला से की मुलाकात

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को नयी दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाक़ात की। संसद भवन में

आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य और केंद्र के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देना था। श्री साय ने छत्तीसगढ़ के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें विशेष रूप से राज्य के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं और आगामी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

नोएडा में बिजली विभाग की बड़ी चूक : उपभोक्ता को भेजा चार करोड़ से अधिक का बिल

नोएडा।सेक्टर-122 में एक ऐसी घटना घटी है, जिसने पूरे शहर में हलचल मचा दी है। विद्युत विभाग ने एक उपभोक्ता को 4 करोड़ रुपये से अधिक का बिजली बिल भेज दिया है। यह घटना विभाग की लापरवाही को दर्शाती है और उपभोक्ताओं में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर रही है। घटना की विस्तृत जानकारी के अनुसार, सेक्टर-122 के मकान संख्या सी-103 के मालिक बसंत शर्मा को चालू माह का बिल करीब चार करोड़ रुपये का भेजा गया है। इस अत्यधिक राशि वाले बिल को देखकर मालिक स्तब्ध रह गए। उन्होंने तुरंत इस मामले को स्थानीय अधिकारियों के संज्ञान में लाया। निवासी मांग कर रहे हैं कि विभाग अपनी बिलिंग प्रक्रिया में सुधार करे और ऐसी गलतियों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। स्थानीय निवासी संघ के पदाधिकारियों ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सेक्टर-122 RWA के अध्यक्ष उमेश शर्मा ने बताया कि यह कोई पहला मामला नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग अक्सर उपभोक्ताओं को गलत और अनुचित बिल भेजता रहता है। विद्युत विभाग की इस गलती ने न केवल एक परिवार को परेशान किया है, बल्कि पूरे शहर में बिजली बिलिंग प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग अब अपने बिलों की सत्यता पर संदेह कर रहे हैं और विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

गाजियाबाद का इंतजार पूरा हुआ : नए सीएमओ मिले

गाजियाबाद। शासन स्तर से बड़े पैमाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) के तबादले हुए हैं। इसी के साथ गाजियाबाद का भी इंतजार पूरा हो गया और गाजियाबाद को डा. अखिलेश मोहन के रूप में नए सीएमओ मिल गए। बता दें कि निवर्तमान सीएमओ डा. भवतोष शंखधर का कार्यकाल 31 मई को पूरा हो गया था, लेकिन शासन से उन्हें अगले आदेश तक पद पर बने रहने के आदेश प्राप्त हुए थे। अब डा. भवतोष को मंडलीय चिकित्सालय, मुरादाबाद में वरिष्ठ परामर्शदाता बनाया गया है। गाजियाबाद के नए सीएमओ अच्छे शल्य चिकित्सक हैं को कोविड के पहले तक गाजियाबाद के संजयनगर संयुक्त जिला अस्पताल में तैनात रहे हैं।

आबकारी नीति-सीबीआई मामले में केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से जुड़े केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार के मुकदमे को चुनौती देने के साथ ही इस मामले में अंतरिम जमानत की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिकाओं कर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता केजरीवाल की दोनों याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के साथ ही कहा कि आरोपी की मुख्य जमानत याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। एकल पीठ ने श्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की ओर से पेश डी. पी. सिंह की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनीं। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि सीबीआई ने इस संभावना के मद्देनजर 26 जून को उनके मुवक्किल (केजरीवाल) को गिरफ्तार किया कि कहीं वह जेल से रिहा न हो जाए। यह बिना कोई

आधार के एक प्रकार से तय गिरफ्तारी थी। उन्होंने इस मामले में अंतरिम जमानत की भी गुहार लगाई।

सीबीआई का पक्ष रखते हुए श्री सिंह ने श्री सिंघवी के आरोपों का खंडन करते हुए अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी नीति मामले कथित घोटाला से जुड़े धनशोधन के मामले में 12 जुलाई को अंतरिम जमानत की राहत दी थी, लेकिन कथित भ्रष्टाचार के मामले 26 जून को सीबीआई की ओर से गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत के कारण वह जेल से रिहा नहीं हो सके थे। इसी दिन विशेष अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी थी। राऊज एवेन्यू स्थित सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश पारित किया था। ईडी ने उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उन्हें उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होने के लिए उनकी याचिका पर 10 मई को 21 दिनों अंतरिम जमानत दी थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अदालती आदेश का पालन करते हुए 2 जून को तिहाड़ जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई ने 26 जून को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने ईडी के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी श्री केजरीवाल को अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने के आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था।

साय ने की वैष्णव से नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नयी दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। रेल भवन में हुई बैठक में श्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस दौरान राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना को जल्द शुरू करने का आग्रह किया। श्री साय ने बताया कि धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना (240 किमी) क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थलगाँव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ को झारखंड से जोड़ेगी। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची के होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपए है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना (200 किमी) की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। हालांकि, 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर आदि महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी।

सुलभ, सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नवीनतम तकनीक अपनाने पर बल दिया जितेंद्र सिंह ने

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सुलभ, किफायती स्वास्थ्य सेवा के लिए नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर दिया है और कहा है कि भारत दुनिया के शीर्ष छह जैव-निर्माताओं में एक है और अपनी अधिक लागत प्रभावी और प्रभावकारिता आधारित जैव-विनिर्माण के साथ-साथ लागत प्रभावी स्वास्थ्य सेवा गंतव्यों में शामिल है। डॉ सिंह यहां 'अमेरिकन चैंबर ऑफ इंडिया' (एएमसीएचएएम) के दूसरे÷हेल्थकेयर सम्मेलन' को संबोधित रहे थे। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रयासों और ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए उनकी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में जैव विनिर्माण और जैव फाउंड्री क्षेत्र में निवेश 2014 में 13 अरब डॉलर था जो 10 गुना बढ़कर 2024 में 130 अरब डॉलर हो गया है। देश के फार्मास्युटिकल क्षेत्र की मजबूती के बारे में मंत्री ने कहा, भारत अमेरिका में भरे जाने वाले हर दस नुस्खों में से चार की आपूर्ति करता है, जो हमारी फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षमताओं को उजागर करता है। उन्होंने इन क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। केन्द्रीय मंत्री के पास विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन विभाग हैं।

उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा, ÷इस सम्मेलन का विषय 'अभिनव और सुलभ स्वास्थ्य सेवा में तेजी लाना÷ प्रौद्योगिकी परिवर्तन' भारत के समकालीन स्वास्थ्य मुद्दों और सभी के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के सरकारी प्रयासों

के लिए काफी प्रासंगिक है।÷ डॉ. सिंह ने कहा, भारत ने कोविड महामारी में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया, यह इस बात की पुष्टि करता है कि मोदी सरकार 3.0 का दृढ़ विश्वास है कि सुलभ स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा, अब वे दिन लद गए जब लोग चिकित्सा सुविधाओं का उपयोग करने के लिए दूसरे विकसित देशों में जाते थे, अब भारत एक केंद्र बन गया है और चिकित्सा पर्यटन के लिए सबसे अधिक मांग वाला गंतव्य है और निवारक स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी देशों में से एक है। डॉ. सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुँच सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति ला रही है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) उपकरणों का एकीकरण प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हमारी क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है, हम दक्षता बढ़ा सकते हैं, प्रतीक्षा समय कम कर सकते हैं और समग्र स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार कर सकते हैं। टेलीमेडिसिन के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे इसने स्वास्थ्य सेवा को बदल दिया है और जम्मू-कश्मीर के दूरदराज के गांवों तक भी सेवाओं को सुलभ बना दिया है। डॉ. सिंह ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर जोर दिया। यह समझना महत्वपूर्ण है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, निजी भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और हमें एक पूरे समाज के रूप में सही दिशा में कदम उठाने होंगे। मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने से कुछ ही महीनों में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निजी निवेश हुआ है और 2022 में एक स्टार्टअप से स्टार्टअप की संख्या बढ़कर वर्तमान में 200 से अधिक हो गई है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी एएमसीएचएएम की महानिदेशक रंजना खन्ना, एएमसीएचएएम के अध्यक्ष सोम सत्संगी और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की प्रतिष्ठित कई फर्मों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्रेटर नोएडा के नामी स्कूल पर अथॉरिटी का एक्शन : नियमों का उल्लंघन करने पर ठोका जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने ग्रीन बेल्ट को पार्किंग क्षेत्र में बदलने पर टेकजोन 4 में स्थित पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल को नोटिस जारी किया है। प्राधिकरण ने यह नोटिस स्कूल द्वारा ग्रीन बेल्ट के नियमों का उल्लंघन करने के कारण भेजा गया है, जिससे 5 लाख का जुर्माना लग सकता है। आपको बता दें कि पहले भी पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल पर जुर्माना लगाया जा चूका गया हो। अप्रैल 2023 में भी इसी प्रकार के उल्लंघन के लिए स्कूल पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके बावजूद भी स्कूल ने फिर से ग्रीन बेल्ट का उपयोग पार्किंग के लिए किया, जिसके परिणामस्वरूप ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने फिर यह सख्त कदम उठाया है।ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन बेल्ट के नियमों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इस प्रकार के उल्लंघनों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमित शाह से मिले मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया एक्स के जरिए कहा, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी से भेंट हुई। इस अवसर पर प्रदेश के विकास के विभिन्न मुद्दों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। डॉ यादव ने मुलाकात संबंधी फोटो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं।

पीएम मोदी और अमित शाह से मिले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में पार्टी के संगठनात्मक मामलों से जुड़े कई मुद्दों पर बात की। चौधरी और राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी अलग-अलग मुलाकात की थी। मुलाकातों का यह सिलसिला राज्य में पार्टी के भीतर से असंतोष के स्वर उभरने के संकेत के बीच चला है। लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा को सपा-कांग्रेस गठबंधन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

पार्टी के नेता भी मानने लगे हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केशव प्रसाद मौर्य के मतभेद हैं। राज्य पार्टी की बैठक में मौर्य ने आदित्यनाथ और नड्डा की मौजूदगी में कहा था कि संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है और कोई भी संगठन से बड़ा नहीं हो सकता है। उनके इस बयान को भी कई राजनीतिक

पर्यवेक्षकों ने योगी के लिए एक संदेश बताया था। उपमुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय के हैंडल से भी 'संगठन सरकार से बड़ा है...' वाली टिप्पणी पोस्ट कर विवाद को और बढ़ा दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चुनावी हार के लिए अति आत्मविश्वास को जिम्मेदार ठहराया और सुझाव दिया कि पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन के अभियान का प्रभावी ढंग से मुकाबला नहीं कर सकी। राज्य के कई भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री की कार्यशैली की आलोचना की है। इनमें लोकसभा चुनाव हारने वाले नेता भी शामिल हैं, उन्होंने इसे अपनी हार का एक कारण बताया है। 2024 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा 80 में से केवल 33 सीटें जीतने में सफल रही, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं, जो भाजपा के लिए खराब प्रदर्शन था, जिसने 2019 के आम चुनावों में 61 सीटें जीती थीं।

चौधरी ने मोदी व शाह को सौंपी चुनाव में हार की रिपोर्ट

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य के दिल्ली दौरे के बाद गरमाई सियासी माहौल के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर प्रदेश में ताजा सियासी माहौल की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक चौधरी ने दोनों नेताओं को लोकसभा चुनाव में सीटें घटने के कारणों की रिपोर्ट भी सौंपी है। साथ ही सरकार और संगठन के स्तर पर की जा रही आगे की तैयारियों के बारे में जानकारी दी है।

समुद्री जलमार्ग परिवहन मास्टर प्लान पर समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों में तैयार की गई राज्य समुद्री

और जलमार्ग परिवहन समिति (एसएमडब्ल्यूटीसी) की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता एमओपीएसडब्ल्यू के सचिव श्री टीके रामचन्द्रन ने की और इसमें पूरे भारत में समुद्री व जलमार्ग परिवहन के व्यापक विकास को सुनिश्चित करने के लिए लगभग 30 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी एक साथ आए। अपने उद्घाटन भाषण में, श्री टीके रामचन्द्रन ने जलमार्ग परिवहन क्षेत्र के प्रबंधन और एकीकरण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बैठक भारत में एक मजबूत एवं स्थायी समुद्री और जलमार्ग परिवहन प्रणाली के हमारे दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, राज्य और केन्द्रीय एजेंसियों के सहयोगी प्रयास इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इस बैठक में राज्य-विशिष्ट समुद्री और जलमार्ग परिवहन मास्टर प्लान की तैयारी, समुद्री क्षेत्र की नीतियों का निर्माण, हरित पहल, जलमार्ग विकास, क्रूज पर्यटन, शहरी जल परिवहन और लाइटहाउस के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया। एजेंडे में सागरमाला कार्यक्रम की समीक्षा, लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) का विकास और रो-रो/रो-पैक्स/फेरी/शहरी जल परिवहन के अवसरों पर भी चर्चा की गई। इस बैठक के दौरान प्रमुख विषयों में समुद्री और जलमार्ग परिवहन क्षेत्र में अद्वितीय चुनौतियों से निपटने एवं अवसरों के लिए प्रत्येक राज्य की आवश्यकतानुसार मास्टर प्लान के विकास पर विस्तृत चर्चा; समुद्री क्षेत्र में विकास और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक नीतियों का निर्माण एवं कार्यान्वयन; पर्यटन को बढ़ावा देने और शहरी जल परिवहन प्रणालियों को बढ़ाने के अवसरों की खोज और पर्यटकों के आकर्षण के रूप में लाइटहाउस विकसित करने तथा उनकी नौवहन दक्षता में सुधार करने की योजना शामिल थी।

Name Change
I, Shalini Bansal D/o Bal Kishan (W/o Mahesh Agarwal) R/o Beacon-703, Omaxe Hills-1, Sector-43, Faridabad-121010, have changed my name to Shalini Agarwal.

Name Change
I SEEMA D/O VISHNU DUTT SHARMA residing at WZ-60 A WZ BLOCK NARAINA VILLAGE DELHI-110028 have changed my name to SEEMA SHARMA permanently

Name Change
I, J SIVAMMA W/O JANGA DEVDAS REDDY R/O A-404, RUDRA APARTMENT, PLOT NO. 12, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed my name to JANGA SIVA REDDY.

Name Change
I, Hamida Rafiq W/o Saurabh Bansal R/o Flat No-203, 2nd Floor, 95F, Bharat Residency, JMD Pacific Square, Sector-15, Chander Ngr, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name to Aarohi Hamida Bansal

Name Change
I, JC-332611F, Rank-SUB, Name-MANOJ KUMAR SINGH Residing at VPO-SUHIYA, PS-SHAHPUR PATTI, DIST-BHOJPUR (ARA), BIHAR-802165 have changed my wife's name from USHA to USHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-2897342H Rank-HAV Name-MD RIZWAN R/O VILL-GOUSH NAGAR, PO-MAKHDUMPUR, P.S-BALIDIH, TEH-CHAS, DIST-BOKARO, JHARKHAND-827010 have changed my mother's name from NOOR JAHAN KHATUN to NOOR JAHAN KHATOON for all future purposes vide affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NOOKA RATNAM RAKUTTI Mother of No 15710732H, Rank-LocHAV, Name-NAGESWARA RAO RAKUTTI R/O DOOR NO-2-16, VILL-MONDIPALEM, PO-VETAJANGALAPALEM, TEH-ANAKAPALLE, DISTT-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531001 have changed my name from NOOKA RATNAM RAKUTTI to RAKUTTI NOOKARATHNAM for all future purposes vide Affidavit Dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SHARDA Mother of No 4581328A, Rank-NK, Name-HAJARE NILESH ASHOK R/O AT/PO- ANGAPUR VANDAN, TEH & DISTT-SATARA, MAHARASHTRA-415019 have changed my name from SHARDA to HAJARE SHARDA ASHOK for all future purposes vide Affidavit Dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SAKARIYA BALUBEN KANUBHAI wife of Sh. SHAKARIYA KANUBHAI MEPABHAI R/O HARIPURA, AMRELI, LATHI, GUJARAT - 365430, have changed my name from SHAKARIYA BALUBHAI KANUBHAI to SAKARIYA BALUBEN KANUBHAI for all future purpose.

Name Change
I, POONAM DEVI wife of JC-493063A Rank-NB SUB Name-SUNIL KUMAR R/O VPO-DHINDHAWALI, TEH-MUZAFFAR NAGAR, DIST- MUZAFFAR NAGAR, UTTAR PRADESH-251318 have changed my name from POONAM DEVI to POONAM for all future purposes vide affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, OMVATE mother of No-15786656P Rank-NK, Name-PRADEEP KUMAR YADAV R/O VILL-BALPURA, PO-GUWANA, TEH-BEHROR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301713 have changed my name from OMVATE to OMVATI DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/08/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, JC-332611F, Rank-SUB, Name-MANOJ KUMAR SINGH Residing at VPO-SUHIYA, PS-SHAHPUR PATTI, DIST-BHOJPUR (ARA), BIHAR-802165 in my service records my mother's (VIMLA DEVI) date of birth wrongly mentioned as 12/07/1944 instead of her correct date of birth as 01/01/1941 vide Affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, AKSHAY KUMAR NAYAK S/o Shri RABINDRA NAYAK R/o WZ-1211, Don Bosco Ashalayam, Palam village, South West, Delhi-110045 declare that my both names AKSHAYA KUMAR NAYAK and AKSHAY KUMAR NAYAK are the names of the same and one person.

Name Change
I, JC-332611F, Rank-SUB, Name-MANOJ KUMAR SINGH Residing at VPO-SUHIYA, PS-SHAHPUR PATTI, DIST-BHOJPUR (ARA), BIHAR-802165 have changed my son's name from SANJIV KUMAR SINGH to SANJEEV KUMAR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-493063A Rank-NB SUB Name- SUNIL KUMAR is legal father of SHAGUN R/O VPO-DHINDHAWALI, TEH-MUZAFFAR NAGAR, DIST- MUZAFFAR NAGAR, UTTAR PRADESH-251318 have changed my Minor daughter's name from SHAGUN to SAGUN for all future purposes vide affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-332611F, Rank-SUB, Name-MANOJ KUMAR SINGH Residing at VPO-SUHIYA, PS-SHAHPUR PATTI, DIST-BHOJPUR (ARA), BIHAR-802165 have changed my father's name from YOUGESHWAR SINGH to YUGESHWAR SINGH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 11/07/1944 instead of his correct date of birth as 23/03/1936 vide Affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JANGA DEVADASA REDDY R/O A-404, RUDRA APARTMENT, PLOT NO. 12, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed my name to JANGA DEVDAS REDDY.

Name Change
I, SURAJ CHAUHAN S/O RAM BAHADUR CHAUHAN residing at VILLAGE KUCHAHARA, POST-MOHAMMADPUR, DISTRICT-BALIA, UTTAR PRADESH-221715 have changed my name to NIRAHU CHAUHAN for all future purposes

DATE OF BIRTH CHANGE
I, ANJU SHARMA, Wife of JC-303211M SUB YOGESH KUMAR SHARMA, R/o 36A/60, DEFENCE COLONY, NEAR KARITK VATIKA NIROTTAM PALACE PHASE-2, AGRA CANTT, UTTAR PRADESH-282001, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/08/1977 instead of my correct date of birth as 10/03/1976 vide affidavit dated 18/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for the general public information that my Clients Ashok S/o Sh. Tara Chand & Sunita W/o Sh. Ashok both resident of B- 20, J.J. Colony, Budh Nagar, Inder Puri, Central Delhi, Delhi- 110012, has debarred, disown and break down all the relationship from his/her son-Akshay & daughter-in-law- Nikita, from all my moveable and immoveable properties either self acquired or ancestral situated all over India due to theirs misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for his/her acts or deeds which was done by him/her.
SUNIL KUMAR TOMER ADVOCATE
Chamber No.396, Patiala House Courts, New Delhi-110001

कैंट के पास बन रहे वेलकम गेट से हिसार की बनेगी एक अलग पहचान : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। शहर में दिल्ली रोड से प्रवेश करते हुए कैंट के पास अशोक चक्र के डिजाइन वाला भव्य वेलकम गेट बनाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने इस वर्ष 8 मार्च को किया गया था। इस गेट का निर्माण कार्य लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत आएगी। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता वेलकम गेट, ऋषिनगर स्थित श्मशान घाट व टाउन पार्क के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। डॉ. गुप्ता ने कहा कि यह वेलकम गेट अत्याधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है और इसका ढांचा भूकंपरोधी (अर्थक्केक प्रूफ) है। भूकंप आने पर भी इस ढांचे को कोई नुकसान नहीं हो पाएगा। अभी राष्ट्रीय राजमार्ग 4 लेन का है। भविष्य में यह 6 लेन का भी किया जा सकता है। इसी संभावना को देखते हुए इस द्वार की चौड़ाई 120 फुट रखी गई हैं। इस गेट की लंबाई 9 मीटर रहेगी। प्रवेश द्वार की खासियत भारत का राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चक्र है जो स्टील का बना हैं। इसकी 24 तीलियां स्टील की प्री फैब्रिक डिड हैं। यह वजन में काफी हल्की हैं, इसी कारण से इसे इंस्टॉल करने में आसानी होगी। गेट के पिलरों का निर्माण पूरा हो चुका है और अब गेट की फिनिशिंग व अन्य कार्य पूरे किए जा रहे है। इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को वेलकम गेट, ऋषि नगर स्थित श्मशान घाट व टाउन पार्क के आर्य को 15 अगस्त तक की डेडलाइन देते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

कावड़ यात्रा के लिए डीएसपी ने बैठक में डीजे संचालकों को दिए निर्देश

कैथल। थाना शहर कैथल में डीएसपी मुख्यालय उमेद सिंह ने कावड़ यात्रा के संबंध में कैथल के नगर पार्षदों और डीजे संचालकों की मीटिंग ली। देर रात ली गई मीटिंग में डीएसपी ने कावड़ यात्रा के संबंध में पुलिस विभाग के दिशा निर्देश जारी किए। डीएसपी उमेद सिंह ने बताया की कावड़ लेने जा रहे गाड़ियों पर डीजे का प्रयोग करके ध्वनि प्रदूषण करते हुए गाने बजाए जाते हैं। इस कारण सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी गाड़ी पर डीजे लगाने में बजाने की अनुमति नहीं होगी। पार्षद भी अपने अपने क्षेत्र में कावड़ लेने जा रहे भक्तों को इस बारे जागरूक करें कि गाड़ी पर डीजे ना लगाएं। अगर किसी गाड़ी पर डीजे बजता पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान थाना शहर एसएचओ इंस्पेक्टर बीर सिंह व कैथल के नगर पार्षद व डीजे संचालक मौजूद रहे।

नायब सरकार कर रही नायाब काम : नितاشा सिहाग

ऐलनाबाद। भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष नितिशा राकेश सिहाग ने आज विधानसभा क्षेत्र के गांव प्रतापनगर में प्रवास के दौरान ग्रामीणों से कुशलक्षेम जाना और उपस्थितजनो को सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि प्रदेश की नायबसिंह सैनी सरकार बिना भेदभाव से समान रूप प्रदेशभर में विकास कार्य करवा रही है। भाजपा सरकार अंत्योदय अभियान के तहत हर पात्र व्यक्तियों को घर बैठे सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, ऐसी योजनाएं बनाकर जरुरतमंदों का सहयोग कर कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी सभी वर्गों के कल्याण के लिए बिना किसी भेदभाव के दिन रात काम कर रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे सब के लिए चौबीसों घण्टे खुले कर दिए है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में मुख्यमंत्री ने ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 2392.56 लाख रुपयों के विकास कार्यों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी व्यक्ति की कोई समस्या हो तो वह सुबह 9 से 11 बजे तक उपायुक्त कार्यालय सिरसा या अपनी तहसील के कार्यालय में जाकर नायब सरकार द्वारा चलाये जा रहे समाधान शिविरों में अपनी शिकायत कर सकते हैं। इस शिविर में आपकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा के जिला सचिव प्रताप सोलंकी, मंडल महामंत्री राजीव वधवा एवं सरपंच प्रतिनिधि स. जितेंद्र सिंह, गोविन्द टांटिया, गुरुदेव सिंह, लादुराम एवं कई वरिष्ठजन भी मौजूद थे।

सोनीपत पुलिस ने पकड़ा 5000 रुपये का इनामी आरोपी

सोनीपत। पुलिस ने युवक को बंधक बनाकर फिरौती मांगने के आरोप में 5000 रुपये के इनामी आरोपी अंकित को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोनीपत की इंडियन कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस आयुक्त सतेन्द्र गुप्ता के निर्देशन में क्राइम यूनिट सेक्टर 3 की टीम ने अंकित को गिरफ्तार किया। इस मामले में अन्य तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। घटना 25 फरवरी की है, जब हरिश को उसके पुराने दोस्त मंजीत ने प्लॉट के बहाने घर से बाहर बुलाया। मंजीत के कार में बैठते ही दो अन्य युवक आकर पिछली सीट पर बैठ गए। हरिश को बंधक बनाकर उससे 50 लाख रुपये की मांग की गई।

मुख्यमंत्री ने उड़ान आईएएस की छात्रा कोमल गर्ग को किया सम्मानित

एजेंसी

सिरसा। शहर के प्रतिष्ठित उड़ान आईएएस इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण प्राप्त कर आईएएस चयनित कोमल गर्ग को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को बड़े-बड़े ओहदों पर जाने के लिए प्रोत्साहित करें। अभिभावक अपने बच्चों से उनकी रूचि के बारे में पूछें, जबरन कोई भी चीज उनपर न थोपें। लगातार अपने बच्चों से बात करें और वे किस फिल्ड में जाना चाहते हैं, उस पर चर्चा करते रहें। सीएम ने कहा कि सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना का ही कमाल है कि अभिभावक अपनी बेटियों को उनकी रूचि के अनुसार पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों ने भी अपने अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए बड़े से बड़ा मुकाम हासिल किया है। उड़ान आईएएस के संचालक आईएएस अभिषेक शर्मा ने कहा कि उड़ान आईएएस इंस्टीट्यूट

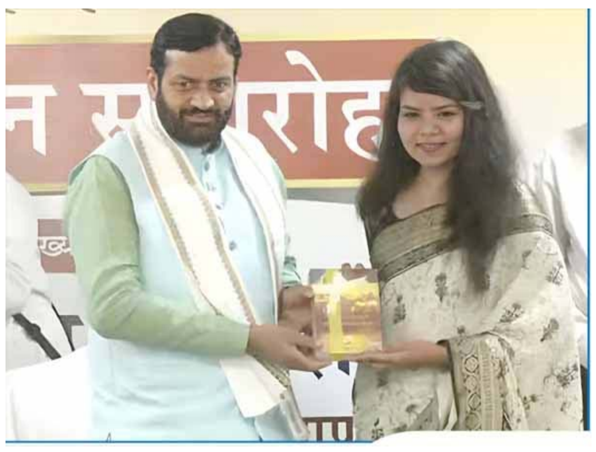

पर विद्यार्थियों की रूचि के अनुसार ही हर प्रकार के कंपीटिशन की तैयारी करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि इसी साल इंस्टीट्यूट से कोमल गर्ग आईएएस और अंकित मेहता के रूप में एचसीएस बनकर निकले हैं, जोकि संस्थान व जिले के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि संस्थान पर बच्चों के लिए अनुभवी स्टाफ के साथ-साथ हर तरह की व्यवस्था है।

रोड़वेज कर्मचारियों की सभी जायज़ मांगों को पूरा किया जाएगा : असीम गोयल

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने कहा कि रोडवेज कर्मचारियों की सभी जायज़ मांगों को पूरा किया जाएगा। पदौन्नति तथा दैनिक भत्तों में बढ़ोतरी के मामलों को सकारात्मक तरीके से निपटाया जाएगा।

असीम गोयल नन्यौला आज यहां हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क, निदेशक सुजान सिंह, आयुक्त यशेन्द्र सिंह सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

परिवहन मंत्री ने रोड़वेज कर्मचारियों की मांगों पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कर्मचारियों की पदौन्नति लंबित है उनको जल्द से जल्द

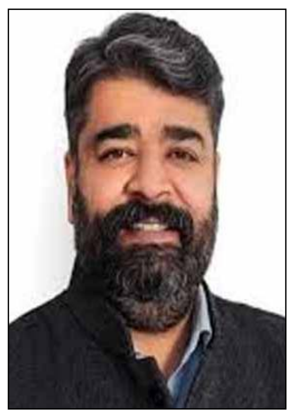

इसका लाभ दिया जाए। उन्होंने विभाग के चालक व परिचालकों के रात्रि ठहराव को लेकर एक महिने में देय दैनिक भत्ते के दिनों की अधिकतम सीमा बढ़ाने का भी आश्वासन दिया और कहा कि इस मामले में सकारात्मक कार्यवाही की जा रही है। असीम गोयल नन्यौला ने कर्मचारियों के अर्जित अवकाश बढ़ाने , पे-ग्रेड में बढ़ोतरी, ओवरटाइम में वृद्धि समेत अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की और आश्वासन दिया कि विभागीय जांच -पड़ताल के दौरान जो भी मुद्दे जायज़ पाए गए उन सभी पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी।

जन समस्याओं का किया जाए जल्द समाधान : मूलचंद शर्मा

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य व श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा की अध्यक्षता में नूह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण

समिति की मासिक बैठक हुई, जिसमें एजेंडे में शामिल 14 शिकायतों में से आठ का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया तथा शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी जन समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करें तथा प्रदेश सरकार का प्रयास है कि सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ सभी जनमानस को सरकार की योजनाओं व नीतियों का लाभ मिले। मंत्री ने गांव लाहाबास निवासी सोहनलाल की शिकायत पर सही जांच न करने के आरोप में पुलिस विभाग की एएसआई को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गांव फिरोजपुर नमक निवासी मोहम्मद इकबाल की शिकायत थी कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर उसकी जमीन व अन्य किसानों की जमीन का खुर्शीद नाम के व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन कर फसल का पंजीकरण कर लिया गया। इस पर मंत्री ने उप-निदेशक कृषि विभाग व जिला बागवानी अधिकारी को निर्देश दिए कि इस मामले की जांच की जाए, अगर जांच में आरोपी पर दोष सिद्ध होता है, तो उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाए।

प्रत्येक जिला में एक गौशाला को नस्ल सुधार के लिए लेंगे गोद : कंवर पाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण तथा पशु पालन एवं डेयरी मंत्री कंवर पाल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिला में कम से कम एक गौशाला को गायों की नस्ल सुधारने के लिए गोद लिया जाए ताकि प्रदेश में फिर से दूध की मात्रा में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने पंचकूला में स्थित 'पैट एनिमल मैडिकल सेंटर' (पीएएमसी) की तर्ज पर सभी जिलों में 1-1 'पैट केयर सेंटर' खोलने की संभावनाओं को भी तलाशने के निर्देश दिए ताकि वहां पर बीमार एवं घायल पालतू जानवरों के अलावा पक्षियों का भी समुचित उपचार किया जा सके।

कंवर पाल हरियाणा निवास में पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, महानिदेशक डॉ एलसी रंगा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पशु पालन एवं डेयरी मंत्री ने प्रदेश में गायों की नस्ल में

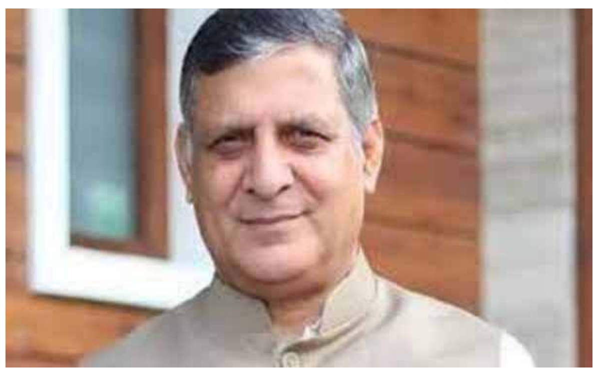

सुधार के विशेष निर्देश देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके बछड़ों की बजाए बछड़ियों की जन्म दर बढ़ाने पर फ़ोकस करें, क्योंकि वर्तमान मशीनी युग में कृषि आदि के कार्यों में बछड़ों का प्रयोग न के बराबर हो गया है। उन्होंने कहा कि हर जिला में कम से कम एक गौशाला को नस्ल -सुधार के लिए विभाग द्वारा गोद लिया जाना चाहिए ताकि भविष्य में ज्यादा दूध देने वाली गायों की संख्या बढ़ सके। उन्होंने पंचकूला में स्थित पीएएमसी की तर्ज पर राज्य के अन्य जिलों में भी ÷पैट केयर सेंटर' खोलने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में छोटे परिवार होने के कारण विशेषकर शहरी क्षेत्रों में पालतू जानवर रखने का प्रचलन बढ़ा है। इन जानवरों एवं पक्षियों के ईलाज के लिए प्रत्येक जिला में समुचित जगहों पर ÷पैट केयर सेंटर÷ खोले जाने चाहिए।

कंवर पाल ने सभी पशु चिकित्सा संस्थानों में पीने के शुद्ध पानी के लिए आरओ, बिजली की हर समय उपलब्धता के लिए इन्वर्टर, रिकॉर्ड के रख रखाव के लिए कंप्यूटर तथा आवश्यकता के अनुसार स्टेशनरी का सामान खरीदने के निर्देश दिए।

उन्होंने पशु चिकित्सा संस्थानों के नए भवनों हेतु जमीनों की शर्तों में आवश्यक संसोधन करने तथा सिविल कार्यों के लिए सिविल डिपार्टमेंट विंग का गठन करने की दिशा में भी उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। कृषि एवं किसान कल्याण तथा पशु पालन एवं डेयरी मंत्री कंवर पाल ने प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण पशुपालन में अधिक से अधिक सुधार करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए कहा कि किसी भी कार्य के लिए धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

समाधान शिविर में आई शिकायतों को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा

एजेंसी

रोहतक। प्रशासन द्वारा लगाएं जा रहे समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को लेकर उपायुक्त ने समीक्षा की और अधिकारियों को इस बारे में निर्देश दिये। साथ ही अतिरिक्त उपायुक्त ने शिविर में शिकायतों को सुना और शिकायतों को निपटाने के लिए कहा और इस बारे में संबंधित अधिकारियों से जवाब भी तलब किया। अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह, पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग, उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनी तथा मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। समाधान शिविर में 48 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन्हें समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया। वैशाली सिंह स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द इन शिकायतों का निपटारा करना सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस जिला व उपमंडल मुख्यालय पर सुबह नौ से ग्यारह बजे तक समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है ताकि एक स्थान पर ही सभी की समस्याओं का निपटारा किया जा सके। इन शिविरों में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर शिकायतों के निपटारे के लिए आवश्यक कार्यवाही कर रहे है।

हरियाणा मांगे हिसाब अभियान बना जन आंदोलनः दीपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

सोनीपत। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कांग्रेस पार्टी के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तीसरे दिन राई विधानसभा क्षेत्र में एथनिक इंडिया जीटी रोड से बहालगढ़ तक पदयात्रा की। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि यह अभियान जन-आंदोलन बन चुका है। पदयात्रा के दौरान जनता का हुजूम उमड़ पड़ा और वे स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं को सुनते रहे। राई में सड़कों की खराब हालत और सीवर की समस्या पर दीपेन्द्र हुड्डा ने खुद शिव मंदिर के पास गंदे पानी से भरी गलियों में पैदल चलकर समस्याओं को देखा और कांग्रेस सरकार आने पर समाधान का भरोसा दिया। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा का साथ छोड़ चुकी है और सरकार अल्पमत में है। तुरंत विधानसभा चुनाव कराएं। भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने राई को शिक्षा का हब बनाने की कांग्रेस सरकार की सोच को नष्ट कर दिया और क्षेत्र को अपराध और नशे का केंद्र बना दिया। कोई नया स्कूल, कॉलेज या यूनिवर्सिटी नहीं बनाई, पहले से बने संस्थानों को भी बंद करवा दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री की चुनौती का जवाब देते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा के 10 साल के शासन में कुछ नहीं किया गया। आरोप लगाया कि हरियाणा अपराधियों की शरणस्थली बन गया है और राज्य में अपराध बेकाबू हो गया है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में सबसे ज्यादा अपहरण, फिरौती और महिलाओं के खिलाफ अपराध हो रहे हैं। हरियाणा को बेरोजगारी, अपराध और नशे में डुबो दिया है। उनकी लड़ाई हरियाणा के भविष्य और किसानों के सम्मान को बचाने की है। लोकसभा चुनाव में हरियाणा की जनता ने भाजपा की नकारात्मक राजनीति को नकारकर कांग्रेस का साथ दिया और अब विधानसभा चुनाव में भी जनता का समर्थन मिलेगा। इस पदयात्रा में सांसद पंडित सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक जगबीर सिंह मलिक, विधायक जयवीर बाल्मिकी, विधायक सुरेन्द्र पंवार, विधायक इंदुराज नरवाल, प्रो. वीरेंद्र, संत कुमार, जयतीरथ दहिया, सुखबीर फरमाणा, पदमसिंह दहिया, भलेराम जांगड़ा, दिव्यांशु बुद्धिराजा, मनोज रिढाऊ, सुरेंद्र छिकारा, सुरेश त्यागी, सुरेश जोगी, राकेश कैलाना, संजय बड़वासनी, जितेन्द्र जांगड़ा, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, कांग्रेस के फ्रंटल संगठनों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीपीपी के ऑटो मोड से बनी 14117 बुजुर्गों की पेंशन

एजेंसी

जींद। सरकार द्वारा लागू किए गए परिवार पहचान पत्र के माध्यम से जींद जिला में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना के तहत 14117 बुजुर्गों की घर बैठे बिठाए स्वतः ही सामाजिक सुरक्षा पैंशन बनी है। नागरिकों को सरल व सुगम माध्यम से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई परिवार पहचान पत्र योजना का अब धरातल पर असर दिखने लगा है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि वृद्धावस्था पेंशन योजना को परिवार पहचान पत्र से जोडऩे के बाद अब बुजुर्गों को काफी राहत मिली है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के मार्गदर्शन में जब से सरकार की यह फ्लैगशिप योजना शुरू हुई है, तब से आयु व आय के निर्धारित मापदंडों को पूरा करने वाले बुजुर्गों की परिवार पहचान पत्र के माध्यम से अब वृद्धावस्था सम्मान पेंशन ऑटो मोड में बन रही है। अब किसी भी बुजुर्ग को वृद्धावस्था सम्मान भत्ता लेने के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं है। जिला जींद में 14117 पात्र बुजुर्गों की पेंशन पीपीपी के माध्यम से बन चुकी है। वर्तमान में समाज कल्याण विभाग द्वारा जिला जींद के एक लाख 28 हजार 132 बुजुर्गों को प्रत्येक माह तीन हजार रुपये की राशि वृद्धावस्था सम्मान पेंशन के रूप में उनके खाते में भेजी जा रही हैं। जिला में 15,144 दिव्यांगों को, 56138 विधवा महिलाओं को, 16993 निराश्ररित बच्चों को, 682 मंदबुद्धि बच्चे जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है और स्कूल नहीं जाते है उनको राज्य सरकार द्वारा पैंशन दी जा रही है। इसी प्रकार जिला में एक किन्नर को, छह व्यक्तियों को बोना भत्ता, एसिड अटैक से पीड़ित एक व्यक्ति को, 196 विदुर व कुवांरों को पैंशन दी जा रही है। इसी प्रकार जिला में लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता 2348 लाभार्थियों को दिया जा रहा है। जिलाभर में एक लाख 28 हजार 132 बुजुर्गों को लाभ दिया जा रहा है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी सरोज देवी ने बताया कि अब पीपीपी से आटो मोड से वृद्धावस्था पेंशन बनाने की विभागीय प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग, विधवा पेंशन, लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता, दिव्यांग बच्चे के लिए भत्ता दिया जा रहा है।

उपायुक्त ने किया मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने हैबतपुर स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का सम्बंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी तालमेल कर इस निर्माण कार्य को शीघ्र अति शीघ्र पूरा करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगस्त माह के पहले सप्ताह तक यहां पीने के पानीए पर्याप्त बिजलीए गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था करें।

डीसी ने निर्माणाधीन स्थलों का मौका मुआयना किया। उन्होंने कहा कि 900 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला एवं 24 एकड में फैला यह राजकीय मेडिकल कॉलेज जिले की सबसे बडी परियोजना है। यह परियोजना जल्द ही पूरी होना सम्भावित है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए कम जगह में बेहतर तकनीक का प्रयोग करके बहुमंजिला भवन बनाए जा रहे हैं। कॉलेज में लड़के और लड़कियों के

लिए अलग-अलग हॉस्टल भवन बनाएं जा रहे है। यह मैडिकल कॉलेज पूर्ण रूप से आधुनिक तकनीकों से युक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनने से जींद ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं का बेहतर तरीके से लाभ मिलेगा। इस परियोजना के बन जाने से लोगों को इलाज के लिए हिसार, रोहतक, चंडीगढ़ व अन्य जगहों पर जाने की जरूरत नहीं रहेगी। इससे लोगों के धन व समय की भी बचत होगी। चूंकि यह जिले की सबसे बड़ी परियोजना है, इसको समयबद्ध तरीके से पूरा करवाएं और इसमें प्रयोग होने वाली सामग्री गुणवत्तापरक होनी चाहिए।

मेडिकल कालेज में बनेंगे 12 बड़े ब्लाक

मेडिकल कॉलेज में 12 बड़े ब्लॉक बनाए जाने हैं। इनमें 84173 वर्ग गज के भूगृह में शिक्षण खंड, 28229 वर्गगज में शैक्षणिक खंड, ब्लाक अस्पताल, 269 वर्ग गज में पुलिस स्टेशन, 100 वर्ग गज में कचरा प्रबंधन भवन, बिजलीघर, 7382-7382 अलग-अलग वर्गगज में लडके व लड़कियों का हॉस्टल, नर्सिंग हॉस्टल, 6168 वर्गगज में जूनियर और सीनियर चिकित्सकों के लिए हॉस्टल, 382 वर्गगज में निदेशक आवास, 102 वर्ग गज में सब स्टेशन, गेस्ट हाउस, 650 बेड का अस्पताल, पैथ लैब के लिए इमारत, ब्लड बैंक, ओपीडी भवन, रेडियोग्राफी ब्लॉक जैसे भवन शामिल हैं।

गंदे पानी की निकासी न होने ग्रामीणों ने किया रोड जाम

एजेंसी

हिसार। जिले के नारनौंद जुलाना मार्ग पर कस्बे में नहर के पास गंदे पानी की निकासी के लिए बना नाला ओवरफ्लो होने से सड़क पर पानी जमा हो गया। इस वजह से कस्बावासी व आने जाने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन का इस तरफ कोई ध्यान नहीं है।

शहरवासियों के सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने सड़क पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही नारनौंद के तहसीलदार व नारनौंद थाना पुलिस मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम को खुलवाया। नारनौद नगरपालिका के पार्षद संदीप सिंह व राजेश ने कहा कि नारनौंद से जुलाना, खांडाखेड़ी, बास, मुंढाल, भिवानी, पेटवाड़, सुलचानी की तरफ जाने वाली सड़क पर गंदे पानी की निकासी के लिए बने नाले की सफाई नहीं होने के चलते गंदे पानी के नाले ओवरफ्लो हो जाते हैं। इस सड़क पर पिछले छह महीने से नहर के पास गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है।

नरवाना-उकलाना रेल लाइन के लिए जल्द होगा सर्वे, एचएसआईआईडीसी एजेंसी शुरू की कार्रवाई

एजेंसी

कैथल। रेलवे विभाग जल्द ही नरवाना- उकलाना की रेल लाइन का निर्माण करने के लिए सर्व कराएगा। सर्वे के बाद रेल लाइन निर्माण करने के लिए संभावनाएं मिली तो अगली कार्रवाई शुरू की जाएगी। हरियाणा सरकार की ओर से यह सर्वे एचएसआईआईडीसी एजेंसी द्वारा किया जाएगा।? एचआरआईडीसी कंपनी की बैठक में कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) राजेश अग्रवाल ने यह जानकारी दी यह जानकारी दी। उन्होंने बैठक में बताया कि 27 किलोमीटर नरवाना और उकलाना के बीच एक नई रेल लाइन के निर्माण के लिए फीजिबिलिटी अध्ययन किया है। ज्ञात रहे कि 27 किलोमीटर रेलवे लाइन को वर्ष 2014 में रेलवे की ओर से पास किया गया था। यदि रेलवे लाइन का निर्माण हुआ तो कैथल के रेल यात्री सीधा हिसार जा सकेंगे। इससे रेल यात्रियों को खूब फायदा होगा। रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्यों ने बताया कि साल 2014 में तत्कालीन सांसद दुष्यंत चौटाला ने इस रेलवे लाइन का बजट पास करवाया था। बाद में समिति ने तत्कालीन सांसद को कई पत्र लिखे थे।

420.69 करोड़ रुपये का बनाया गया था बजट

अब इस रेलवे लाइन का निर्माण अधर में लटका पड़ा है। जबकि यह रेलवे लाइन हिसार, उकलाना, नरवाना, कैथल और कुरुक्षेत्र को जोड़ती है और यह मात्र 29 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन है। इतना ही नहीं वर्ष 2014 में रेलवे के उप मुख्य अभियंता, नई दिल्ली ने सर्वे करवाकर इसका बजट 420.69 करोड़ रुपये का बनाया था। कैथल रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्य ने इस मांग को लेकर सांसदों के माध्यम से सरकार को ज्ञापन दिया था। रेल यात्री कल्याण समिति के चेयरमैन सतपाल गुप्ता ने बताया कि कैथल रेलवे स्टेशन को नरवाना और उकलाना स्टेशन को जोड़ने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

टैरिफ बढ़ाने से एक दशक के उच्च स्तर पर पहुंचेगी प्रति ग्राहक कमाई, पूंजी रिटर्न सुधारने में मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल और डाटा टैरिफ महंगा करने से दूरसंचार कंपनियों की प्रति ग्राहक कमाई (एआरपीयू) बढ़कर एक दशक के शीर्ष पर पहुंच जाएगी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा, 2025-26 तक हर मोबाइल ग्राहक से ये कंपनियां 225-230 रुपये तक कमाई करेंगी, जो बीते वित्त वर्ष के 180 रुपये से 25 फीसदी तक ज्यादा है।?क्रिसिल ने जारी रिपोर्ट में कहा, उच्च लाभप्रदता और कम पूंजी खर्च के कारण दूरसंचार कंपनियों की क्रेडिट स्थिति में भी सुधार होगा। 5जी सेवाओं की शुरुआत के बाद बढ़े हुए डाटा उपयोग से एआरपीयू को भी मदद मिलेगी। वोडाफोन, एयरटेल और जियो ने हाल में टैरिफ 25 फीसदी तक बढ़ाया है।? टैरिफ वृद्धि से 2025-26 अंत तक दूरसंचार उद्योग को पूंजी पर रिटर्न को 11 फीसदी तक सुधारने में मदद मिलेगी। 2023-24 में यह 7.5 फीसदी था। इसी तरह, कंपनियों का निवेश 28 फीसदी से घटकर अगले वित्त वर्ष में 19 फीसदी रह जाएगा, क्योंकि अधिकांश कंपनियों ने 5जी रोलआउट को पूरा कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाओं, सोशल मीडिया और गेमिंग एप के अधिक इस्तेमाल के कारण डाटा की अधिक खपत हो रही है।?इससे ग्राहक अपने डाटा प्लान को अपग्रेड करा रहे हैं।?एजेंसी ने कहा, एआरपीयू में वृद्धि धीरे-धीरे होगी। इसका पूरी तरह असर चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में दिखेगा। इस बढ़ोतरी का सर्वाधिक असर प्रीपेड ग्राहकों पर दिखेगा, क्योंकि इनकी संख्या ज्यादा है। इसलिए, जब सारे ग्राहक अगली बार रिचार्ज कराएंगे, तभी कंपनियों की बही खाता में यह कमाई दिखेगी।

दालों पर लाभ मार्जिन घटाएं खुदरा विक्रेता, उपभोक्ता सचिव बोले- मुनाफाखोरी के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सरकार ने खुदरा विक्रेताओं को दालों पर लाभ मार्जिन घटाने को कहा है। सरकार ने कहा, पिछले एक महीने में प्रमुख थोक बाजारों में दालों की कीमतों में करीब चार फीसदी की गिरावट के बावजूद खुदरा बाजारों में दाम नहीं घटे हैं। ऐसे में खुदरा विक्रेता उचित लाभ मार्जिन वसूलें। सरकार ने दालों की सट्टेबाजी व मुनाफाखोरी करने वाले विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। दालों के मूल्य परिदृश्य पर रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के साथ बैठक के बाद उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा, प्रमुख थोक मंडियों में चना, तुअर और उड़द की कीमतों में चार फीसदी तक की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में ऐसी कोई गिरावट नहीं देखी गई है। इससे लगता है कि खुदरा विक्रेताओं को अधिक लाभ मार्जिन मिल रहा है। बैठक में अरहर और चने के लिए स्टॉक सीमा के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। सचिव ने कहा, दलहन उत्पादक राज्यों में अरहर और उड़द का उत्पादन बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। बैठक में आरएआई, रिलायंस रिटेल, डी-मार्ट, टाटा स्टोर्स, स्पेंसर, आरएसपीजी और वीमार्ट के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।?

JSW मोटर इंडिया के सीईओ ने कहा, यात्री वाहनों पर मौजूदा GST दर में बदलाव की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव छाबा ने कहा है कि भारत में यात्री वाहनों पर मौजूदा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर संरचना काफी पुरानी हो चुकी है। इसे मोटर वाहन उद्योग में हो रहे नए घटनाक्रमों के अनुरूप बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को मोटर वाहन क्षेत्र पर नीतियां बनाते समय वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, आयात बिल में कमी, सतत स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और स्वामित्व की कुल लागत के समग्र परिप्रेक्ष्य पर विचार करना चाहिए। केंद्रीय बजट से पहले हाइब्रिड वाहनों को कर प्रोत्साहन दिए जाने पर विचार किए जाने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि केवल मजबूत 'प्लग-इन' हाइब्रिड वाहन पर ही ऐसे लाभ के लिए विचार किया जाना चाहिए, जिनमें परंपरागत इंजन से स्वतंत्र बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में चलने की क्षमता हो। छाबा ने कहा, ''पहले हमने कहा था कि कार का आकार चार मीटर से कम होगा। हमने कहा था कि 1.2 लीटर इंजन, 1.5 लीटर इंजन होगा और उसके आधार पर हमारे पास जीएसटी संरचना व्यापक थी। मुझे लगता है कि अब यह बीते दिन की बात हो गई है। वर्तमान में चार मीटर तक लंबे और 1200 सीसी पेट्रोल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी या चार मीटर तक लंबे तथा 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले हाइब्रिड यात्री वाहन (पीवी) पर बिना किसी उपकर के 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, बढ़ेगी 27फीसदी सैलरी

नई दिल्ली। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सोमवार को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक अगस्त से लागू करने का फैसला किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया विधानसभा में इस फैसले की घोषणा कर सकते हैं। इस कदम से राज्य सरकार के सात लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा। पूर्व मुख्य सचिव के सुधाकर राव की अध्यक्षता वाले सातवें वेतन आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन में 27.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की सिफारिश की है। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 17,440.15 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ने का अनुमान है। कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ की अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की योजना की घोषणा के बाद से ही सिद्धरमैया सरकार पर वेतन वृद्धि से संबंधित निर्णय लेने का दबाव था।

भारत-ब्रिटेन के मंत्रियों में प्रस्तावित एफटीए पर आगे बढ़ने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इटली में ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत को आगे बढ़ाने की योजना पर चर्चा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि यह द्विपक्षीय बैठक इटली के रेजियो कालाब्रिया में जी- के व्यापार मंत्रियों की बैठक से इतर हुई। गोयल ने इटली में जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक से इतर ब्रिटेन के व्यापार मंत्री से मुलाकात पर कहा कि अपने अच्छे मित्र जोनाथन रेनॉल्ड्स से फिर से मिलकर बहुत अच्छा लगा। गोयल ने व्यापार और व्यापार के लिए यूके के राज्य सचिव के रूप में उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। वाणिज्य मंत्री ने इस दौरान द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और गहरा करने

की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारी बातचीत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हमारी चल रही एफटीए वार्ता है। उन्होंने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गौरतलब है कि पीयूष गोयल इटली में 16-17 जुलाई को आयोजित जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए आधिकारिक दौरे पर हैं।

बैंकों की सभी शाखाओं में स्थायी सशस्त्र गार्ड रखने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्वनी राणा ने वित्त मंत्रालय से देश के सभी बैंकों की शाखाओं में स्थायी सशस्त्र गार्ड (पर्मानेंट आर्म्ड गॉर्ड) की नियुक्ति अनिवार्य करने की मांग की है। अश्वनी राणा ने को इंदौर स्थित पंजाब नेशनल बैंक में दिन-दहाड़े डकैती की घटना का हवाला देते हुए यह मांग की है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई घटना नहीं है। राणा ने कहा कि आए दिन किसी न किसी बैंक में डकैती की घटनाएं होती रहती हैं। इसकी एक वजह है कि बैंकों ने सिक्युरिटी गार्ड रखने बंद कर दिया है।राणा ने कहा कि बैंकों में जो गार्ड रखे जाते हैं, वो प्राइवेट एजेंसी द्वारा रखे जाते हैं। ये सिर्फ चौकीदारी का काम कर सकते हैं, क्योंकि इनके पास हथियार तो होता है, लेकिन सुरक्षा की समझ और मुस्तैदी कम होती है। उन्होंने बैंक प्रबंधन का हवाला देते हुए कहा कि बैंक में जो

नगदी है उसका इंश्योरेंस होता है। लेकिन कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा की चिंता कौन करेगा। ऐसे में वित्त मंत्रालय सभी बैंकों की शाखाओं में स्थायी सशस्त्र गार्ड को रखने की व्यवस्था अनिवार्य करे।

एडीबी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान सात फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। बजट पेश होने से पहले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को सात फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके साथ ही एडीबी को सामान्य से बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। एडीबी ने अपने एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के जुलाई संस्करण में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में सात फीसदी की दर से बढ़ेगी। वहीं, अगामी वित?त वर्ष 2025-26 में जीडीपी 7.2 फीसदी की दर से

बढ़ने की ओर अग्रसर है। एशियाई विकास बैंक ने अप्रैल में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 6.7 फ़ीसदी से बढ़ाकर सात फ़ीसदी कर दिया था। एशियाई विकास बैंक के पूर्वानुमान से एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारतीय अर्थव्यस्था 7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही एडीबी का कहना है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की निवेश मांग से मजबूत वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। एडीबी के मुताबिक वैश्विक रुझानों के अनुरूप देश की महंगाई दर में गिरावट का रुख जारी रहेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का जीडीपी 8.2 फीसदी रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा दुनिया की अन?य वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भी चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7-7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया है।

इटली में जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक से इतर अपने समकक्षों से मिले गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इटली में जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। गोयल ने इस बैठक से इतर अपने समकक्षों के साथ बातचीत की। गोयल ने ब्रिटेन, जर्मनी और इटली के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के लिए बैठकें कीं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने इटली के रेजियो कैलाब्रिया के विला सैन जियोवानी में आयोजित जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान गोयल ने अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ कई उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में भी भाग लिया, जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गोयल ने जी-7 बैठक के दौरान यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ गहरे आर्थिक संबंधों और एफटीए पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री

ने बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों, अर्धचालकों, फार्मा और हरित ऊर्जा में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग का आह्वान किया। वाणिज्य मंत्री ने इस बैठक में 3 सी-कोविड, संघर्ष और जलवायु परिवर्तन के सामने मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इटली में जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान इटली के उप-प्रधानमंत्री एंटोनियो तजानी के साथ बैठक की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और इटली के बीच निवेश, स्टार्ट-अप और ऊर्जा में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। गोयल ने जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए इटली के उप-प्रधानमंत्री को बधाई भी दी।

गोयल इटली में 16-17 जुलाई को आयोजित जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए आधिकारिक दौरे पर हैं। वाणिज?य मंत्री का यह दौरा भारत द्वारा दुनिया को दिए जाने वाले व्यापार और निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

गौरतलब है कि जी-7 वैश्विक व्यापार संबंधों और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करती है।

30 दिनों में 1.32 करोड़ घरेलू हवाई यात्रियों ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। घरेलू यात्रा करने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का घरेलू हवाई यात्री यातायात जून में 5.76 प्रतिशत बढ़कर 1.32 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 1.24 करोड़ था। पीटीआई की खबर के मुताबिक, विमानन नियामक डीजीसीए के मासिक आंकड़ों से पता चला है कि जून के दौरान बजट एयरलाइन इंडिगो ने 80.86 लाख यात्रियों को ढोया, जिससे इसकी बाजार हिस्सेदारी 60.5 प्रतिशत रही, इसके बाद टाटा समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया और विस्तारा का स्थान रहा, जिसने क्रमशः 17.47 लाख और 12.84 लाख यात्रियों को सफर कराया।

एयर इंडिया की बाजार हिस्सेदारी

नागरिक विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक, जून के दौरान एयर इंडिया की बाजार हिस्सेदारी 13.1 प्रतिशत रही, जबकि विस्तारा की 9.6 प्रतिशत रही। विस्तारा टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच 51ः49 प्रतिशत की हिस्सेदारी वाला ज्वाइंट वेंचर है। एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया), जो टाटा समूह का ही एक हिस्सा है, ने पिछले महीने 7.70 लाख यात्रियों को ढोया, जिसने 5.8 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी दर्ज की।

टाटा समूह की तीनों एयरलाइनों की हिस्सेदारी

डीजीसीए के मुताबिक, पिछले महीने कुल घरेलू यात्री यातायात में टाटा समूह की तीनों एयरलाइनों की हिस्सेदारी 28.5 प्रतिशत थी। डीजीसीए के आंकड़ों से पता चलता है। इसी समय, स्पाइसजेट ने 7.02 लाख यात्रियों को सफर कराया, जबकि अकासा एयर, जो अपने परिचालन के दो साल पूरे करने जा रही है, ने रिपोर्टिंग महीने में 5.90 लाख यात्रियों को ढोया, जो पिछले महीने कुल घरेलू यात्री यातायात का 5.3 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत था।

दो दिन की गिरावट के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज तेजी नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण 24 कैरेट सोना उछल कर 74 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार चला गया है, वहीं 22 कैरेट सोना भी 68 हजार से ऊपर या काफी करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 74,520 रुपये से लेकर 74,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 68,310 रुपये से लेकर 67,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांती के भाव में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इसकी वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 200 रुपये सस्ता होकर 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना

आज 74,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 74,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 74,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 74,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,080 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 74,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एन चंद्रशेखरन का बड़ा एलान, कहा- टाटा पावर वित्त वर्ष 2024-25 में 20000 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

एजेंसी

जयपुर। टाटा पावर ने वित्त वर्ष 2025 में पूंजीगत व्यय के लिए 20,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। कंपनी के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कंपनी की 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को बताया कि पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को गति देने के लिए होगा। यह वित्त वर्ष 2024 में निवेश किए गए 12,000 करोड़ रुपये की राशि से काफी अधिक है। कंपनी इसका उपयोग अपनी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को गति देने और ट्रांसतिशन सहित डिस्ट्रब्यूशन कारोबार पर खर्च करेगी।

टाटा समूह के मुखिया एन चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा पावर अन्य राज्यों में नए वितरण विस्तार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी सरकार से जरूरी मंजूरी

मिलने के बाद छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर में भागीदारी की संभावना भी तलाशेगी।

पांच करोड़ उपभोक्ताओं को जोड़ने का लक्ष्य

चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा पावर मौजूदा और निर्माणाधीन परियोजनाओं के जरिए दो से पांच साल में 15 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह क्षमता इस समय नौ गीगावाट की है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य वितरण कारोबार के विस्तार के जरिये पांच करोड़ उपभोक्ताओं को जोड़ने का है, कंपनी के उपभोक्ताओं की मौजूदा संख्या 1.25 करोड़ से अधिक है।

औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा देने पर जोर

चंद्रशेखरन के अनुसार कंपनी विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। जिसमें 24 घंटे स्वच्छ ऊर्जा दी जा सके। उन्होंने कहा कि भारत की हरित ऊर्जा के क्षेत्र बदलाव का नेतृत्व करने के लिए कंपनी अच्छी स्थिति में है। चंद्रशेखरन ने बताया कि कंपनी रूफटॉप सोलर मे तेजी विस्तार कर रही है। पीएम सूर्य घर योजना के साथ हम बाजार में अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ा रहे हैं।

कन्नड़ों को निजी कंपनियों में आरक्षण देने वाले विधेयक पर विवाद, उद्योगपतियों ने भेदभाव करार दिया

एजेंसी

जयपुर। कर्नाटक कैबिनेट ने एक विधेयक को मंजूरी दी। इस विधेयक में निजी क्षेत्र में प्रबंधन की 50 प्रतिशत नौकरियां और गैर-प्रबंधन की 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। वहीं, निजी कंपनियों में समूह-सी और डी के पदों के लिए स्थानीय लोगों को शत प्रतिशत आरक्षण देने भी मांग की गई है।

टेक उद्योग को हो सकता नुकसान

राज्य के कई उद्योगपतियों ने बुधवार को इस विधेयक का विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यह भेदभावपूर्ण है और आशंका जताई कि टेक उद्योग को नुकसान हो सकता है। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष मोहनदास पई ने कहा कि विधेयक फासीवादी और असंवैधानिक है।

यह भेदभावपूर्ण और संविधान के खिलाफ

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस विधेयक को रद्द कर दिया जाना चाहिए। यह भेदभावपूर्ण और संविधान के खिलाफ है। साथ ही पई ने कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश को टैग करते हुए पूछा कि क्या सरकार को यह सिद्ध करना है कि हम कौन हैं? यह एनिमल फार्म जैसा फासीवादी बिल है। हम सोच भी नहीं सकते कि कांग्रेस इस तरह का विधेयक लेकर आ सकती है। क्या एक सरकारी अधिकारी निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में बैठेगा? लोगों को भाषा की परीक्षा देनी होगी?

कुशल भर्ती के लिए छूट होना जरूरी

इसके अलावा, बायोकॉन लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष किरण मजूमदार ने कहा कि राज्य को इस विधेयक के कारण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति पर असर नहीं पड़ने देना चाहिए और कुशल भर्ती के लिए छूट होनी चाहिए।

मजूमदार ने एक्स पर कहा, एक तकनीकी केंद्र के रूप में, हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है। जबकि हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार देना है। हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए। ऐसी चेतावनियां होनी चाहिए जो कुशल भर्ती को इस नीति से छूट दें।

भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार नहीं किया गया विधेयक

एएसएसओसीएचएएम (ऍस्स्ड्ढ्ढ्र) कर्नाटक के सह-अध्यक्ष और वाईयूएलयू के सह-संस्थापक आरके मिश्रा ने कहा कि विधेयक को भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर इसके कार्यान्वयन की निगरानी के लिए हर निजी कंपनी में एक सरकारी अधिकारी नियुक्त किया जाता है, तो यह भारतीय आईटी और वैश्विक क्षमता केंद्रों को डरा देगा।

उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार की ओर से एक और प्रतिभाशाली कदम। स्थानीय आरक्षण को अनिवार्य करें और निगरानी के लिए हर कंपनी में सरकारी अधिकारी नियुक्त करें। यह भारतीय आईटी और जीसीसी को डराएगा।

सीएम ने क्या कहा?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक दिन पहले ही कहा था कि कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य के सभी निजी उद्योगों में 'सी और डी' श्रेणी के पदों के लिए 100 प्रतिशत कन्नडिगा (कन्नड़भाषी) लोगों की भर्ती अनिवार्य करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण की देखभाल करना है।

योग्य स्थानीय कर्मचारी ना होने पर देना होगा प्रशिक्षण

विधेयक की एक प्रति पीटीआई के पास है, जिसके मुताबिक कोई भी उद्योग, कारखाना प्रबंधन श्रेणियों में पचास प्रतिशत और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में सत्तर प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों को नियुक्त करेगा। इसके साथ ही अगर उम्मीदवारों के पास कन्नड़ भाषा के साथ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र नहीं है, तो उन्हें नोडल एजेंसी द्वारा निर्दिष्ट कन्नड़ दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। विधेयक में यह भी कहा गया है कि अगर कोई योग्य स्थानीय उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं तो सरकार या उसकी एजेंसियों के सक्रिय सहयोग से प्रतिष्ठानों को तीन साल के अंदर प्रशिक्षण देना होगा। यदि पर्याप्त संख्या में स्थानीय उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो कोई प्रतिष्ठान इस अधिनियम के प्रावधानों से छूट के लिए सरकार को आवेदन कर सकता है। प्रत्येक उद्योग या कारखाने या अन्य प्रतिष्ठान को इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन के बारे में नोडल एजेंसी को निर्धारित अवधि के भीतर बिल की प्रति में सूचित करना होगा। नोडल एजेंसी की भूमिका किसी नियोक्ता या किसी प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता या प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों को सत्यापित करना होगी और इस अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन का संकेत देते हुए सरकार को एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करनी होगी।

आम आदमी पर महंगाई की मार जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस स्टोरी में हम आपको महंगाई की असली तस्वीर तो दिखाएंगे ही, साथ में ये भी बताएंगे कि पेट्रोल और डीजल की महंगाई का आप पर कितना असर होता है, या कितना असर हो सकता है? एक अप्रैल 2024 भारतीय वित्त वर्ष का पहला दिन। अरहर की दाल का औसत रेट 149.23 रुपए था। चीनी 44.44 रुपए की एक किलो थी। सरसों का एक लीटर तेल 135.67 रुपए का था, आलू 24.76 रुपए किलो थे, प्याज 32.38 रुपए और टमाटर 32.97 रुपए किलो थे. ये जो दाम आपने सुने हैं ये औसत दाम थे। ये आंकडे उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए हैं। अब इसी वेबसाइट पर 15 जुलाई के औसत दामों पर नजर डालते हैं. अरहर की दाल 168.75 पर पहुंच गई है, चीनी 45.03 पर, सरसों का तेल 140.82 पर, आलू 37.14 रुपए किलो, प्याज 44.67 रुपए किलो और टमाटर 68.52 रुपए किलो पर पहुंच गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ये आंकडे देखने के बाद आपको महंगाई दिख भी रही होगी और महसूस भी हो रही होगी और ये तो एक बानगी मात्र है। इसी वेबसाइट पर और भी कई चीजों के दाम दिए गए हैं। अब इसके आगे की बात जानिए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी कुछ आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को ड्ढक्क्ढ्ढ भी कहते हैं, ड्ढक्क्ढ्ढ माने होलसेल प्राइस इंडेक्स। पिछले चार महीनों से ड्ढक्क्ढ्ढ में लगातार इजाफा हो रहा है। मार्च में ये 0.53 फसदी थी। अप्रैल में ये 1.26 फीसदी थी, मई में 2.61 फीसदी और अब जून में 3.36 फीसदी। अब सवाल ये कि थोक महंगाई क्यों बढ़ रही है? और जवाब ये कि खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। सरकारी आकंडे तस्दीक करते हैं कि आलू से लेकर प्याज तक और टमाटर से लेकर तमाम सब्जियां महंगी हो गई हैं। तमाम दालें महंगी हो गई हैं। थोक महंगाई के बाद बात करते हैं रिटेल महंगाई की। 12 जुलाई को रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे। जून के महीने में रिटेल महंगाई भी बढ़ गई। 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में ये आंकडा 4.85त्न का था। और मई में रिटेल महंगाई 4.75त्न पर थी। रिपोर्ट बताती है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से रिटेल महंगाई बढ़ गई है।

Diabetes के मरीजों के लिए मीठा जहर हैं ये 5 फल, भूलकर भी न बनाएं डाइट का हिस्सा

पोषक तत्वों से भरपूर फल हमारी सेहत के लिए काफी गुणकारी होते हैं। इन्हें नियमित रूप से खाने सेहत को ढेरों फायदे मिलते हैं। हालांकि डायबिटीज के मरीजों के लिए कुछ फल हानिकारक साबित हो सकते हैं। Diabetes एक गंभीर बीमारी है जिसे दवाओं और सही खानपान से कंट्रोल किया जाता है। इसके कुछ फलों से भी परहेज करना चाहिए

एक ऐसी बीमारी है, जो दुनियाभर में कई लोगों को अपनी चपेट में लेती जा रही है। यह एक लाइलाज बीमारी है, जिसका कोई इलाज नहीं है और यह एक बार होने पर जीवनभर व्यक्ति के साथ ही रहती है। हालांकि, कुछ दवाओं, सही खानपान और जीवनशैली में कुछ बदलावों की मदद से इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीजों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है, क्योंकि खानपान में हुई छोटी सी लापरवाही भी इस स्थिति को बदतर बना सकती है।

ऐसे में फल खाते समय भी डायबिटीज पीड़ित व्यक्ति को यह ध्यान रखना चाहिए कि कौन- सा फल उनके लिए फायदेमंद है और कौन सा हानिकारक। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे फलों के बारे में, जिन्हें हाई नेचुरल शुगर होने की वजह से डायबिटीज पीड़ित व्यक्ति को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

केले

पौष्टिक फलों में से एक केला अपने गुणों की वजह से जाना जाता है और इसे खाने से सेहत को ढेरों फायदे भी मिलते हैं। इसके नियमित सेवन से जहां कहीं समस्याओं से राहत मिलती है, तो वहीं डायबिटीज के मरीजों के लिए इसे खाने हानिकारक हो सकता है। केले में ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा होता है, जिसकी वजह से इन लोगों को इसे खाने से परहेज करना चाहिए।

चेरी

लाल रंग की छोटी-सी चेरी ढेर सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों के लिए यह हेल्दी नहीं मानी जाती। इसमें नेचुरल शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जिससे ज्यादा मात्रा में इसे खाने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए अगर आपको डायबिटीज है, तो कम मात्रा में ही चेरी खाएं।

आम

फलों का राजा आम कई लोगों का पसंदीदा फल होता है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए यह हानिकारक हो सकता है। हाई शुगर होने की वजह से इसे खाना डायबिटीज पीड़ित लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है। यह हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला फल है, जिसे खाने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है।

पाइनएप्पल

विटामिन और ब्रोमेलैन जैसे एंजाइम्स से भरपूर पाइनएप्पल में भी चीनी की भारी मात्रा पाई जाती है, जिसकी वजह से डायबिटीज के इसे खाने से परहेज करना चाहिए। मीडियम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के साथ हाई शुगर कंटेंट ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का कारण बन सकती है। इसलिए अगर आपको यह बीमारी है, तो जितना हो पाइनएप्पल खाने से बचें।

अंगूर

अंगूर एक ऐसा फल है, जिसे लगभग हर कोई बड़े चाव से खाता है। हालांकि, अगर आपको डायबिटीज की बीमारी है, तो इससे दूरी बनाए रखना ही आपके लिए बेहतर होगा।

ट्रम्प पर हमला: राजनीति को हिंसा-घृणा से मुक्त करने की ज़रूरत

ट्रम्प उन राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं जिन्हें अपने विरोधियों और कुछ वर्गों के प्रति उनकी घृणा के लिये जाना जाता है। वे चार साल ही राष्ट्रपति रहे परन्तु उतने अल्प समय में उन्होंने अनेक समूहों के प्रति अपनी नफरत और हिंसा का भाव प्रदर्शित किया। पड़ोसी देश मैक्सिको से बडी संख्या में आने वाले लोगों के बारे में उन्होंने खराब शब्दों का इस्तेमाल किया था।

अमेरिका के राष्ट्रपति को अमूमन दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। उसका कारण है खुद उस देश का सबसे शक्तिशाली होना- मूल रूप से ज्ञान, सूचना, व्यवसाय और सबसे बड़ी बात अपनी सामरिक ताकत के कारण। परमाणु शक्तियों और अत्यंत आधुनिक सेना के चलते वह दूसरे विश्व युद्ध के बाद से ही एक तरह से दुनिया का अगुवा राष्ट्र माना जाता है। अपने भीतर एक मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली में जीने वाले इस मुल्क के राष्ट्रपति के पास इतनी ताकत होती है कि वह अपने देश के साथ-साथ दुनिया भर का नेता मान लिया जाता है। संसदीय प्रणाली की बजाय राष्ट्रपति प्रणाली वाले अमेरिका का यह शीर्ष व्यक्ति इस व्यवस्था के चलते बड़ी शक्तियां अपने पास रखता है। इसके साथ ही उसके अंतरराष्ट्रीय दबदबे के कारण उसे अतिरिक्त ताकत मिल जाती है। उसकी खुद की चयनित होने की प्रणाली ऐसी दुरुह होती है कि वास्तविक रूप से पूरे देश में वोट बटोरकर ही कोई इस पद तक पहुंच सकता है।देश के पास अमेरिकी राष्ट्रपति को सुरक्षित रखने के लिये बहुत प्रोफेशनल सुरक्षाकर्मियों का बड़ा दस्ता होता है। अमेरिका में पहले जब दो राष्ट्रपति मारे गये थे, तब राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां ऐसी नहीं थीं लेकिन दुनिया में वर्तमान में जो हालात हैं, उसके कारण छोटे से छोटे और महत्वहीन देश तक अपने राष्ट्राध्यक्षों से लेकर तमाम छोटे-बड़े नेताओं को कड़ी सुरक्षा देते हैं। यह अलग बात है कि इसके बावजूद कई राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनीतिज्ञ मारे जाते हैं। अमेरिका की ही बात करें तो दास प्रथा का उन्मूलन करने वाले अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति पद के एक उम्मीदवार जॉर्ज सी. वैलेस पर गोलियां चली थीं जिससे घायल होकर वे आजीवन व्हील चेयर पर रहे। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर गोली दागी गई है। वैसे तो वे इस वक्त राष्ट्रपति नहीं हैं लेकिन अभी के राष्ट्रपति जो बाइडेन के पहले वे ही विश्व के इस सर्वाधिक ताकतवर पद को सम्हाल रहे थे। सम्भावना है कि अगली मर्तबा फिर से वे ही अपनी पार्टी के प्रत्याशी होंगे। इसका दावा उन्होंने पेश कर दिया है और इस रेस में वे आगे हैं।एफबीआई एवं अन्य जांच एजेंसियां देख रही हैं कि उनकी हत्या की साजिश का कारण क्या हो सकता है- कोई अंदरूनी मसला अथवा कोई अंतरराष्ट्रीय साजिश। जो भी हो, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन जिस प्रकार से ट्रम्प को निशाना बनाया गया है उससे एक बार फिर से राजनीति को हिंसा से मुक्त बनाने की ज़रूरत महसूस होने लगी है। यदि अमेरिका जैसे देश का अभी ही रिटायर हुआ राष्ट्रपति, जिसे लगभग वैसी ही सुरक्षा मिली हुई है जैसी कि उसे पद पर बने रहने के दौरान मिलती थी, एक 20 वर्षीय युवा के हाथों मरने से बाल-बाल बच जाता है, तो उसके कारण ढूंढ़ने से अधिक ज़रूरी है कि हिंसा से मुक्त दुनिया बनाने के सम्मिलित प्रयास किये जायें।ट्रम्प उन राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं जिन्हें अपने विरोधियों और कुछ वर्गों के प्रति उनकी घृणा के लिये जाना जाता है। वे चार साल ही राष्ट्रपति रहे परन्तु उतने अल्प समय में उन्होंने अनेक समूहों के प्रति अपनी नफरत और हिंसा का भाव प्रदर्शित किया। पड़ोसी देश मैक्सिको से बडी संख्या में आने वाले लोगों के बारे में उन्होंने खराब शब्दों का इस्तेमाल किया था। यहां तक कि वे चाहते थे कि अमेरिका और मैक्सिको के बीच वे दीवार खड़ी कर दी जाये और उसका खर्च मैक्सिको से वसूला जाये। अप्रवासियों के प्रति उनकी राय हमेशा नफ़रत वाली रही है। इसकी शुरुआत उन्होंने 2015 में पद की अपनी दावेदारी का ऐलान करने के साथ ही कर दी थी। बाद में तो उनकी यह घृणा सभी तरह के अप्रवासी और यहां तक कि सभी बाहरी लोगों के लिये विस्तार पाती गई। ऐसे ही नस्लीय भेदभाव बरतने वालों और हिंसा में शामिल लोगों को वे प्रोत्साहन देते थे।

ट्रम्प के खिलाफ अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के पास अनेक रिपोर्ट आईं कि हिंसा करने वाले कई लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। साल 2016 में एक श्वेत व्यक्ति अपने अश्वेत पड़ोसियों को चाकू से डराता हुआ पकड़ा गया। उसने अधिकारियों को धमकाया कि ट्रम्प उन्हें ठीक कर देंगे।ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को 16 निष्क्रिय बम भेजने वाले सीज़र सीयोक नामक व्यक्ति ने ट्रम्प को अपना रोगेट पिता बतलाया तो 2019 में टेक्सास के एल पासो में हुई जिस सामूहिक गोलीबारी में 23 लोग मारे गये थे, उनके शूटरों ने अप्रवासियों को लेकर ट्रम्प के बयान को दोहराया। अमेरिका में जब ब्लैक लाइव्स मैटर% आंदोलन चल रहा था तब जिस किशोर ने उसमें शामिल तीन लोगों की हत्या कर दी थी, ट्रम्प ने उसका बचाव किया था। 2020 में हुई पहली राष्ट्रपति बहस में ट्रम्प ने श्वेत वर्चस्ववादियों की आलोचना करने से मना कर दिया था। अगस्त, 2015 में बोस्टन में दो भाइयों ने एक बेघर व्यक्ति पर पेशाब कर दी। जब उन्हें पकड़ा गया तो उन्होंने ट्रम्प को उद्धृत करते हुए कहा कि वे सही हैं और सभी अप्रवासी लोगों को निर्वासित करना चाहिये। हालांकि बाद में पता चला कि वह व्यक्ति मैक्सिकन तो था लेकिन अमेरिका का ही नागरिक था, न कि अवैध रूप से रहने वाला कोई अप्रवासी।हिंसा से ट्रम्प को कोई बहुत परहेज़ नहीं रहा है। 2015 में मियामी में उनकी एक प्रचार सभा में जब उन्हें प्रदर्शनकारी बार-बार टोक रहे थे तो उन्होंने चेताया कि %अगली बार जब वे उनसे बात करेंगे तो थोड़ा अधिक हिंसक होकर करेंगे।% इसी साल उनकी एक प्रचार सभा में ट्रम्प ने भीड़ में उनका विरोध कर रहे एक अश्वेत को उठाकर फेंकने का आह्वान तो किया ही, जब उनके समर्थक उसे घूंसों व लातों से पीट रहे थे तो उनका समर्थन किया। बाद में उन्होंने इस कृत्य को जायज ठहराया था। अनेक ऐसे उदाहरण हैं जिनमें उन्होंने हिंसा को समर्थन दिया था। अश्वेतों, अप्रवासियों, बाहरी लोगों के लिये उनकी घृणा हमेशा झलकी है। 2020 का चुनाव हारने के बाद उन्होंने अपने समर्थकों को इस बात के लिये लिये उकसाया कि वे कैपिटल हिल पर कब्जा कर लें जहां से अमेरिका की सरकार चलती है। उन्होंने आसानी से सत्ता हस्तांतरण करने से इंकार कर दिया था और ट्विट तक किया कि वे अमेरिका को वापस लेंगे।% उन्होंने उपद्रवी लोगों के नाम संदेश भी भेजा कि %वे उनके लिये बहुत खास हैं।0 गज की दूरी से ट्रम्प पर जिस 20 वर्षीय युवक ने गोली चलाई, और खुद भी जो एक सुरक्षाकर्मी द्वारा मारा गया, इसी नफरत व घृणा से पोषित मानसिकता का साकार रूप था जिसका अंत भी कुछ इसी तरह से हुआ जो अक्सर इस तरह की सोच पर आधारित जीवन जीने वालों का होता है। तो भी यह एक बड़ी सीख है कि पूरी दुनिया के लोगों को घृणा और हिंसा से दूर रखा जाना कितना ज़रूरी है। यह काम राजनीतिज्ञों का है। सिर्फ इसलिये नहीं कि नेता भी उसकी ज़द में आ सकते हैं, बल्कि इसलिये कि सियासत की फैलाई नफ़रत और हिंसा की बलि तो ज्यादातर वे मासूम चढ़ते हैं जो पर्याप्त सोच के अभाव में ऐसे नेताओं से प्रेरणा लेते हैं .

संपादकीय

हिंसा पर राजनीति खतरनाक है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जुमले आपदा में अवसर को पूरी गंभीरता के साथ भाजपा नेताओं ने चरितार्थ करना शुरु कर दिया है। अमेरिका में चुनाव प्रचार कर रहे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को भाजपा ने अपनी विचारधारा को बढ़ाने के अवसर के तौर पर देखा और राहुल गांधी पर नए सिरे से हमला बोलने की शुरुआत कर दी। न्यूज चैनलों की दुनिया में सबसे तेज होने का दावा करने वाले चैनल पर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने अमेरिका में डेमोक्रेट्स नेताओं की ओर से डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा और भारत में कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के लिए इस्तेमाल की गई भाषा के बीच समानताएं बताईं और एक गंभीर आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता और खासकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं।अमित मालवीय ने ऑन एयर यह भी कहा कि %इससे पहले कि कांग्रेस यह दावा करे कि उनके नेताओं की हत्या हुई, मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनकी हत्या उनके राजनीतिक फैसलों के कारण हुई।% हैरानी की बात यह है कि यह बात केवल उस कार्यक्रम तक सीमित नहीं रही, बल्कि जो एंकर इस कार्यक्रम को संचालित कर रहा था, उसने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर इस बयान को जस का तस पोस्ट करके बताया कि अमित मालवीय ने ऐसा कहा है।

इस बात के दो ही अर्थ हो सकते हैं, पहला तो यह कि हाथी की खिचड़ी खाकर मगन होने वाले इस तथाकथित एंकर-पत्रकार को भारत की लोकतांत्रिक विरासत और शहादत की शून्य समझ है, तभी उसने भाजपा नेता के बयान को कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित किया। दूसरा अर्थ यह है कि एंकर समेत पूरा चैनल भाजपा के कांग्रेस विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए औजार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। अब यह कांग्रेस के सोचने का विषय है कि वह अपने प्रवक्ताओं को इस चैनल पर बैठने की अनुमित दे या न दे, क्योंकि चैनल ने तो अपना पक्ष जाहिर कर ही दिया है। वैसे इस चैनल पर चुनाव के वक्त प्रियंका गांधी का साक्षात्कार भी प्रसारित हुआ था और इसकी मालिक के साथ उनकी तस्वीरें भी सामने आईं। प्रियंका गांधी के साक्षात्कार से चैनल को टीआरपी मिली होगी, लेकिन कांग्रेस को आखिर में क्या मिल रहा है, इस पर आत्ममंथन अगर कांग्रेस करे और यह समझे कि सियासी मकड़जाल में फंस चुके मीडिया में अपना बचाव वह किस तरह करे, तो शायद फिर भाजपा के एजेंडे का जवाब दिया जा सकता है।

बहरहाल, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अमित मालवीय की बर्खास्तगी की मांग प्रधानमंत्री से की है, वहीं कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा है कि क्या वह उनके विचार का समर्थन करते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, बीजेपी के इस बड़बोले नेता के अनुसार महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, सरदार बेअंत सिंह और छत्तीसगढ़ का पूरा कांग्रेस नेतृत्व राजनीतिक फैसलों के कारण हत्या के लायक था।% पवन खेड़ा ने भाजपा की मानसिकता पर भी सवाल उठाए।

कांग्रेस की इस निंदा पर भाजपा या प्रधानमंत्री मोदी कोई जवाब देते हैं या नहीं, यह पता चल ही जाएगा। लेकिन दस सालों में बन चुके नए भारत के इस सच को देखकर भविष्य के भारत की तस्वीर का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। राहुल गांधी ने भारत के ऐसे भविष्य की ओर ही आगाह करते हुए दो साल पहले केंब्रिज विवि में कहा था कि -पूरे देश में केरोसिन छिड़क दी गई है, केवल चिंगारी लगाने की देर है। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का जो नारा दिया था, उसके मायने कितने गहरे थे, ये बात आज और खुलासे के साथ समझी जा सकती है। राहुल गांधी की बात पर भाजपा नेताओं को तब भी आपत्ति थी और वे उन पर देशविरोधी बात कहने का आरोप लगाते थे। भाजपा नेता आज भी राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। जबकि राहुल गांधी बार-बार हर तरह की हिंसा के खिलाफ ही बात करते आए हैं। अभी कुछ वक्त पहले राहुल गांधी तीसरी बार मणिपुर गए थे और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से फिर से अपील की थी कि वे इस राज्य में शांति बहाली के लिए खुद आएं और हालात को समझें।

संविधान विरोधी छवि को बदलने की कवायद

यह विचित्र नहीं है कि इमरजेंसी में ज्यादतियां आदि सहने वालों तथा कुर्बानियां देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए संविधान हत्या दिवसमनाने का ख्याल मोदी निजाम को दो कार्यकाल पूरे होने के बाद ही आया है। वैसे, संघ-भाजपा के मामले में यह अचरज की बात हर्गिज नहीं है कि जिन चीजों को वे राजनीतिक रूप से भुनाना चाहते हैं, उन्हें लेकर उनकी पीड़ा सामान्य मानवीय प्रकृति से उल्टी ही चलती है।

इससे मुखर विडंबना दूसरी नहीं होगी। जिस दिन अखबारों की सुर्खियों में मोदी सरकार के इसके फैसले की खबर छपी कि, ब हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा, उसी दिन के अखबारों में एक और बड़ी सुर्खी दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित शराब घोटाले से जुड़े ईडी द्वारा बनाए गए धनशोधन मामले में, अंतरिम जमानत दिए जाने की थी। इसके साथ, उसी दिन के अखबारों में छपी एक और खबर को भी जोड़ लें जो बताती थी कि कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है, अरविंद केजरीवाल की ही न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई थी। सरल शब्दों में कहें तो बाद वाली दो खबरों का संयुक्त रूप से अर्थ यह था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तथाकथित शराब घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ साक्ष्यों को प्रथम दृष्टया नाकाफी करार देकर, उन्हें जमानत दे दिए जाने के बावजूद, मोदी सरकार ने इसका पुख्ता बंदोबस्त कर रखा था कि वह जेल से बाहर नहीं निकल पाएं। और नरेंद्र मोदी की ही तरह, अपने स्तर पर जनता द्वारा लगातार तीन बार चुने गए एक शीर्ष कार्यपालिका अधिकारी के साथ इस तरह का तानाशाहीपूर्ण सलूक करने वाली सरकार का ही फैसला है कि, अब हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा!वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी।

यह शायद ही कोई मानने को तैयार होगा कि 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी द्वारा देश में आंतरिक आपतकाल लगाए जाने की याद दिलाने के लिए %संविधान हत्या दिवस% मनाए जाने के इस फैसले के पीछे, वाकई मौजूदा सत्ताधारियों की संविधान और संवैधानिक जनतंत्र को बचाने की चिंता है, जिसका कि दावा इस संबंध में प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री समेत, सत्ताधारी कुनबे की ओर से किया जा रहा है। वास्तव में इसे संयोग हर्गिज नहीं माना जा सकता है कि पिछले ही दिनों हुए आम चुनाव में भाजपा और उसके नेतृत्ववाले एनडीए को जबर्दस्त धक्का लगने के बाद और जनता द्वारा भाजपा को पिछले दो चुनावों में मिले अकेले पूर्ण बहुमत से बहुत पीछे धकेल दिए जाने के बाद ही, अचानक भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को संविधान हत्या दिवस% मनाने के जरिए,

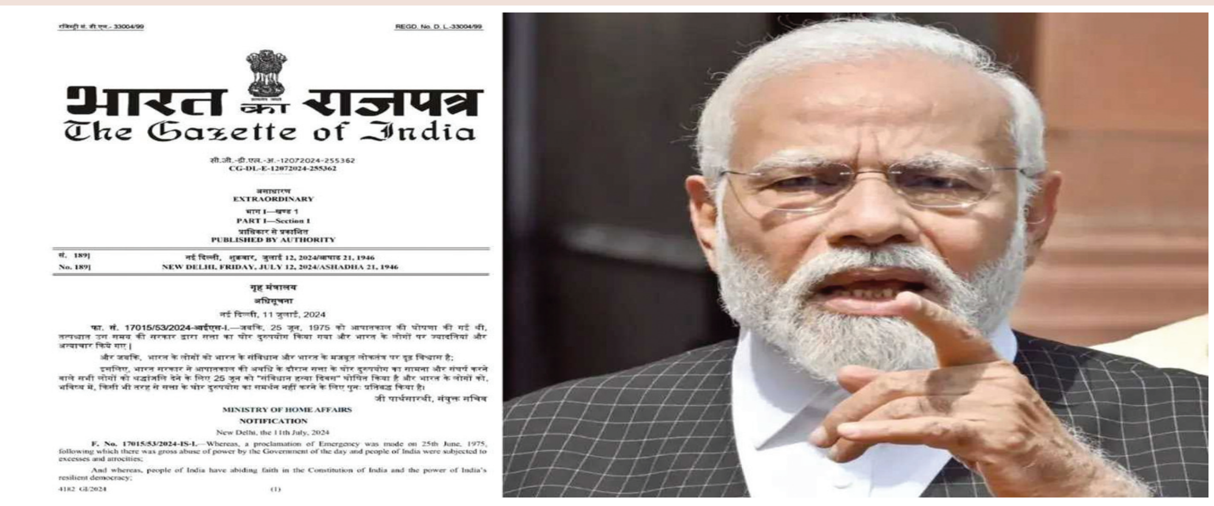

संविधान बचाने की चिंता सताने लगी है। यह सब कितना अचानक है, इसे सिर्फ दो तथ्यों से समझा जा सकता है। पहला, 25 जून को ंविधान हत्या दिवस मनाने की गजट अधिसूचना, 12 जुलाई को जारी की गई, यानी इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह के निकल जाने पूरे ढाई हफ्ते बाद। इमरजेंसी जो भी, जैसी भी थी, उसके चरित्र के संबंध में क्या इस दौरान कोई ऐसा नया रहस्योद्घाटन हुआ है या नये सच सामने आए हैं, जो ठीक इस मुकाम पर मोदी सरकार को इसका इलहाम हुआ है कि संविधान हत्या दिवस मनाना जरूरी है!वास्तव में, ऐसा भी नहीं है कि 25 जून को जब इमरजेंसी की ताजातरीन सालगिरह गुजरी थी, मोदी और उनकी सरकार को इमरजेंसी की याद ही नहीं रही हो। उल्टे खुद प्रधानमंत्री मोदी से शुरू कर, वर्तमान सत्ताधारियों ने अपने हिसाब से जी-भर कर इमरजेंसी पर हमले किए थे। वास्तव में इस सब के पीछे भ्रमित या सचेत रूप से भ्रम फैलाने की नीयत से फैलाई गई, यह गलतफहमी और थी कि इस 25 जून को इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे। इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी संविधान हत्या दिवस मनाने की बात नहीं सूझी। और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए!

दूसरी बात यह कि क्या यह विचित्र नहीं है कि इमरजेंसी में ज्यादतियां आदि सहने वालों तथा कुर्बानियां देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए संविधान हत्या दिवसमनाने का ख्याल मोदी निजाम को दो कार्यकाल पूरे होने के बाद ही आया है। वैसे, संघ-भाजपा के मामले में यह अचरज की बात हर्गिज नहीं है कि जिन चीजों को वे राजनीतिक रूप से भुनाना चाहते हैं, उन्हें लेकर उनकी पीड़ा सामान्य मानवीय प्रकृति से उल्टी ही चलती है यानी जहां सामान्यत- वक्त जैसे-जैसे गुजरता है, मानवीय पीड़ा घटती जाती है, उनकी गढ़ी हुई पीड़ा बढ़ती ही जाती है। इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि जहां दस साल पहले मोदी राज को इमरजेंसी की चुभन इतनी महसूस नहीं होती थी कि इसका रेचन करने के लिए अलग से एक राष्टीय दिवस मनाना शुरू किया जाता, दस साल गुजरने के बाद उसे ंविधान हत्या दिवस मनाना अत्यंत आवश्यक लग रहा है। याद रहे कि ऐसा ही विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस% मनाए जाने के फैसले के मामले में भी हुआ था। यह दिवस मनाने की जरूरत का एहसास भी मोदी सरकार को सात साल राज करने के बाद ही कहीं जाकर हुआ था।- ऐसा नहीं है कि इमरजेंसी की बुराइयों का पता मोदी राज को, शुरू से ही नहीं रहा हो। वास्तव में मोदी राज के दस साल में ऐसा कोई साल नहीं गुजरा होगा, जब मोदी राज ने और संघ-भाजपा ने 25 जून के गिर्द अपने इमरजेंसी विरोधी क्रेडेंशियल दिखाने की कोशिश नहीं की होगी। संघ-भाजपा के दुर्भाग्य से उन्हें बार-बार इसकी जरूरत इसलिए पड़ती है कि उनकी इमरजेंसी के विरोध की विरासत में ठीक उतनी ही और वैसी ही सच्चाई है, जैसी और जितनी सच्चाई, उनके वैचारिक पुरखों में अग्रणी, वीडी सावरकर की ब्रिटिश हुकूमत के विरोध की विरासत में है। यह कहानी सरकारी दमन का सामना होते ही, मैदान छोड़कर भाग खड़े होने और आत्मसमर्पण करने पर आमादा होने की ही ज्यादा है, जबकि अपने विश्वासों के लिए डटकर खड़े हो जाने की बहुत ही दुर्लभ मामलों में ही है।

हैरानी की बात नहीं है कि एक बार फिर संघ-भाजपा के इमरजेंसी के %स्मरण% के साथ, सोशल मीडिया में विभिन्न स्तरों के संघ-भाजपा (तब जनसंघ) नेताओं के माफीनामों की कहानियां वाइरल हो रही हैं। इनमें आरएसएस के तत्कालीन सरसंघचालक, देवरस की चिट्ठियां सबसे प्रमुख हैं, जो साफ तौर पर दिखाती हैं कि संघ और उसके राजनीतिक बाजू को इमरजेंसी से कोई खास सैद्धांतिक आपत्ति नहीं थी। उल्टे वे तो इमरजेंसी राज और उसके बदतरीन रूप, संजय गांधी के पांच सूत्री कार्यक्रम को अपना समर्थन तथा सहयोग देने के लिए भी तत्पर थे, बशर्ते आरएसएस पर लगी पाबंदी उठा ली जाती और उनके लोगों को जेल से छोड़ दिया जाता। जाहिर है कि इन माफीनामों/ चिट्ठियों की सच्चाई से तो संघ-भाजपा के पक्के पैरोकार भी इंकार नहीं कर सकते हैं; हां! इस मामले में भी सावरकर के माफीनामों वाले ही तर्क का सहारा लेकर वे इस सब को %आत्मरक्षा की चतुर कार्यनीति बताकर, इसका बचाव करने की अनैतिक सी कोशिश जरूर करते हैं! बहरहाल, इस सबसे इतना तो साफ हो ही जाता है कि संघ-भाजपा की इमरजेंसी की आलोचनाएं, उनके वाकई इमरजेंसी जैसी तानाशाही के खिलाफ होने की गवाही नहीं देती हैं।

इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि अनेक पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक प्रेक्षकों से यह छुपा नहीं रहा है कि %संविधान हत्या दिवस% मनाने के इस ऐलान का और ठीक इस समय पर इस ऐलान का, जबकि इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह निकल चुकी है और अगले साल की वही सालगिरह पूरे साढ़े ग्यारह महीने दूर है, इमरजेंसी राज की तानाशाही, ज्यादतियों आदि के विरोध से कुछ खास लेना-देना नहीं है। उल्टे उसका ज्यादा लेना-देना, खुद मोदी राज की ही इसकी आलोचनाओं से है कि वह बिना ऐलान किए, जनतंत्र को समेट कर, देश पर ज्यादा से ज्यादा तानाशाही थोप रहा है। पिछले ही दिनों हुए आम चुनावों में विपक्ष ने सत्ताधारी निजाम की अपनी आलोचनाओं के एक केंद्रीय मुद्दे के तौर पर इस सवाल को उठाया था। और चुनाव प्रचार के दौरान, जब भाजपा के कम से कम चार उम्मीदवारों केसंविधान बदलने के इरादे जताने और वास्तव में अब की बार चार सौ पारके नारे को इन इरादों के साथ जोड़ने के बाद, जब विपक्ष ने संघ-भाजपा के संविधान बदलने पर आमादा होने का मुद्दा उठाया और संविधान की हिफाजत करने का संकल्प जताया, तो जैसा कि अब सभी स्वीकार करते हैं,

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती है। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विंध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विंध्याचल पर्वत श्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी है।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (वैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं है, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग है तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरु से ईर्ष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप:स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथो एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिंदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल है, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए है। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर है। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद है। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

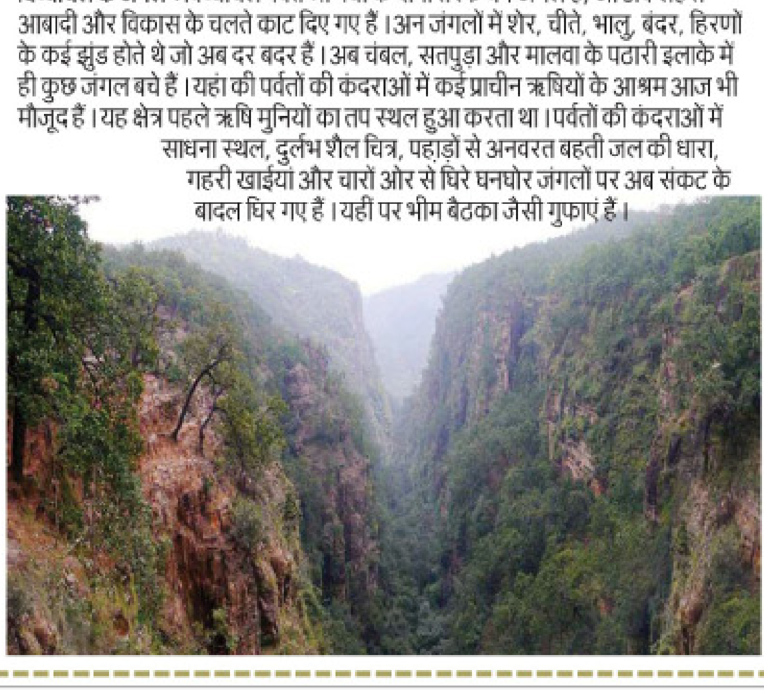

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलिंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते है, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खत्म हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहां तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मेन्यू के छोटे अक्षरों को नहीं पड़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर उन लोगों को सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद की या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।

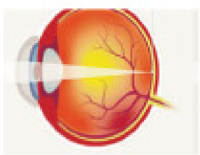

प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतर तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

चश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंट्राऑक्यूलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएं इसके लिए पाठ्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।

- डॉ शारदिनी व्यास

लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, तो आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्पलीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड

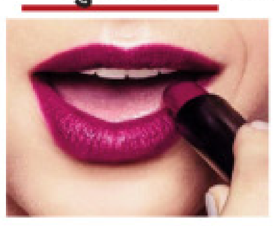

रेड

रेड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टाइलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

न्यूड

न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

पिंक

मीडियम स्किन टोन पर पिंक लिपस्टिक जचती है। यह आपके लुक को एक रोमांटिक टच देता है। पिंक में भी कई तरह के शेड्स अवेलेबल हैं जिनमें से आप अपनी पसंद की लिपस्टिक चुन सकती हैं।

लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

मैट आपको ड्रैमेटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउट वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फ्लॉ से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।

लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे।

आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

चना साग

सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।

मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

ग्रेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेंगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली 5015

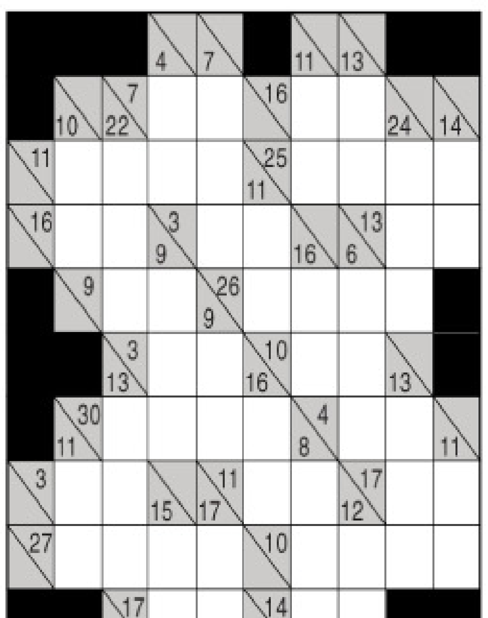

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

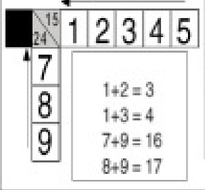

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5014 का हल

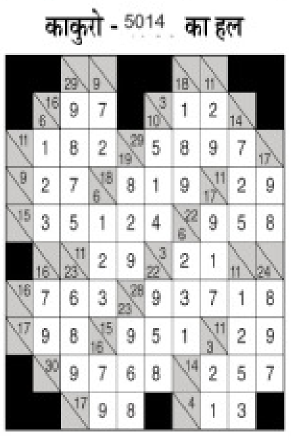

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5015

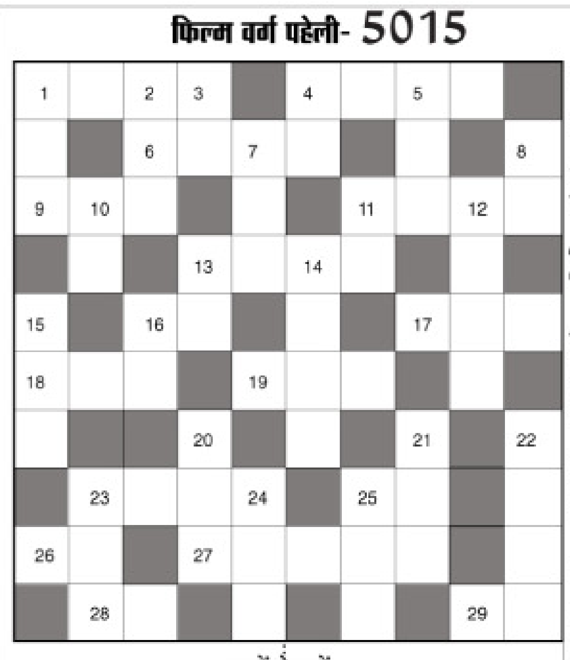

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भाव्र, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5014

सूडोकु 5015

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5014 हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 5015

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली - 5014 हल

उत्तराखंड में कार के खाई में गिरने से दो महिलाओं की मौत

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में गुरुवार को एक कार के खाई में गिर जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि चालक सहित चार लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि आज सुबह 6:28 बजे सूचना मिली कि डुगरी मोटरमार्ग पर एक वाहन दुर्घनाग्रस्त हो गया है। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने पाया कि एक कार सड़क से करीब 200 मीटर नीचे खायी में जा गिरी। उन्होंने बताया कि सभी लोग ग्राम डुगरी, तहसील एवं जिला रुद्रप्रयाग के एक ही परिवार के लोग हैं। श्री रजवार ने बताया कि घटना में जितपाल (50), बुदि लाल (70), पूजा (27) को साधारण जबकि देवेश्वरी देवी (45) को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे में बुद्धि पाल की पत्नी कलपेश्वरी (58) और जितपाल की पुत्री आरती (24) की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। जिनके शवों को स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

शाहजहांपुर में एक लाख का इनामी हिस्ट्रीशीटर मुठभेड़ में ढेर

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के तिलहर क्षेत्र में एसटीएफ ने एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना ने गुरुवार को बताया कि मुठभेड़ में मारे गये बदमाश शहनूर उर्फ शानू पर हत्या लूट और डकैती के दर्जनों मुकदमें दर्ज हैं। एसटीएफ की बरेली यूनिट की टीम को इनपुट मिला था कि संभल जिले के मैनाठेर इलाके का रहने वाला शातिर बदमाश शानू शाहजहांपुर जिले में मौजूद है। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने उसकी बाइक का पीछा करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि थाना तिलहर के पिथनापुर गांव के पास बदमाश ने पिस्टल से एसटीएफ की टीम पर फायर करना शुरू कर दिया। इसके बाद जवाबी फायरिंग में बदमाश को सीने में दो गोलियां लगी। एसटीएफ की टीम घायल बदमाश को गोली लगने के बाद उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मीना ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए बदमाश शहनूर उर्फ शानू पर संभल जिले में अलग-अलग थानों में लूट हत्या और डकैती के 32 मुकदमे दर्ज है। जिले में मारे गए बदमाश का आतंक था।

तीन किशोर दोस्तों की तालाब में डूबने से मौत

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में एक तालाब में डूबने से तीन किशोरों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जौरा अनुभाग के बलालपुर में अपने रिश्तेदारों के यहां रहकर पढ़ाई कर रहे तीन दोस्तों में से आशिक कुशवाह (14) सौरव (12) और मोहित (12) कल देर शाम तालाब में नहाने के लिए गए थे। इस बीच वे नहाते नहाते गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार तीनों किशोरों के डूबने की खबर परिजनों को तब लगी जब गांव का ही एक युवक तालाब के पास नित्य क्रिया के लिए गया हुआ था। उन तीनों किशोरों के कपड़े तालाब किनारे पड़े हुए थे। उसी ने परिजनों को यह दुखद खबर दी। पुलिस ने तीनों के शव अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

केरल में बचाव कार्यों में हर संभव मदद करें नेता व कार्यकर्ता : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से केरल में बारिश व बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए चल रहे राहत व बचाव कार्य में मदद करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की है। राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट पर किया, ''केरल में अत्यधिक बारिश अत्यधिक चिंताजनक है- मेरी उन लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं राज्य के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव कार्यों में हर संभव मदद करने का आग्रह करता हूं।'' उल्लेखनीय है कि रायबरेली के सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का केरल से काफी जुड़ाव है और वे केरल के वायनाड से सांसद भी रहे हैं।

यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग पर ढाबे के बाद प्रशासन ने डीजे पर भी की सख्ती

एजेंसी

लखनऊ। कांवड़ यात्रा की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यात्रा शुरू होने से पहले पुलिस ने कांवड़ रूट पर पड़ने वाले सभी दुकानदारों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले सभी दुकानदारों को अपनी दुकानों पर मालिक और यहां काम करने वाले लोगों का नाम लिखना अनिवार्य है।

इसका कई जगहों पर असर भी दिखना शुरू हो गया है। इसके अलावा यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाले डीजे की हाइट भी तय कर दी गई है। मुजफ्फरनगर में यात्रा मार्ग पर खाने-पीने का सामान बेचने वाले ठेले पर प्रशासन ने दुकानदारों के नाम टंगवा दिए हैं। लेकिन, अमरोहा में कई ऐसे ढाबे हैं जो हिंदुओं के नाम पर मुस्लिम समुदाय के लोग चला रहे हैं। हाईवे किनारे मुस्लिम समाज के

लोग हिंदुओं के नाम पर ढाबा चला रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदुओं के नाम पर अपने ढाबे के नाम रखने के अलावा ढाबे में हिंदुओं के भगवान की मूर्तियां भी लगा रखी है। ढाबे के बाहर लगे बोर्डों पर 'ओम' भी लिखा हुआ है। हालांकि, इन ढाबों के मालिक मुसलमान हैं जो हिंदू बनकर ढाबा चला रहे हैं। ये सभी ढाबे अमरोहा में एनएच-9 के किनारे स्थित है।

हिंदुओं का ढाबा समझकर यहां खाना खाने के लिए बड़ी संख्या में यात्री हर रोज रुकते हैं। प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी अनजान बना हुआ है। ढाबों के ऊपर ढाबा मालिकों के न तो नाम लिखे हैं और न ही उनके समुदाय से जुड़ा कोई शब्द। साथ ही कांवड यात्रा में इस्तेमाल होने वाले डीजे की हाइट भी प्रशासन ने तय कर दी है।

मेरठ डीएम दीपक मीणा ने बताया कि कांवड़ियों के लिए जरूरी चीजों का इंतजाम कर लिया गया है, जिसमें पेयजल का खास ध्यान रखा गया है। कावड़ियों के लिए लगाए जाने वाले शिविर का भी सत्यापन किया जा रहा है। इसके अलावा ऊंची हाइट वाले डीजे को इस बार सड़कों पर नहीं उतरने दिया जाएगा।

पूर्वी चंपारण में टॉयलेट टैंक की जहरीली गैस से चार लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के ढाका में नव निर्मित टॉयलेट टैंक का सेंट्रिंग खोलने के दौरान टैंक

से निकली जहरीली गैस से चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद पीड़ितों को लेकर जब वे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे तो वहां समुचित इलाज नहीं होने के कारण चार लोगों की मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर तोड़ फोड़ की और शव रखकर हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक यह घटना ढाका नगर परिषद छेत्र के लहन ढाका की है। यहां रामचंद्र ठाकुर के घर में टॉयलेट का टैंक बना था, जिसके अंदर का सेंट्रिंग मजदूर खोल रहे थे। उसी दौरान टैंक की जहरीली गैस से मजदूर बेहोश हो गए। उपचार के लिए उन्हें ढाका अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में योगेंद्र यादव ,अब्दुल बकर , हुसैन अंसारी और वसी अहमद हैं। इसके साथ ही तीन लोग बीमार हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह, न्यायमूर्ति आर महादेवन ने ली उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत परिसर में आयोजित एक समारोह में दोनों न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों, अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

शीर्ष अदालत में न्यायाधीश बनने से पहले न्यायमूर्ति कोटिश्वर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति महादेवन मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे।

मूल रूप से मणिपुर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति सिंह अपने राज्य के पहले न्यायाधीश हैं जिन्हें उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। न्यायमूर्ति महादेवन मूलतः तमिलनाडु उच्च न्यायालय से आते हैं। दोनों न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण

के साथ ही शीर्ष अदालत के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस के 10 अप्रैल 2024 और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना के 19 मई 2024 को सेवानिवृत्त होने के कारण शीर्ष अदालत में दो न्यायधीश के पद तब से रिक्त थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की सलाह पर दोनों न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। राष्ट्रपति की अनुमति के बाद केंद्र सरकार ने 16 जुलाई को एक अधिसूचना जारी कर दोनों न्यायाधीशों को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की थी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने 11 जुलाई 2024 को दोनों न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की सिफारिश की थी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकी ढेर

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास गुरुवार को सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी और दो आतंकवादियों को मार गिराया।अधिकारियों ने कहा कि उनके शव अभी बरामद नहीं किए जा सके हैं। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ कर रहे कुछ आतंकवादियों को ललकारा।

अधिकारियों ने कहा कि 6 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों को नियंत्रण रेखा पर आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। अधिकारियों ने कहा, घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने चुनौती दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है, हालांकि उनके शव अभी बरामद नहीं किए जा सके हैं। इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान अभी भी चल रहा है। उधर डोडा जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एक दूसरी मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए।

मुठभेड़ जिले के कास्तीगढ़ इलाके में चल रही थी।

इससे पहले 14 जुलाई को कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी हथियारों से लैस तीन आतंकवादी मारे गए थे, जब सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। बता दें कि 16 जुलाई को डोडा जिले के ही भाटा देसा इलाके में आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था, जिसमें चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी समेत पांच सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस ने लाठीचार्ज कर लिया हिरासत में

एजेंसी

जयपुर। गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रों और पुलिस में छड़प हो गई। यहां आरयू में एनएसयूआई और एबीवीपी के छात्र कई दिनों से छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। शुक्रवार को अचानक छात्र उग्र हो गए। उग्र छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे कई छात्र घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिरासत में लेकर बस में बिठा लिया।

बता दें कि प्रदेशभर के छात्र छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। जयपुर में गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में एनएसयूआई और एबीवीपी के छात्र झण्डे और बैनर लेकर नारेबाजी करने लगे। छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए यहां पहले से ही पुलिस तैनात थी।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रशासनिक भवन जाने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस ने उनको रोकना चाहा तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस रोकने का प्रयास कर रही थी तो वहीं छात्र नारेबाजी करते हुए धक्का मुक्की करने लगे। स्थिति बेकाबू होने पर पुलिस ने लाठाचार्ज करना शुरू कर दिया। इस लाठीचार्ज में कई छात्र घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को जबरन पुलिस की बस में बिठाया और हिरासत में ले लिया।

घटना के बाद छात्रों ने कहा कि ये लोकतंत्र पर हमला है। छात्रसंघ चुनाव की मांग पिछले कई साल से चल रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन कई साल से छात्रसंघ चुनाव कराने में विफल रहा है। छात्रों ने मांग की है कि जल्द ही चुनाव की तारीख की घोषणा की जाए। वहीं प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए और लाठीचार्ज में घायल हुए छात्रों का उचित इलाज कराया जाए।

अयोध्या नगर निगम के अधिकारियों पर करोड़ों रुपये के भुगतान का आरोप

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अयोध्या नगर निगम के अधिकारियों पर बिना टेंडर ही एबी इंटरप्राइजेज कम्पनी को करोड़ों का भुगतान करने का आरोप लगाया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मीडिया को बताया कि अयोध्या नगर निगम द्वारा बिना टेंडर आउटसोर्सिंग के गुजरात से जुड़ी एक कम्पनी को पिछले तीन सालों से करोड़ों का अवैध भुगतान किया जा रहा है।

कम्पनी का नाम एबी इंटरप्राइजेज है और कागजों में इसका पता मेहसाणा गुजरात है। पिछले तीन सालों से बिना टेंडर के इस कम्पनी को हजारों कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के लिए लगातार भुगतान किया जा रहा है। अजय राय ने बताया कि वर्ष 2020-2021 में पहली और अंतिम बार टेंडर हुआ था, तब से कोई टेंडर न देकर कम्पनी को विस्तार पर विस्तार देकर धन डकारा जा रहा है। यूपी सरकार का शासनादेश है कि एक वर्ष से अधिक किसी भी स्थिति में बिना टेंडर के कोई भी भुगतान हो ही नहीं सकता। लेकिन, अयोध्या नगर निगम में बड़ा गोलमाल आज भी जारी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रभु राम की नगरी में यह धोखाधड़ी का खेल कब तक चलेगा। लोकसभा चुनाव में अपनी करनी का परिणाम भुगतने के बाद भी भाजपा वालों को सद्बुद्धि नहीं आ रही है। खैर, जल्दी ही जनता इन लोगों का प्रदेश से सुपड़ा साफ करने की तैयारी में है।

महाराष्ट्र सरकार के 'लाडला भाई' योजना पर बरसे संजय राउत, छगन भुजबल को बताया 'कलाकार'

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने लाडला भाई (लाडला भाऊ) योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत सरकार 12वीं पास लड़कों को आर्थिक मदद देगी।सरकार की इस योजना पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर अपनी भड़ास निकाली है।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पर 8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कोई छोटी रकम नहीं है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद सरकार की ओर से 'लाडला भाऊ' योजना लाई जा रही है। 'लाडली बहना' योजना मध्य प्रदेश की योजना है, जिसे महाराष्ट्र सरकार ने कॉपी किया है।उन्होंने कहा कि अब 'लाडला भाई' योजना के तहत 12वीं पास लड़कों को 6 हजार और बेरोजगारों को दस हजार रुपये दिए जाएंगे और लाडली बहना को सिर्फ 1500 रुपये। हमारी मांग है कि

लाडली बहना योजना के तहत बहनों को भी दस हजार रुपया दिए जाएं, तभी उनका घर चलेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति के लोग कह रहे थे कि विपक्ष दस सीट भी नहीं जीतेगा। लेकिन, हमने 31 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा चार सीटों पर बहुत कम मार्जिन से हमारी हार हुई है। विधानसभा चुनाव में भी महाविकास अघाड़ी 280 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। छगन भुजबल को बहुत बड़ा कलाकार बताते हुए संजय राउत ने कहा कि उन्होंने फिल्मों में भी काम किया है। अपना रंग रूप बदलकर नाट्य निर्माण करने में छगन भुजबल माहिर हैं। शरद पवार सबसे बड़े नाट्य सम्राट हैं, देश में और महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी प्रतिष्ठा है। देखते रहिए आगे क्या होता है।

बता दें कि लाडला भाई (लाडला भाऊ) योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार ने 12वीं पास लड़कों को 6 हजार रुपये तो वहीं, बेरोजगार लड़कों को 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष बोले- अनर्गल राजनैतिक बयान देना एक सन्यासी के लिए शोभा नहीं देता

एजेंसी

देहरादून। केदारनाथ धाम को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के सनसनीखेज बयान पर शांभवी पीठाधीश्वर और शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा कि उनका बयान कितना तथ्यपूर्ण है और कितना सत्यता है, यह मैं नहीं कह सकता। अविमुक्तेश्वरानंद महाराज राखी सावंत की तरह हर सप्ताह कोई न कोई सनसनी फैला देते हैं। पिछली बार आरोप लगाया गया कि सोने की जगह पीतल लगा दिया गया। अब आरोप लगाया जा रहा है कि 228 किलो सोना गायब हो गया। इस प्रकार रोज-रोज अनर्गल राजनैतिक बयान देना एक सन्यासी के लिए शोभा नहीं देता है। उन्होंने कहा कि अभी शंकराचार्य का विवाद समाप्त नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट में अभी मामला चल रहा है। उस पद पर स्टे है, फिर भी शंकराचार्य का दुरुपयोग करके इस प्रकार का बयान देना निंदनीय और असहनीय है।

उन्होंने उत्तराखंड सरकार से मांग की कि अविमुक्तेश्वरानंद महाराज पर जांच बैठाई जाए आखिर ये हर रोज प्रकार का बयान क्यों दे रहे हैं, अनर्गल प्रलाप क्यों कर रहे हैं।

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग सिर्फ उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में है

दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनने की विवाद पर उन्होंने कहा कि काशी में उनके श्रीविद्या मठ के ठीक बगल में केदारनाथ मंदिर है और जब केदारनाथ मंदिर दिल्ली में बन रहा है तो उसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ मंदिर पूरे देश में बन सकती है, उस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा सकता। केदारनाथ ज्योतिर्लिंग एक ही है, वह है उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में।

पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने कहा कि बदरीनाथ-केदारनाथ समिति एक जिम्मेदार समिति है, जो चारधाम यात्रा का विधिवत संचालन करती है। किसी कारण से किसी प्रकार की गड़बड़ी होती है तो उसके लिए अधिकृत संस्थाएं होती हैं, जहां पर शिकायत की जा सकती है। जांच-पड़ताल के लिए संवैधानिक तौर-तरीके हैं। उनके दरवाजा हमेशा खुले रहेंगे। किसी श्रद्धालु या किसी संत को आपत्ति या शक है तो मीडिया में शोर मचाने के बजाय संवैधानिक प्रक्रिया अख्तियार करना चाहिए। इस संबंध में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय का बयान भी मैंने सुना है। उन्होंने सारे तथ्य रखे हैं और आरोप लगाने वाले को चुनौती दी है कि यदि उनके पास कोई आधार है या तथ्य है तो वह अदालत में जाएं, जनहित याचिका लगाएं, जांच कराएं। बेवजह बात का बतंगड़ न बनाएं। उत्तराखंड के चारधाम प्रमुख तीर्थस्थल है। 12 ज्योतिर्लिंग में सबसे ऊंचाई पर विराजमान केदार खंड में भगवान शिव केदारनाथ विराजमान हैं। वहां करोड़ों-करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था है। उनको पूजने वाले दुनिया के कोने-कोने में निवास करते हैं। वहां की एक आवाज, एक शब्द और एक चर्चा सुनकर लोग अपने आप को धन्य करते हैं। ऐसे महान पवित्रतम स्थल के लिए सिर्फ बातें और अफवाह उड़ा करके धर्म स्थल के बारे में इस तरह की बातें फैलाना अनुचित है।

तीन जोड़ी ट्रेनों में बढ़े अतिरिक्त कोच

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन जोड़ी गाड़ियों के कोच कम्पोजिशन में स्थायी रूप से परिवर्तन कर रहा है। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी। वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय के अनुसार गाड़ी संख्या 12176-75 ग्वालियर हावड़ा चंबल एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन चलने वाली गाड़ी में ग्वालियर से 20 जुलाई और हावड़ा से 21 जुलाई से 20 कोचों के स्थान पर 22 कोच संचालित होंगे। इसमें एक साधारण श्रेणी और एक शयनयान श्रेणी का कोच लगेगा। इसी क्रम में गाड़ी 11107-08 बुंदेलखंड एक्सप्रेस प्रतिदिन चलने वाली गाड़ी में ग्वालियर से 20 जुलाई और बनारस से 21 जुलाई से 20 कोचों के स्थान पर 22 कोच संचालित होंगे।

सीईएससी के सामने 22 जुलाई को प्रदर्शन करेगी भाजपा, अनुमति के लिए पहुंची हाई कोर्ट

एजेंसी

कोलकाता। महानगर कोलकाता के दिल कहे जाने वाले धर्मतल्ला इलाके में स्थित सीईएससी ऑफिस के सामने 22 जुलाई को विरोध प्रदर्शन की पुलिस से अनुमति न मिलने पर पार्टी ने गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। पार्टी ने निजी बिजली उत्पादन और वितरण कंपनी, सीईएससी लिमिटेड के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी है। जस्टिस राजर्षि भारद्वाज की एकल न्यायाधीश पीठ ने याचिका को स्वीकार कर लिया है और इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी। भाजपा के राज्य नेता तमोघ्नो घोष ने अपनी याचिका में कहा है कि हाल ही में इस कंपनी ने टैरिफ में अत्यधिक वृद्धि की है, जिसके कारण यह प्रदर्शन जनहित में है। कंपनी का कोलकाता में बिजली वितरण में एकाधिकार है, लेकिन पुलिस इस प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर रही है। भाजपा की योजना के अनुसार, 22 जुलाई को भाजपा समर्थक विभिन्न हिस्सों से जुलूस निकालकर निजी बिजली कंपनी के कार्यालय के सामने इकट्ठा होंगे। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने 14 जुलाई को राज्य में चुनाव बाद की हिंसा के खिलाफ राजभवन के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए इस विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसके बाद राज्य भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि तुरंत ही कोलकाता पुलिस से प्रदर्शन की अनुमति मांगी गई थी। हालांकि, राज्य भाजपा नेताओं का आरोप है कि शहर की पुलिस आवेदन पर अनुमति देने में देरी कर रही है। भाजपा का प्रस्तावित प्रदर्शन कार्यक्रम तृणमूल कांग्रेस के वार्षिक शहीद दिवस कार्यक्रम के ठीक एक दिन बाद है। तृणमूल कांग्रेस 21 जुलाई को कोलकाता में 13 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शहीद दिवस मनाती है। ये लोग 21 जुलाई 1993 को पश्चिम बंगाल युवा कांग्रेस द्वारा ममता बनर्जी के नेतृत्व में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान मारे गए थे। भाजपा भी उसी दिन लोकतंत्र हत्या दिवस मनाएगी और राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों के सामने विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी।

अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड रेलवे ट्रैक को रेल मंत्रालय ने दी मंजूरी

एजेंसी

कानपुर। कानपुर शहर के समृद्ध विकास को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश अवस्थी ने पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि कानपुर शहर की सबसे बड़ी समस्या जाम है। इसमें अनवरगंज से लेकर मंधना तक का रेलवे ट्रैक भी अहम है, क्योंकि हर कुछ देर में गाड़ियों के आने से क्रासिंगों को बंद करना पड़ता है और जाम लग जाता है। इसको देखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से वार्ता की गई है और अनवरगंज से लेकर मंधना तक एलिवेटेड रेलवे ट्रैक को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। सांसद ने बताया कि एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनने के बाद लगभग 50 लाख से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिलेगा और तीन वर्ष में यह प्रोजेक्ट बनाकर तैयार हो जाएगा। 17 रेलवे क्रॉसिंग इस ट्रैक पर है जिनको अब बंद कर दिया जाएगा और लोगों को जाम से निजात मिलेगी। साथ ही व्यापारियों ने भी बड़ी राहत की सांस ली है, क्योंकि जाम की वजह से व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित था। पिछले कई वर्षों से यह मांग की जा रही थी कि यहां पर एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाए। इसके अलावा कानपुर में धार्मिक स्थान का सुंदरीकरण और सीवर समस्या व शहर में जल भराव की समस्या, सड़कों को चौड़ीकरण सहित सभी को लेकर संबंधित मंत्रालय से उनकी बात हुई है। जल्द कानपुर का समृद्ध विकास देखने को मिलेगा।

इन टिप्स को अपनाकर करें, रसोई में समस्याओं को दूर

अक्सर देखा जाता है कि गृहणियों के लिए रसोई में होने वाली छोटी समस्याएं उनका सर दर्द बन जाती हैं। इसलिए आज हम आपको रसोई में आने वाली छोटी छोटी समस्याओ को दूर करने के लिए कुछ आसान से टिप्स बताएगें। तो आइए जानते है इन टिप्सो के बारे में...

- अगर आपकी फ्रिज में पकी हुई सब्जियां यां गुंधा आटा पड़ा है तो उतना ही निकालें जितना जरूरत है क्योंकि बार-बार मिकालने से सामग्री जल्दी खराब हो जाती है7

- नमक को नमकदानी में डालते समय उसमें 3-4 चावल के दाने डाल दें। ऐसा करने से नमक को सील से बचाया जा सकता है।
- खाद् सामग्रियां फ्रिज में रखने से पहले ढक दें।
- फ्रिज में से बर्फ की ट्रे रखने से पहले नीचे ग्लिसरीन मल दें ताकि ट्रे को आसानी से निकाला जा सके।
- कभी भी दूध को ज्यादा उबालें न दें क्योंकि ज्यादा उबाले देने से से दूध में पोष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।
- खाने को स्वाद बनाने के लिए दूध से आटा गूंध कर परांठे या रोटियां बनाएं। ऐसे रोटियां नरम बनती हैं और खाने में भी स्वादिष्ट होती है।
- आगर आपने आटा गूंध कर फ्रिज में रखा है तो रोटियां बनाने से 10 मिनट पहले निकाल कर रखें ताकि आटा नरम हो जाए और आप आराम से रोटियां बना सकें।
- अगर प्याज काटते समय आपकी आंखों में से पानी आता है तो पहले चाकू कि नोक पर एक कच्चा आलू छिल कर लगा लें। ऐसा करने से आंखों में आंसू नही आएगें।
- अगर आप के घर में पड़े बिस्कूट में नमी आने के कारण इसका कुरकुरापन खतम हो जाता है तो पहले कंटेनर में एक चम्मच चीनी डाल दें और उसके ऊपर बिस्कुट रखें ताकि लंबे समय तक बिस्कुट कुरकुरे रहें।
- अगर रसोई में पड़े चाकू पर जंग लग जाए तो ऐसे में चाकू को 10-15 मिनट के लिए प्याज के रस में भिगों कर कर दें। बाद में इसे निकाल कर साफ पानी से धो लें।
- हर किसी के घर में बहुत से फालतू के पॉलीथिन होते है। अगर आप इन पॉलीथिन को फ्रिज में बिछा कर बर्फ कि ट्रे रखेगे तो आपको ट्रे निकलते समय परेशानी नही होगी।
- अगर किसी चीज को काटते समय आपके हाथों में दाग लग जाएं तो आलू काटकर हाथों पर रगड़ने से धब्बे दूर हो जाते है।
- चावलों में महकदार व खिला खिला बनाने के लिए उसमें कुछ बूंदे निम्बू का रस निचोड़ दें।
- अगर आप चाहते हैं कि रोटी बनाते समय बेलन पर आटा न लगे तो बेलन को फ्रिज में ठंडा करके रोटी बेले।
- बादाम को कीड़ा लगने से बचाने के लिए बादाम काजू के डिब्बों में 2-3 लौंग डालकर रखें।

वास्तु फेंगशुई टिप्स

प्यार और समृद्धि बढ़ाने के लिए बेडरूम को दें ऐसा रूप

1 युगल जोड़ो को विशेषत- डबल गद्दे का उपयोग करना चाहिए सिंगल या दो अलग-अलग गद्दे का प्रयोग करने से बचें इससे रिश्तों में संमाजस्य बढ़ता है। 2 यह उचित रहेगा की हर 6 महीने में बैड की चादरे और सिरहाने के कवर का उचयोग बंद कर उन्हें बदल देना चाहिए क्योंकि सोने वक्त हम में से निकली हुई सब नकारात्मकताओं को ये सोख लेते हैं। 3 बेडरूम में तेज अथवा बहुत भड़िले रंग करवाने से बचें। सुखदायक रंगों को चुनें जैसे हल्का गुलाबी, हल्का हरा, हल्का नीला, लवैंडर इत्यादि। सफेद रंग हमेशा ही सुखदायक शांतिदायक और बेडरूम के माहौल में स्थिरता प्रदान करता है।

4 बेडरूम की पूर्व उत्तर दिशा खाली होनी चाहिए किसी भी भारी फर्निचर या खाली सामान से भरी हुई न हो और हमेशा यकीनी बनाएं की यह दिशा हमेशा अव्यवस्थिता से मुक्त हो।

5 उन चित्रों या तस्वीरों का उपयोग करें जिन्हें देखकर हमेशा आपके चेहरे पर मुस्कान आए। दिवार पर जानवरों, आग के दृश्यों, युद्ध के दृश्यों, रिक्त अथवा व्यर्थ स्थानों की तस्वीरें लगाने से बचें क्योंकि इससे कमरे में नकारात्मकता आती है। 6 बेडरूम में देवी-देवताओं के चित्र प्रदर्शित न करें इसका कारण यह है की बेडरूम एक निजी जगह है जहां बस सोते हैं, खाते है, पीते हैं और जीवन के विभिन्न सुखों का आनंद लेते हैं तो भगवान के सामने इस तरह की गतिविधियों में शामिल होना अनुचित माना जाता है।

7 बहुत अधिक इलैक्ट्रनिक उपकरणों का होना वास्तु और फेंगशुई के सिद्धातों का उल्लघन है और काफी हद तक मन की शांति बाधित करते हैं। आधुनिक घरों जहां बेडरूम में एक टीवी का न होना असंभव है, जब टीवी का उपयोग नहीं हो रहा हो तो पूर्णत- उसका स्विच बंद कर दें और उसके नजदिक एक ताजे फूलों का गुलदस्ता रखें और यह यकीनी बनाएं की सुखने पर फूलों को बदलते रहे।

8 बेडरूम में नकदी के लाकर को स्थापित करने से बचें। अगर कोई ओर विकल्प नहीं हो तो एक तिजोरी दक्षिण पश्चिम दिशा में रखें। जिससे उसका मुख उत्तर या पूर्व की ओर खुले। 9 पानी एक अस्थिर और साथ ही एक स्वतंत्र रूप से बहता तत्व है इसलिए इसकी बेडरूम में कोई जगह नहीं है। बेडरूम में बहते पानी की तस्वीरें, एक्वैरियम और किसी भी प्रकार के फुव्वारे को रखने से बचें क्योंकि इससे रिश्तों में अस्थिरता और घर में अनियंत्रित व्यय होता है। पीने के लिए पानी की जरूरत है तो रात को बैड की साईड पर पानी से ढका जग या बोतल रख सकते हैं।

इस तरह के मिनिएचर गार्डन से सजाएं अपना आशियाना

मिनिएचर गार्डन बनाना कोई मुश्किल काम नहीं है। सबसे पहले तो इस बात का फैसला करें कि आप गार्डन किस आकार में चाहते हैं। मीडियम आकार के गार्डन के लिए छोटा लावर पॉट बैस्ट रहेगा नहीं तो बड़े गोल या चौरस अपनी मनपसंद के पॉट्स का इस्तेमाल करें। इनमें पहले मिट्टी और खाद आदि डालें। इसके बाद इनमें ऐसे पौधे, घास और फूल लगाएं जिनकी ग्रोथ धीमी गति से हो। ऐसे बहुत सारे प्लांट हैं जो पूरे साल में सिर्फ 15 सै.मी. ही बढ़ पाते हैं। डैकोरेशन के लिए उसमें घर का मॉडल, छोटी-छोटी क्यारियां,गार्डन में रखे जाने वाले फर्नीचर टॉयज या छोटे- बड़े पत्थरों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप घर पर वेस्ट पड़े या टूट चुके पॉट्स को मिनिएचर गार्डन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। बस इस बात को ध्यान में रखें कि जिस लावर पॉट में आप मिनिएचर गार्डन बना रहे हैं उसमें हवा, धूप और पानी को झेलने की क्षमता हो नहीं तो यह जल्दी ही टूट जाएगा। अगर आप असली पौधों और क्यारियों को नहीं सजा सकते हैं तो आर्टिफिशयल प्लांट, छोटे-छोटे डैकोरेटिव स्टोन और टॉयज से मिनिएचर गार्डन को बनाएं और डैकोरेशन के लिए इस्तेमाल करें।

हो या छोटा, घर में हरा-भरा गार्डन हर किसी को चाहिए। इसके दो फायदे हैं- एक तो बागवानी के शौकीनों का मन लगा रहता है, दूसरा घर में हरियाली, शांति और ताजगी का माहौल बना रहता है। लेकिन महंगाई के इस जमाने में बड़ा घर खरीदना कोई आसान काम नहीं है। शहरों में तो जगहें और भी महंगी हैं। ऐसे में लोग अपार्टमैंट या छोटे घरों को ही खरीद पाते हैं, जिससे होम गार्डन का उनका सपना अधूरा ही रह जाता है। अगर आप भी बगीचे में बागवानी करने का शौक रखते हैं तो टैरेस गार्डन अच्छा विकल्प हो सकता है लेकिन अगर पैसे और जगह दोनों की कमी है तो मिनिएचर गार्डन बनाना बैस्ट ऑप्शनों में से एक है। मिनिएचर गार्डन को लघु गार्डन कहा जाता है, जिसमें छोटे फल-फूल, क्यारियां यानी गार्डन की हर तरह की एक्सैसरीज शामिल होती है। इसे आप घर के छोटे से मॉडल के तौर पर भी डैकोरेट कर सकते हैं। अगर आप सिर्फ डैकोरेशन के तौर पर मिनिएचर गार्डन को किसी कोने में सजाना चाहते हैं तो आप बाजार से बना बनाया मॉडल खरीद सकते हैं और अगर अपने बागवानी के शौक को पूरा करने चाहते हैं तो खुद अपने हाथों से इस छोटे से गार्डन को सजाएं।

राज्य स्तरीय ट्रैप शूटिंग में 66 वर्षीय सलीम ने जीता रजत पदक

एजेंसी

मुरादाबाद। महानगर के थाना नागफनी क्षेत्र में डिप्टी गंज निवासी 66 वर्षीय निशानेबाज सलीम खान ने राज्य स्तरीय ट्रैप शूटिंग में रजत पदक जीता है। यह प्रतियोगिता दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 12 और 13 जुलाई को आयोजित हुई। उन्होंने 25 में से 17 राउंड ट्रैप पर सटीक निशाना लगाया। मुरादाबाद लौटे सलीम खान ने बताया कि वह पिछले चार दशक से शूटिंग प्रतियोगिताओं में सक्रिय हैं। ट्रैप शूटिंग के अंतर्गत 100 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से उड़ती हुई वस्तु पर निशाना लगाना होता है। यह काफी जटिल प्रतियोगिता होती है। इंपोर्टेड शॉटगन से उन्होंने 25 राउंड में से 17 बार सटीक निशाना लगाया। प्रदर्शन के आधार पर उन्हें द्वितीय स्थान मिला और रजत पदक से सम्मानित किया गया।

भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे, फिर भी हो रही आलोचना : पीटी उषा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नहीं करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई। खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है। उषा ने कहा, 'आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3:1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1:1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। उषा ने कहा, 'खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

एशिया कप से पहले बोली स्मृति मंधाना, अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना का किया खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप 2024 से पहले अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना के दृष्टिकोण के बारे में खुलकर बात की। मंधाना ने खुलासा किया कि उन्हें टी20आई में सरल दृष्टिकोण रखना पसंद है और यही उनकी सफलता की कुंजी रही है। भारतीय टीम आगामी महिला एशिया कप 2024 में भाग लेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 जुलाई से होगी जिसमें भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होंगे। गत विजेता टीम इंडिया अपने खिताब की रक्षा करने के लिए टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम के रूप में शुरुआत करेगी। मंधाना ने कहा, मेरी मानसिकता सिर्फ गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलने की है। कभी-कभी आप पहले बल्लेबाजी करते हैं या फिर दूसरे। निश्चित रूप से, जब आप दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके सामने वह स्कोर होता है, और आप अपने जोखिमों की गणना कर सकते हैं, और आप इसके लिए जा सकते हैं। पहली पारी में मुझे लगता है कि टी20 में, यह थोड़ा नुकसानदेह है कि आपको नहीं पता कि आपको क्या करना है। लेकिन मुझे लगता है कि इसे बहुत ज़्यादा जटिल नहीं बनाना चाहिए, बस गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलना चाहिए। यह बहुत आसान है, बस इसे सरल रखें। मुझे ऐसा ही लगता है।

शौर्य बावा मिस्र के मोहम्मद जकारिया से हारे, विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली । भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। बावा पिछले साल के उपविजेता जकारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। लड़कियों के वर्ग में अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11-8, 11-9, 5-11, 10-12, 13-11 से हराया था।

आयरलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम घोषित की

एजेंसी

डबलिन। आयरलैंड के राष्ट्रीय पुरुष चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम में मैथ्यू हम्फ्रीज़ और गेविन होए को शामिल किया गया है। व्हाइट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम्फ्रीज ने श्रीलंका में अपना टेस्ट डेब्यू किया और उपमहाद्वीप में स्पिन के अच्छे खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना उनके लिए मुश्किल था। वह खुद स्वीकार करेंगे कि वह फॉर्म में गिरावट और शायद आत्मविश्वास में कमी के दौर से गुज़रे, लेकिन उन्होंने वापसी करने के लिए बहुत मेहनत की है।

व्हाइट ने कहा, होए एक प्रतिभाशाली लेग स्पिनर हैं, और गेंद को दोनों तरफ़ घुमाने की उनकी क्षमता हमें एक मजबूत विकेट लेने वाला विकल्प देती है। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो कुछ समय से रडार पर है और तीनों प्रारूपों में खेल सकता है। इस साल की शुरुआत में,

मार्च में, आयरलैंड ने इतिहास रच दिया जब उन्होंने पूर्ण टेस्ट दर्जा प्राप्त करने के बाद से सबसे लंबे प्रारूप में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए संयुक्त अरब अमीरात में अफ़गानिस्तान को छह विकेट से हराया। यह उत्तरी आयरलैंड में आयोजित होने वाला पहला टेस्ट होगा और लगभग सात वर्षों में उनका दूसरा घरेलू टेस्ट होगा।

यह 25 से 29 जुलाई तक बेलफ़ास्ट के स्टॉर्मोन्ट में सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेला जाएगा।

व्हाइट ने कहा, अफगानिस्तान के खिलाफ हमारी पहली जीत के बाद, हम निश्चित रूप से एक और जीत के साथ इसे और बेहतर बनाना चाहते हैं। हम सिर्फ़ एक टीम नहीं चुन रहे हैं जो प्रतिस्पर्धा करेगी, हम एक ऐसी टीम की तलाश कर रहे हैं जो वास्तव में टेस्ट मैच जीत सके - 20 विकेट लेकर और जितने रन बनाने की ज़रूरत है, उतने रन बनाकर, संभवतः पहली पारी में जीत की नींव रख सके।

आयरलैंड की टेस्ट टीम: एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैम्फर, गेविन होए, ग्राहम ह्यूम, मैथ्यू हम्फ्रीज़, एंडी मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, जेम्स मैककॉलम, पीजे मूर, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर और क्रेग यंग।

गले मिलने पर साथी खिलाड़ी को पंत ने दिया धक्का, स्वीमिंग पूल में गिरा

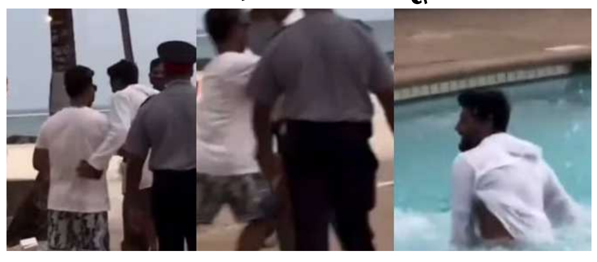

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने अपने मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अक्सर सीनियर खिलाड़ियों के साथ मस्ती करते देखा जाता है। अब सोशल मीडिया पर उनकी मस्ती का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पंत को अपने साथी खिलाड़ी को परेशान करते देखा जा रहा है। उन्होंने उसे पानी में फेंक दिया।

पंत ने दिया साथी खिलाड़ी को पानी में धक्का

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे पंत अपने साथी खिलाड़ी खलील अहमद को स्वीमिंग पूल में फेंक देते हैं। पंत रिजॉर्ट पर घूमते दिख रहे हैं। वहीं, खलील उन्हें देखकर पीछे-पीछे आते हैं और स्टार खिलाड़ी से गले मिलने की कोशिश करते हैं।

तभी पंत उन्हें स्वीमिंग पूल में धक्का दे देते हैं। वीडियो में देखा जा सकता है पंत उन्हें पानी में फेंकने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखते और चल देते हैं। हालांकि, कुछ देर बाद वह वापसी करते हैं और खलील को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश घोषित की

एजेंसी

नॉटिंघम। विंडीज क्रिकेट ने नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ कल से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए कैरेबियाई टीम की प्लेइंग इलेवन घोषित की।

कैरेबियाई टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है और दूसरे टेस्ट में चार तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के साथ उतरेगी। वेस्टइंडीज ने थ्री लॉयन्स के खिलाफ एक पारी और 114 रनों से हार के बाद दूसरे टेस्ट में प्रवेश किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन इस प्रकार है:

क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा (विकेट कीपर), कावेम हॉज, जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, किर्क मैकेंज़ी, गुडाकेश मोती और जेडन सील्स।

कपिल देव ने दी ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई

एजेंसी

मैड्रिड। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने पेरिस में ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय एथलीटों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे इस महाकुंभ में निडर होकर अपना प्रदर्शन करने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पदक तालिका में दोहरे अंक तक पहुंचेगा। 26 जुलाई से शुरू हो रहे आगामी टूर्नामेंट के लिए भारत ने 117 एथलीटों का दल भेजा है। देश को इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों को कपिल देव ने दी खास सलाह

कपिल देव ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियंस लीग (टीजीसीएल) के दूसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में कहा, मैं वास्तव में किसी के लिए

कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है। सभी (भारतीय एथलीटों) को मेरी सलाह यही होगी कि वे आगे आएं और अपने आपको साबित करें। मैं उम्मीद करता हूं कि अगर हमें विश्वास है कि यह (दोहरे अंक में पदक जीतना) होगा तो ऐसा क्यों नहीं होगा।

गंभीर पर क्या बोले कपिल देव?

इस दौरान पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं, तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

केंद्रीय खेल मंत्री मंडाविया ने राष्ट्रीय युवा, राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार विजेताओं से की बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की। इस सत्र का उद्देश्य इन युवा नेताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना और माई भारत मंच को बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह भारत के युवाओं के लिए अधिक सुलभ और लाभकारी हो।

मंडाविया ने पुरस्कार विजेताओं के असाधारण योगदान की सराहना की, जो भारत भर के विभिन्न राज्यों से हैं और जिन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), जलवायु परिवर्तन, शहरी नियोजन, युवा सशक्तिकरण और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उन्होंने राष्ट्र के लिए एक मजबूत भविष्य के निर्माण के लिए युवा प्रतिभाओं को पहचानने और उनका पोषण करने के महत्व पर जोर दिया।

युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में मंडाविया के हवाले से कहा गया, भारत के युवा हमारे भविष्य के

निर्णयकर्ता हैं और मैं उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा को लेकर उत्साहित हूं।

चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा MY Bharat प्लेटफॉर्म पर रचनात्मक युवा जुड़ाव के लिए अभिनव और सहयोगी विचारों पर केंद्रित था। मंडाविया ने पुरस्कार विजेताओं से सुझाव आमंत्रित किए कि कैसे इस प्लेटफॉर्म को और अधिक इंटरैक्टिव, सूचनात्मक और आकर्षक बनाया जाए। पुरस्कार विजेताओं ने अधिक डिजिटल टूल को शामिल करने, इसे सभी युवा-संबंधित पहलों के लिए वन-स्टॉप समाधान बनाने और महत्वाकांक्षी युवा नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए मेंटरशिप और इंटर्नशिप कार्यक्रम बनाने जैसे विचार प्रस्तावित किए।मंडाविया ने युवाओं और मंत्रालय के बीच निरंतर संवाद को प्रोत्साहित किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि युवा भारतीयों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पर्याप्त रूप से संबोधित किया जाए। मंडाविया ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

बातचीत का समापन युवाओं की भागीदारी और विकास के लिए MY Bharat प्लेटफॉर्म को आधारशिला बनाने के सामूहिक दृष्टिकोण के साथ हुआ। मंडाविया ने भविष्य के बारे में अपनी आशा व्यक्त की और भारत को प्रगति और नवाचार की ओर ले जाने में युवाओं की परिवर्तनकारी शक्ति में अपना विश्वास व्यक्त किया। बातचीत में युवा मामलों के विभाग के सचिव और युवा मामले और खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों का दल भेजेगा भारत, ग्राफिक्स में देखें किस खेल से किसे मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक का आगाज 26 जुलाई को होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने ओलंपिक के लिए भारतीय दल में सात रिजर्व सहित 117 एथलीटों के शामिल होने की पुष्टि की। भारत को इन एथलीट्स से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। खेल मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी आगामी ओलंपिक के लिए भारतीय दल के साथ जाएंगे।

वहीं, गोला फेंक एथलीट आभा खुटाआ का नाम इसमें शामिल नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था। पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स में भारत अपना सबसे बड़ा दल भेजेगा। 29 भारतीय एथलीट इन खेलों में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे जिसमे 11 महिला और 18 पुरुष शामिल हैं। इनके अलावा निशानेबाजी में 21 और हॉकी के 19 खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेंगे। टेबल टेनिस में आठ खिलाड़ी प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि बैडमिंटन में सात खिलाड़ी होंगे जिसमे दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शामिल हैं।

इनके अलावा कुश्ती के छह, तीरंदाजी के छह और मुक्केबाजी के छह खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेंगे। वहीं, गोल्फ से चार, टेनिस के तीन, तैराकी से दो, सेलिंग के दो और घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन से एक-एकखिलाड़ी इन खेलों में जाएंगे। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने 119 सदस्यों का दल भेजा था और टीम ने एक स्वर्ण सहित सात पदक जीते थे जो ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

चोट से उबरे मोहम्मद शमी, नेट्स पर की गेंदबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोट से पूरी तरह उबर गए हैं और उन्होंने नेट्स पर गेंदबाजी भी शुरू कर दी है जिससे इस बात की उम्मीद बढ़ गई है कि वह जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। शमी को पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद चोट लगी थी और वह तभी से टीम से बाहर चल रहे हैं। शमी को सर्जरी करानी पड़ी थी और वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की निगरानी में हैं। शमी को चोट के कारण आईपीएल 2024 से भी बाहर रहना पड़ा था और वह टी20 विश्व कप टीम में भी जगह नहीं बना सके थे।

लंबे समय से क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद शमी अब वापसी की तैयारियों में जुट गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमे वह नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। वह चोट से उबर गए हैं, लेकिन पूरी क्षमता के साथ गेंदबाजी शुरू नहीं कर पाए हैं।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को लेकर शमी फॉर्म में वापसी करने के लिए मेहनत कर रहे हैं और उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मंजूरी लेनी होगी।

शमी ने वनडे विश्व में किया था प्रभावित

शमी पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में चल रहे थे। उन्होंने सात मैचों में कुल 24 विकेट लिए थे और भारत के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले वह चोटिल हो गए और समय से उबर नहीं सके। इस कारण शमी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से हटना पड़ा था। शमी की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने टी20 विश्व कप में उम्दा प्रदर्शन किया था और कुल मिलाकर 32 विकेट झटके थे।

बांग्लादेश के खिलाफ कर सकते हैं वापसी

शमी बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज से भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं। भारत को सितंबर-अक्टूबर में दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करनी है। भारत को इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है और शमी का इस सीरीज के लिए चुना जाना मुश्किल माना जा रहा है।

यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में शामिल हुए चार बार के चैंपियन राफेल नडाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चार बार के चैंपियन राफेल नडाल को 2024 अमेरिकी ओपन (यूएस ओपन) के लिए मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। वे पिछले चार वर्षों में तीन बार इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाए थे। 38 वर्षीय स्पेनिश बाएं हाथ के खिलाड़ी के पास नौवीं रैंकिंग है, जो 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन के लिए खुद को मैदान में उतारने के लिए है।

22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने 27 मई के बाद अपना पहला एकल मैच खेला, जिसमें उन्होंने नॉर्डिया ओपन में लियो बोर्ग को 6-3, 6-4 से हराया। नडाल ने पेरिस में लाल मिट्टी पर पहले दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। नडाल ने 2019 में अपना चौथा न्यूयॉर्क हार्डकोर्ट क्राउन जीतने के बाद से 2022 में केवल एक बार यूएस ओपन खेला है। वह 14 खिलाड़ियों

में से एक थे जिन्होंने संरक्षित रैंकिंग के साथ मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

नडाल ने 2010 में यूएस ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और 2013, 2017 और 2019 में यूएस ओपन खिताब भी अपने नाम किए। वह 2022 में चौथे दौर में पहुंचे, लेकिन तब से उन्होंने केवल दो स्लैम खेले हैं और कभी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए।

इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन इटली के विश्व नंबर एक जननिक सिनर और जून में लगातार तीसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्विएटेक पुरुष और महिला वर्ग में आगे हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और कोको गॉफ भी लाइनअप में हैं।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज, 2022 यूएस ओपन चैंपियन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन खिताब जीत चुके हैं और 2010 में नडाल के बाद एक ही साल में ये ट्रॉफी और यूएस ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका, 2023 यूएस ओपन उपविजेता जो चोट के कारण विंबलडन से चूक गईं, और विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा भी मैदान में हैं।

अमेरिकी रीली ओपेल्का 2022 के बाद से अपना पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। तीन अन्य पूर्व यूएस ओपन चैंपियन पुरुषों में डेनियल मेदवेदेव और महिलाओं की ओर से स्लोएन स्टीफंस और एम्मा राडुकानू मुख्य ड्रॉ सूची में शामिल हैं।

विंबलडन में चौथे दौर तक राडुकानू के पहुंचने से उन्हें विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह मिली और यूएस ओपन में जगह मिली। पिछले यूएस ओपन विजेताओं में से जो सीधे स्वीकृति सूची में नहीं आ पाए हैं, उनमें महिलाओं में बियांका एंड्रीस्कू, एंजेलिक कर्बर और नाओमी ओसाका और पुरुषों के लिए एंडी मरे, डोमिनिक थिएम और स्टेन वावरिंका शामिल हैं। तीनों महिलाएँ पिछले साल के यूएस ओपन से चूक गई थीं, एंड्रीस्कू चोट के कारण और ओसाका और कर्बर मातृत्व अवकाश पर थीं, और सभी ने इस साल की शुरुआत में मेजर के लिए अपनी संरक्षित रैंकिंग समाप्त कर दी थी। ओसाका महिलाओं की वैकल्पिक सूची में छठे स्थान पर हैं। वावरिंका पुरुषों के सातवें वैकल्पिक खिलाड़ी हैं, मरे 26वें वैकल्पिक खिलाड़ी हैं और थिएम, जो कहते हैं कि वे 2024 के बाद संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं, 36वें वैकल्पिक खिलाड़ी हैं।

कोच बनने के बाद गंभीर ने केकेआर के प्रशंसकों को दिया भावुक संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मेंटर पद छोड़ने के बाद प्रशंसकों से भावुक विदाई ली है। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गंभीर को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गंभीर और केकेआर का साथ काफी पुराना है। उन्होंने पहले अपनी कप्तानी में टीम को दो बार आईपीएल का खिताब दिलाया था और फिर मेंटर के तौर पर भी सफलता दिलाने में सफल रहे थे। गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और फैंस का आभार व्यक्त किया।

गंभीर ने सोशल मीडिया पर दो मिनट 30 सेकेंड के वीडियो में कोलकाता के साथ अपने बॉन्ड की बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह टीम की जीत उनकी जीत होती थी और जब कोलकाता के प्रशंसकों के आंखों में आंसू होते थे तो वो भी अपने आंसू नहीं रोक पाते थे। मालूम हो कि गंभीर दो सीजन तक लखनऊ सुपरजाएंट्स के भी मेंटर रहे थे और इसी सीजन वह दोबारा कोलकाता टीम से जुड़े थे। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ इस महीने के अंत में होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से कार्यभार संभालेंगे।

गंभीर ने कोलकाता के फैंस से कही दिल छू लेने वाली बात

गंभीर ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, चलिए कोलकाता, नई विरासत का हिस्सा बनें। यह कोलकाता और केकेआर के प्रशंसकों के लिए समर्पित हैं। बंगाल क्रिकेट संघ का विशेष रूप से आभार। उन्होंने कहा, जब आप हंसते हैं, मैं भी हंसता हूं। जब आप रोते हैं, मैं भी रोता हूं, आपकी जीत, मेरी जीत है और आपकी हार में मेरी हार है। जब आप सपने देखते हैं, मैं भी ऐसा करता हूं, आपकी उपलब्धि ही मेरी उपलब्धि है। मैं आप पर भरोसा करता हूं और मैं आप हूं, मैं आपका हूं कोलकाता। मैं आप में से ही एक हूं, मैंने आपके संघर्ष देखे हैं और मुझे पता है कि कितना दर्द होता है।

'मैं आप में से ही एक हूं'

उन्होंने कहा, आपकी ही तरह असफलता मुझे दर्द देती है। मैं आशा के साथ फिर उठता हूं, गिरता हूं, लेकिन आपकी तरह हार नहीं मानता। वे मुझे लोकप्रिय बनने के लिए कहते हैं और मैं उन्हें विजेता बनने के लिए कहता हूं। मैं आप हूं कोलकाता, मैं आप में से ही एक हूं।

ये कोलकाता की हवाएं मुझसे बात करती हैं। ये आवाज, यहां के स्ट्रीट और ट्रैफिक जाम, ये सभी बताते हैं कि आपको कैसा लगता है। आप जो कहते हैं, मैं सुनता हूं, लेकिन मुझे पता है आप क्या चाहते हैं। मुझे पता है आप भावुक हैं और मैं भी, मुझे पता है आप मांग करते हैं। कोलकाता हमारे बीच एक रिश्ता है, हम एक कहानी हैं, हम एक टीम हैं।

रश्मिका मंदाना

पर टूटा दुखों का पहाड़, हमेशा के लिए छूटा मैक्सी का साथ

रश्मिका मंदाना एनिमल लवर हैं. इस बात का अंदाजा उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है. वो अक्सर एनिमल्स के साथ फोटोज शेयर करती रहती हैं. कभी प्यारी सी कैट के साथ मस्ती करते, तो कभी पेट डॉग्स के साथ वो फोटोज शेयर करती रहती हैं. लेकिन अब उन पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है. दरअसल उनके पेट डॉग मैक्सी ने दुनिया को अलविदा कह दिया है.रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पेट डॉग मैक्सी के साथ फोटो शेयर करते हुए दुख जाहिर किया. इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, रेस्ट इन पीस मेरे छोटे और सबसे अच्छे लड़के हम तुम्हें बहुत याद करेंगे.एनिमल डे हो या चिल्ड्रन्स डे रश्मिका अक्सर अपने पेट डॉग्स और कैट्स की फोटो शेयर करती रहती हैं. अप्रैल में उन्होंने कई एनिमल्स के साथ एक बहुत प्यारा वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था.

रश्मिका मंदाना वर्कफ्रंट

रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास इस समय कई प्रोजेक्ट पाइपलाइन में है. पिछली बार वो रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' में नजर आई थीं. उनकी फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. अब वो जल्द ही राहुल रविंद्र की फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में दिखाई देंगी. उनकी ये फिल्म 30 जुलाई को रिलीज होने जा रही है. इसके बाद उनकी और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसका फैन्स को भी बेसब्री से इंतजार है.

6 दिसंबर को रिलीज होगी पुष्पा 2

'पुष्पा 2' पहले 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी. लेकिन फिर इसकी डेट को पोस्टपोन कर दिया गया और अब ये फिल्म 6 दिसंबर को रिलीज होगी. फिल्म के गाने पहले ही आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला. उनकी फिल्म एक साथ 6 भाषाओं में रिलीज होगी. इसके बाद दिसंबर में ही उनकी धनुष के साथ 'कुबेरा' भी आएगी. वो सलमान खान के साथ अगले साल 'सिकंदर' में भी दिखाई देंगी. इसमें वो पहली बार सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी.

अजय देवगन की पिक्चर को दो नेशनल अवॉर्ड मिले, प्रोडक्शन कंपनी की इकॉनमी हिल गई!

अजय देवगन की 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' साल 2002 में रिलीज हुई थी. ये फिल्म भगत सिंह के जीवन पर बेस्ड थी. इस मूवी को दो नेशनल अवॉर्ड भी मिले थे. अजय ने पहला अवॉर्ड बेस्ट मेल एक्टर का जीता था. दूसरा अवॉर्ड बेस्ट फिल्म का था. 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म के बारे में बात की है. सालों बाद उन्होंने खुलासा किया है कि इस मूवी में उन्हें घाटा हुआ था. इस फिल्म के कारण उन्हें 1-2 करोड़ नहीं बल्कि 25 करोड़ का घाटा हुआ था. रमेश ने इसकी वजह पर भी बात की है.'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी. इस बारे में बात करते हुए रमेश तौरानी ने कहा, ये फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई क्योंकि उस समय भगत सिंह पर 5 फिल्में बन रही थीं. इनमें से एक फिल्म सोनू सूद की थी. ये एक हफ्ते पहले रिलीज हुई थी और हमारी फिल्म सनी और बॉबी की '23 मार्च 1931- शहीद' से क्लैश हुई थी.

पूरी कंपनी की इकॉनमी हिल जाती है...

रमेश ने न्यूज़ 18 को बताया कि उस दौरान एक और फिल्म थी, जिसे रामानंद सागर ने बनाया था. ये पिक्चर सीधे दूरदर्शन पर रिलीज हुई थी. इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें दुख हुआ जब उनकी फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये बहुत दुखद बात थी. उन्होंने कहा, पूरी कंपनी की इकॉनमी हिल जाती है. उन्होंने बताया कि भले ही फिल्म आर्थिक पैमाने पर घाटे में रही, लेकिन फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड सहित कई अवॉर्ड जीते थे.

रिस्क के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें पता था कि इस पर कई फिल्में बन रही हैं. इसके बाद भी हमने अपनी स्क्रिप्ट की वजह से इसे बनाने का फैसला किया. रमेश ने कहा कि भले ही फिल्म घाटे में चली गई, लेकिन उन्होंने सबके पैसे चुका दिए थे. उनके अनुसार, सभी ने अपना काम किया था. रिस्क लेने का फैसला उनका था.

सबको मिलना चाहिए अधिकार...शार्क टैंक इंडिया की नमिता थापर ने की सरोगेसी कानून में बदलाव की मांग

सोनी टीवी के बिजनेस रियलिटी शो 'शार्क टैंक इंडिया' की शार्क नमिता थापर, एक बड़ी फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर 'सरोगसी' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बात की है. नमिता ने भारत के सरोगेसी के कानून पर सवाल उठाते हुए अपनी चिंता व्यक्त की है. साथ ही शार्क टैंक इंडिया की इस शार्क ने सरोगेसी कानून में बदलाव लाने की भी मांग की है. नमिता का मानना है कि सरोगेसी जैसे मुद्दों पर अब लोगों को खुलकर चर्चा करने की जरूरत है. साथ ही इस प्रक्रिया को लेकर लोगों की सोच भी बदल जानी चाहिए.दरअसल सरोगेसी में महिला (सरोगेट मदर) किसी और के बच्चे को 9 महीने अपनी कोख में रखती है और उस बच्चे को जन्म देने के बाद वो महिला उसे अपने माता-पिता को सौंप देती है. इंडिया में सिंगल वुमन, विधवाएं, एलजीबीटीक्यू कपल को सरोगेसी की अनुमति नहीं है. नमिता ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर सरोगेसी के समर्थन में अपने विचार पोस्ट किए हैं. इस पोस्ट के कैप्शन में नमिता लिखती हैं, मुझे लगता है कि भारत के सरोगेसी कानून में फिलहाल कई धाराएं अनुचित हैं, उसमें बदलाव करने की सख्त जरूरत है. हमें ऐसे कानून में शामिल गलत मुद्दों पर बहस और चर्चा करनी चाहिए.

सरोगेसी के सपोर्ट में बोलीं नमिता

अपने इस कैप्शन में आगे नमिता लिखती हैं कि इस कानून में कुछ ऐसे लोगों से माता-पिता बनने का अधिकार छीन लिया जाता है, जो सच में इस अनुभव को महसूस करना चाहते हैं. नमिता का कहना है भले ही इंसान का मैरिटल स्टेटस, जेंडर कुछ भी हो, या फिर वो किसी अन्य कम्युनिटी से हो, इस बात से फर्क नहीं पड़ना चाहिए. सरोगेसी का अधिकार सबको मिलना चाहिए, क्योंकि अपना परिवार बनाने का हक हर किसी को है.

हर किसी को है पेरेंट्स बनने का अधिकार

नमिता ने सरोगेसी कानून की वजह से जो माता पिता नहीं बन सकते उनको लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है. नमिता की इस पोस्ट को कुछ लोग सपोर्ट कर रहे हैं, तो कुछ उनका विरोध कर रहे हैं. जल्द नमिता अपने बिजनेस रियलिटी शो 'शार्क टैंक इंडिया 4' की शूटिंग शुरू करने वाली हैं. 3 सफल सीजन के बाद हाल ही में सोनी लिव ने शार्क टैंक इंडिया के सीजन 4 की घोषणा की थी.

मिर्जापुर की सलोनी भाभी

को लोग ब्लड रिपोर्ट क्यों भेज रहे हैं? चौथे सीजन से है कनेक्शन

मिर्जापुर का तीसरा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर आया है. इस सीजन को हालांकि पहले दो सीजन जितनी प्यार नहीं मिला, फिर भी इसके कई किरदार वायरल हो गए हैं और हर जगह उन्हीं की चर्चा हो रही है. उन्हीं वायरल किरदारों में से एक हैं नेहा सरमग. नेहा ने मिर्जापुर के दूसरे और तीसरे सीजन में काम किया है. उन्होंने सलोनी भाभी का किरदार निभाया है, जो कि विजय वर्मा यानी शुत्रघन त्यागी की पत्नी हैं.नेहा सरगम तीसरा सीजन आते ही सोशल मीडिया पर छा गईं. हर कोई उनके बारे में ही जानना चाहता है. इस बीच नेहा ने एंट लाइव को एक इंटरव्यू दिया, जिसमें अपनी निजी जिंदगी और सीरीज़ को लेकर कई खुलासे किए. इस दौरान उन्होंने बताया कि लोग उन्हें इंस्टाग्राम पर अपने खून के जांच की रिपोर्ट भेज रहे हैं.

सीजन 4 को लेकर क्या आप से सवाल हो रहे हैं? इस बारे में पूछे जाने पर नेहा सरगम ने कहा, मुझे ब्लड के रिपोर्ट्स आने शुरू हो गए हैं कि मेरा ब्लड रिपोर्ट देखो, बोलो कहां भेजना है ब्लड. कितने यूनिट भेजने हैं. शिविर लगाने का और (ब्लड) डोनेशन कैंप लगाने के, मैं तो डर जाती हूं कभी कभी.

13 साल की मेहनत का फल

इस दौरान नेहा सरगम ने कहा कि कई लोगों को लगता है कि मुझे रातों रात फेम मिला है पर ऐसा नहीं है. उन्होंने कहा कि मैं 13 साल से काम कर रही हूं. मुझे लगता है कि मैंने इन सालों में जितनी भी कड़ी मेहनत की थी, उन सब का ये सिला मुझे अब मिल रहा है.

नेहा ने बताया कि वो ऐसे परिवार से हैं, जहां संगीत अहम है. उन्होंने बताया कि मेरे नाना दरभंगा घराना से हैं. वो दरभंगा महाराज के यहां दरबारी गायक थे. नेहा ने नाना को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया. नेहा ने ये भी बताया कि उन्होंने इंडियन आइडल से शुरुआत की थी. दो बार इस शो में किस्मत आजमाई पर बात नहीं बनी. इसके बाद इंडियन आइडल का एक वीडियो उनका वायरल हो गया और उन्हें एक्टिंग के ऑफर्स मिलने लगे.